नई दिल्ली
रविवार, 3 मई 2026
ज्येष्ठ मास कृष्ण पक्ष,
द्वितीया वर्ष : 30, अंक : 14
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 43
न्यून. 28

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

"विश्व हास्य दिवस"

राजधानी में शनिवार को हुए एक कार्यक्रम में बोले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह

ऑपरेशन सिंदूर सैन्य इतिहास का स्वर्णिम अध्याय, सैनिकों ने दिखाया अद्भुत पराक्रम

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को नई दिल्ली में आयोजित किए गए एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ऑपरेशन सिंदूर देश के सैन्य इतिहास का एक स्वर्णिम अध्याय है। जिसमें जवानों ने अद्भुत वीरता और साहस का प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार आतंकवाद का समूल नाश करने के लिए दृढ़ता के साथ संकल्पबद्ध है। यह जानकारी रक्षा मंत्री ने 2 मई को

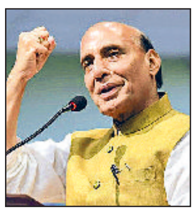

'शौर्य' नामक एक कार्यक्रम के दौरान दी। जिसे मंत्रालय ने सशस्त्र सेनाओं के इस अभियान की पहली वर्षगांठ के 'रन-अप आयोजन' के रूप में मनाया। एक बयान जारी कर रक्षा मंत्रालय ने बताया कि कार्यक्रम में सीडीएस जनरल अनिल चौहान, वायुसेनाध्यक्ष ▸▸ शेष पेज 5 पर

मारे गए 100 से ज्यादा आतंकवादी

उल्लेखनीय है कि पिछले साल 22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में सशस्त्र सेनाओं द्वारा पाकिस्तान और उसके अवैध कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) में मौजूद आतंकियों के खात्मे के लिए चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर अभियान की पहली वर्षगांठ 7 मई को है। इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान समर्थित द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) के आतंकियों ने ली थी। जो कि लश्कर-ए-तैयबा का ही एक छद्म आतंकी संगठन है और अब उसकी जगह पर जम्मू-कश्मीर में आतंक का खूनी खेल, खेल रहा है। सिंदूर अभियान 7 से लेकर 10 मई 2025 को समाप्त हुआ था और उसके साथ ही भारत, पाकिस्तान के बीच 10 मई 2025 की शाम 5 बजे से संघर्षविराम लागू है। जो आज भी चल रहा है। भारत ने पड़ोसी दुश्मन देश को आतंकवाद के खिलाफ बनी हुई उसकी जीरो टॉलरेंस की नीति के बारे में भी साफ शब्दों में स्पष्ट कर दिया है।

युद्धक्षेत्र के बाहर दिखाई वीरता

राजनाथ के मुताबिक, सशस्त्र सेनाओं का पराक्रम युद्ध क्षेत्र के बाहर भी साफ तौर पर देखने को मिलता है। जिसमें वह प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सबसे पहले प्रतिक्रिया करते हुए मानवीय सहायता प्रदान करते हैं। फिर चाहे देश हो या बाहर का कोई मुल्क, उनकी भावना सभी के लिए एक समान बनी रहती है। उन्होंने कहा कि हमारे जवान हथियारों का इस्तेमाल संकट के समय में अपने लोगों को सुरक्षित करने, उन तक खाना और दवाएं पहुंचाने के लिए करते हैं। यह हमारी सशस्त्र सेनाओं के चरित्र को परिभाषित करता है। उन्होंने सैन्य बैंड के मार्चिंग गीत को रेखांकित करते हुए कहा, यह गीत और इसका संगीत व्यक्तिगत पहचान को सामूहिक ताकत में बदल देती है। यही भावना सशस्त्र सेनाओं की पहचान और सिद्धांतों के साथ गहराई से जुड़ी हुई है। कार्यक्रम में पद्मश्री से सम्मानित अनूप जलोटा, कैलाश खेर, हर्षदीप कौर, मनोज मुंतशिर जैसी हस्तियों की भी मौजूदगी रही।

सेंटर फॉर न्यूरोलॉजिकल कंडीशंस में यह तकनीक

देश का पहला पोर्टेबल एमआरआई सिस्टम दिल्ली के एम्स में शुरू हुआ

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

अच्छी खबर

देश के प्रमुख चिकित्सा संस्थान अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने स्वास्थ्य सेवाओं में बड़ा कदम उठाते हुए भारत का पहला पोर्टेबल बेडसाइड एमआरआई सिस्टम शुरू किया है। यह अत्याधुनिक तकनीक गंभीर रूप से बीमार मरीजों के लिए तेज और सुरक्षित ब्रेन इमेजिंग को संभव बनाएगी। इस पोर्टेबल एमआरआई मशीन की सबसे बड़ी खासियत यह है कि इसे सीधे मरीज के बेड ▸▸ शेष पेज 5 पर

4 से 8 मई तक का होगा दौरा, आईएमआरएफ की बैठक में होगी भागीदारी

चाबहार बंदरगाह पर लगी रोक हटेगी... कीर्तिवर्धन सिंह करेंगे अमेरिका की यात्रा

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

पश्चिम-एशिया संकट के बीच चाबहार बंदरगाह के विकास के लिए अमेरिका द्वारा दी गई छूट की समयसीमा पिछले महीने 26 अप्रैल को समाप्त हो गई है। जिसके बाद ईरान से अफगानिस्तान और मध्य-एशिया तक सीधे पहुंच बनाने की भारत के महत्वपूर्ण रणनीतिक परियोजना पर फिलहाल ब्रेक लग गया है। साथ ही अब उस पर अमेरिकी प्रतिबंधों का जोखिम भी बढ़ गया है। इन सबके बीच विदेश और पर्यावरण-वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय में राज्य मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह अगले सप्ताह से अमेरिका की यात्रा करेंगे। जिसमें बहुत संभावना है कि वहां होने वाली उच्च-स्तरीय वार्ताओं में दोनों देशों के

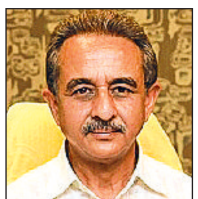

द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े हुए विभिन्न मुद्दों (द्विपक्षीय व्यापार समझौता शामिल) के अलावा चाबहार के मामले पर भी विचार-विमर्श किया जा सकता है। बताते चलें कि पूर्व में सिंह ने मिस्र में आयोजित किए गए गाजा शांति शिखर सम्मेलन में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मुलाकात की थी। अप्रैल महीने की शुरुआत में वह म्यांमार गए थे। जहां उन्होंने म्यांमार के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मिन आंग ह्लाइंग के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लिया था। ▸▸ शेष पेज 5 पर

यूएनजीए करेगी बैठक का आयोजन

विदेश मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि कीर्तिवर्धन सिंह 4 मई से लेकर 8 मई तक अमेरिका की पांच दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर रहेंगे। जिसमें वह मुख्य रूप से न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) द्वारा आयोजित किए जाने वाले दूसरे अंतरराष्ट्रीय प्रवासन समीक्षा मंच (आईएमआरएफ) में भारतीय प्रतिनिधिमंडल की अध्यक्षता करेंगे। इस दौरान होने वाले पूर्ण सत्र (प्लेनरी) में उनके द्वारा भारत का राष्ट्रीय बयान दिया जाएगा। इस आयोजन की खास बात यह होगी इससे इतर भारत भी एक कार्यक्रम आयोजित करेगा। जिसका ▸▸ शेष पेज 5 पर

वरिष्ठ अधिकारियों से होगी मुलाकात

कीर्तिवर्धन सिंह अमेरिका की अपनी इस यात्रा में संयुक्त राष्ट्र के अधिकारियों और आईएमआरएफ में बतौर सदस्य देश के रूप में शामिल दुनिया के बाकी देशों के मंत्रियों से भी मुलाकात करेंगे। यह मंच प्राथमिक रूप से एक अंतर-सरकारी अंतरराष्ट्रीय मंच है। जो कि प्रवासन के वैश्विक मामले और उसके सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) से संबंधित भाग पर चर्चा तथा उसमें हुई प्रगति पर विचार-विमर्श से जुड़ा हुआ है। चार बहुभागीदार गोलमेज वार्ताएं, नीतिगत परिचर्चा और एक पूर्ण चर्चा भी इस आयोजन का हिस्सा बनेंगी। जिसके परिणामस्वरूप प्रगति घोषणापत्र को अंगीकार किया जाएगा।

2022 में हुआ पहला आईएमआरएफ

पहला आईएमआरएफ चार साल पहले वर्ष 2022 में आयोजित किया गया था। अब इस वर्ष के कार्यक्रम में भारत पूरी सक्रियता के साथ भाग लेगा और प्रवासी समुदाय के हितों की सुरक्षा में अपना योगदान देगा।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी बधाई, जोशी को बताया विलक्षण रचनात्मक व्यक्तित्व

प्रख्यात गीतकार और लेखक प्रसून जोशी प्रसार भारती के अध्यक्ष नियुक्त

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

प्रख्यात गीतकार और लेखक प्रसून जोशी को प्रसार भारती का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने शनिवार को जोशी के नाम की घोषणा की। मंत्रालय ने नियुक्ति की घोषणा करते हुए मंत्रालय ने साहित्य, विज्ञापन, सिनेमा और सार्वजनिक संचार के क्षेत्र में जोशी के व्यापक योगदान को रेखांकित किया। यह नियुक्ति मंत्रालय द्वारा पूर्व अध्यक्ष नवनीत कुमार सहगल के इस्तीफे को स्वीकार किए जाने के कुछ महीनों बाद हुई है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जोशी को उनकी नियुक्ति पर बधाई देते हुए कहा कि वे एक विलक्षण रचनात्मक व्यक्तित्व हैं। वैष्णव ने

आगे कहा कि उनके नेतृत्व में प्रसार भारती को नई ऊर्जा, गहरा उद्देश्य और एक नई रचनात्मक आवाज मिलेगी। मंत्रालय ने जोशी की नियुक्ति पर जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि उन्होंने समकालीन भारतीय मीडिया के विमर्श को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और वे अपने प्रभावशाली लेखन और गहरी सांस्कृतिक संवेदनशीलता के लिए जाने जाते हैं। इसमें कहा गया है कि उनके कार्यों में प्रशंसित फिल्म गीत, विज्ञापन अभियान और सामाजिक रूप से प्रासंगिक कहानियां शामिल हैं जो देश भर में विविध दर्शकों ▸▸ शेष पेज 5 पर

2 से 10 मई तक का होगा उनका यह दौरा, जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद-टोबैगो जाएंगे

आज से तीन कैरेबियाई देशों की यात्रा पर विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

तेजी से बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर शनिवार से जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद-टोबैगो जैसे तीन कैरेबियाई देशों की एक महत्वपूर्ण आधिकारिक यात्रा पर हैं। जो 2 से लेकर 10 मई तक कुल 9 दिनों में पूरी होगी। विदेश मंत्रालय ने एक बयान के जरिए बताया कि यह तीनों देश अपने यहां बड़ी तादाद में मौजूद गिरमिटिया (भारतवंशी) लोगों की आबादी की वजह से भारत के साथ ▸▸ शेष पेज 5 पर

भारतीय समुदाय से होगी मुलाकात

तीनों देशों की इस यात्रा में भारत के विदेश मंत्री व्यापार जगत के प्रमुख नेताओं और भारतीय समुदाय के सदस्यों से भी मुलाकात कर सकते हैं। व्यापारिक चर्चाओं की मदद से इन देशों के साथ भारत के व्यापार संबंधों को और अधिक मजबूती मिलेगी। विदेश मंत्री की यह यात्रा जमैका, सूरीनाम और त्रिनिदाद-टोबैगो के साथ राजनीतिक गतिविधियों को लेकर बनी हुई भारत की निरंतरता को भी दर्शाती है। इसके अलावा इसकी मदद से दोनों पक्षों के दीर्घकालिक मित्रतापूर्ण संबंधों को बढ़ावा मिलेगा। जो दक्षिण-दक्षिण सहयोग और विकास को लेकर बनी हुई साझा प्रतिबद्धता का भी प्रमाण प्रस्तुत करते हैं।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

सरकार ने की इमरजेंसी अलर्ट सिस्टम की टेस्टिंग

नई दिल्ली। देशभर में शनिवार सुबह 11:45 बजे कई मोबाइल फोन पर एकसाथ सायरन की

आवाज सुनाई देने लगी। स्क्रीन पर हिंदी-अंग्रेजी में एक मैसेज था। सायरन बंद हुआ तो मोबाइल पर मैसेज पढ़कर भी सुनाया गया। इससे कई लोग परेशान हुए, तो कई कन्फ्यूज। यह मैसेज राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, यानी एनडीएमए ने भेजा था। एनडीएमए ने इमरजेंसी में लोगों तक सूचना पहुंचाने के लिए 2 मई को सेल ब्रॉडकास्ट अलर्ट सिस्टम का परीक्षण किया। यह मैसेज हिंदी और अंग्रेजी के साथ सभी क्षेत्रीय भाषाओं में भी भेजा गया।

राज्य के विकास और भविष्य की शिक्षा पहलों पर हुई चर्चा

हरियाणा के राज्यपाल घोष ने प्रधानमंत्री से की मुलाकात

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने शनिवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान हरियाणा की प्रथम महिला मित्रा घोष और राज्यपाल के निजी सचिव शंख चटर्जी भी उपस्थित रहे। राज्यपाल ने हरियाणा के समग्र विकास के लिए प्रधानमंत्री के निरंतर समर्थन, मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने प्रधानमंत्री को राज्य की प्रगति, चल रही जनकल्याणकारी योजनाओं और अन्य प्रमुख विकास कार्यों से अवगत कराया। राज्यपाल ने भविष्य उन्मुख विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली की अवधारणा पर भी चर्चा की जिसमें आर्टिफिशल इंटेलीजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसे उभरते क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया है। इस अवसर पर शंख चटर्जी ने ▸▸ शेष पेज 5 पर

गैर जमानती धाराओं में केस दर्ज होने के बाद पाठक की गिरफ्तारी के लिए आई थी पुलिस

संदीप पाठक के घर पहुंची पंजाब पुलिस, भाजपा ने दी कड़ी प्रतिक्रिया

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी छोड़कर हाल ही में भाजपा में शामिल हुए राज्यसभा सांसद संदीप पाठक के आवास पर शनिवार को पंजाब पुलिस पहुंच गई। पंजाब पुलिस पाठक के खिलाफ केस दर्ज करने के बाद उनकी गिरफ्तारी के लिए दिल्ली पहुंची थी।

भाजपा ने इस घटनाक्रम पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। इस बीच राज्यसभा सांसद संदीप पाठक को दिल्ली स्थित अपने घर से गाड़ी में बैठकर बाहर निकलते हुए देखा गया। पंजाब सरकार के इस कदम के बाद अब इस मामले में सियासत भी तेज हो गई है। भाजपा के राज्यसभा सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री पर निशाना साधा है। भाजपा सांसद एवं पार्टी प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कहा कि आज राज्यसभा के सांसद संदीप पाठक के आवास पर पंजाब पुलिस ने जाकर रेड करने का प्रयास किया। हम यह सवाल पूछना चाहते हैं पंजाब सरकार से जहां कानून व्यवस्था की स्थिति इतनी लचर है कि आपकी पुलिस ड्रग वालों को पकड़ नहीं पा रही है, जहां पवित्र हरमंदिर साहिब जी के गेट के ऊपर भी गोली चल जाती है, जहां पुलिस अधिकारियों के कार्यालय पर हमला हो जाता है वहां पर नियंत्रण न करके आज संदीप पाठक के आवास पर पंजाब पुलिस ▸▸ शेष पेज 5 पर

जब पाकिस्तानी मंत्री ने मीडिया में खुद ही खोल दी अपने देश की पोल...

कहा, हम भारत नहीं हैं, हमारे पास तो सिर्फ 5 से 7 दिन का ही कच्चे तेल का स्टॉक बचा है

हरिभूमि ब्यूरो ▸▸ नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान युद्ध के चलते बंद पड़े होर्मुज जलडमरूमध्य की वजह से बाधित होती तेल और गैस की वैश्विक आपूर्ति के बीच पाकिस्तान के पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक का एक सार्वजनिक कबूलनामा सामने आया है। जिसमें उन्होंने कहा कि हम भारत नहीं हैं। इस्लामाबाद के पास रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व (एसपीआर) का कोई भंडार मौजूद नहीं है। वर्तमान में हमारे पास केवल कच्चे तेल का 5 से 7 दिन का कमर्शियल स्टॉक ही बाकी बचा हुआ है। यह जानकारी पाकिस्तानी मंत्री ने बीते दिनों 'समा टीवी' के एक लाइव साक्षात्कार में दी थी। जो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

तीन गुना बढ़ा तेल आयात का बिल

यहां बता दें कि पूर्व में पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ कह चुके हैं कि ईरान युद्ध की वजह से देश के तेल आयात के बिल में तीन गुना की बढ़ोतरी हुई है और वह करीब 800 मिलियन डॉलर तक जा पहुंचा है। अब पेट्रोलियम मंत्री ने ऊर्जा सुरक्षा के मामले में देश की हकीकत सबके सामने ला दी है। वहीं, पड़ोसी दुश्मन देश के कैबिनेट स्तर के मंत्री का यह बयान एक ऐसे समय में सामने आया है। जब युद्ध के चलते अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतें 126 डॉलर प्रति बैरल पर जा पहुंची हैं।

भारत का एक हस्ताक्षर काफी है

पाकिस्तानी मंत्री ने यह भी कहा कि भारत के पास दो महीने से अधिक का तेल भंडार मौजूद है। जबकि इस्लामाबाद के बाद ऐसा कोई बफर स्टॉक मौजूद नहीं है। हम भारत जैसे कतई नहीं हैं। जो अपने एक हस्ताक्षर पर तेल भंडार जारी कर सकें। हमारा देश तेल के मामले में सिर्फ और सिर्फ कमर्शियल आपूर्ति पर निर्भर है। जो बेहद सीमित है। मलिक ने यह भी कहा कि भारत के पास 600 अरब डॉलर का रिजर्व ही नहीं है। बल्कि वह रणनीतिक रिजर्व को भी संभाल रहा है। यहां बता दें कि भारत में बीते कुछ दिनों से जारी अंतर-मंत्रालयी प्रेस वार्ता में सरकार के विभागीय अधिकारियों की तरफ से यह स्पष्ट किया जा रहा है कि देश के पास पेट्रोलियम पदार्थों का 60 दिनों का स्टॉक मौजूद है। इसके अलावा एलपीजी की बात करें तो वह कुल करीब 8 लाख टन का है। दूसरी ओर पाकिस्तान में देखें तो उक्त संकट के बीच ईंधन की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं। जिसके पीछे ऊर्जा उत्पादों की कमी बड़ी वजह बनी हुई है। डीजल की कीमतें भी तीन से चार गुना बढ़ी हुई हैं।

ACCESS TO JUSTICE FOR ALL
दिल्ली पुलिस
शांति सेवा न्याय
यातायात पुलिस दिल्ली

दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण
के सहयोग से
दिल्ली यातायात पुलिस
द्वारा आयोजित

राष्ट्रीय लोक अदालत
09.05.2026 को इन सात कोर्ट परिसरों में

कोर्ट परिसर
पटियाला हाउस | कड़कड़डूमा | तीस हज़ारी
साकेत | रोहिणी | द्वारका | राउज़ एवेन्यू

1. केवल दिल्ली यातायात पुलिस पोर्टल पर लंबित और 31.01.2026 तक वर्चुअल कोर्ट को भेजे गए समझौता योग्य यातायात चालान/नोटिस ही इस लोक अदालत में सुनवाई के लिए रखे जाएँगे।
2. नोटिस/चालान डाउनलोड करने और प्रिंटआउट लेने के लिए दिल्ली ट्रैफिक पुलिस की वेबसाइट पर लॉग इन करें: https://traffic.delhipolice.gov.in/lokadalat या क्यूआर कोड स्कैन करें।
3. नोटिस/चालान का प्रिंटआउट साथ लेकर आना अनिवार्य है। न्यायालय परिसर में प्रिंटआउट की कोई सुविधा उपलब्ध नहीं होगी।

Scan QR Code 1: To know Step by step process

यह लिंक 04.05.2026 को सुबह 10:00 बजे से सक्रिय होगा और चालान/नोटिस की सीमा 2,00,000 समाप्त होने तक उपलब्ध रहेगा। प्रतिदिन अधिकतम 50,000 चालान/नोटिस ही डाउनलोड किए जाएंगे।

Scan QR Code 2: downloading Notices/ Challans

अधिक जानकारी के लिए
हमें फॉलो करें:- व्हाट्सएप : 8750871493 @dtptraffic @dtptraffic @dtptraffic
24x7 यातायात हेल्पलाइन:- 011-25844444 / 1095

वेबसाइट : www.traffic.delhipolice.gov.in
ई-मेल : Info.traffic@delhipolice.gov.in

दिल्ली राज्य विधिक सेवाएं प्राधिकरण
राउज़ एवेन्यू जिला कोर्ट्स काम्प्लेक्स,
तीसरा तल, पंडित दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110002
हेल्प लाइन 1516

एक यातायात प्रहरी बनें
यातायात प्रहरी ऐप डाउनलोड करें
App Store व Google Play

DP/9882/2026

31 गाड़ियां की गई बरामद

पांच राज्यों में फैले वाहन चोर गिरोह के 10 अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने ऊंचे दामों वाली गाड़ियों की चोरी करने, उनके चेसिस नंबर से छेड़छाड़ करने और जाली दस्तावेजों के जरिए उनका दोबारा पंजीकरण कराने वाले एक संगठित अंतरराज्यीय गिरोह का भंडाफोड़ किया है। इस गिरोह के 10 मुख्य सदस्यों को गिरफ्तार किया गया है और विभिन्न राज्यों से चोरी की 31 लग्जरी गाड़ियां बरामद की गई हैं, जिनके चेसिस नंबर बदले गए थे।

डीसीपी आदित्य गौतम ने शनिवार को एक प्रैसवार्ता में बताया कि मामला अगस्त 2025 में मौर्य एनक्लेव थाने में दर्ज एक ई-प्राथमिकी से संबंधित है, जिसमें पीतमपुरा निवासी ने अपनी एसयूवी चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई थी। बाद में मामले की जांच अपराध शाखा को सौंप दी गई थी, जिसने जांच के दौरान दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में फैले इस बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया। जांच के दौरान पुलिस ने पाया कि यह गिरोह न केवल वाहन चोरी करता था, बल्कि कर्ज की किस्तें न चुकाने के कारण जब्त की गई गाड़ियां भी हासिल करता था और उनके इंजन व चेसिस नंबर बदलकर उन्हें नयी पहचान देता था। गिरोह इन वाहनों के पुनः पंजीकरण के लिए फर्जी बिक्री प्रमाण पत्र (फॉर्म-21), जाली पंजीकरण कागजात और बैंक के फर्जी अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) का उपयोग करता था। डीसीपी गौतम ने बताया कि उन्होंने चोरी की गाड़ियों को वैध बनाने के लिए एक समानांतर व्यवस्था बनाई हुई थी और इन्हें अनजान खरीदारों को बेच दिया जाता था। साजिश की गहराई से जांच के लिए क्राइम ब्रांच ने इस साल जनवरी में संबंधित धाराओं के तहत एक अलग मामला दर्ज किया था। पुलिस ने कई राज्यों में छापेमारी कर सरगना दमनदीप सिंह उर्फ लकी (42) सहित 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया। दमनदीप जालंधर में पुरानी कारों की खरीद-बिक्री का काम करता था और पूरे नेटवर्क को नियंत्रित कर रहा था। गिरफ्तार किए गए अन्य आरोपियों में एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर, हिमाचल प्रदेश के पंजीकरण प्राधिकरण का एक कलर्क, चेसिस नंबर बदलने में माहिर मैकेनिक और बिचौलिये शामिल हैं। जांचकर्ताओं ने बताया कि गिरोह के सदस्यों ने ओटीपी में हेरफेर करके प्राप्त अनधिकृत विवरण का उपयोग करते हुए वाहन पोर्टल तक पहुंच प्राप्त की और फर्जी पंजीकरण दस्तावेज तैयार किए। संदेह है कि इस सिंडिकेट ने अब तक हजार से अधिक वाहनों का फर्जी पंजीकरण कराया है। पुलिस के मुताबिक, गिरोह पकड़े जाने से बचने के लिए अलग-अलग राज्यों में चोरी, पंजीकरण और बिक्री का काम बेहद विकेंद्रीकृत तरीके से करता था। कुछ सदस्य इन वाहनों का इस्तेमाल मादक पदार्थों की तस्करी जैसी अन्य आपराधिक गतिविधियों के लिए भी करते थे।

दिनदहाड़े करीब चार लाख लूटने वाले दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्राइम ब्रांच ने दो शातिर लुटेरे गिरफ्तार किये हैं। आरोपी सनलाइट कॉलोनी क्षेत्र में दिनदहाड़े हुई लूट की वारदात में शामिल थे। लूटी गई नकदी 3,92,000 रुपये और मोबाइल फोन भी इनसे बरामद हुआ। इसके अलावा एक देसी कट्टा, तीन कारतूस, एक बटन वाला चाकू और अपराध में इस्तेमाल की गई एक स्पोर्ट्स बाइक भी जब्त की गई है। आरोपियों के नाम बागपत निवासी बिजेंद्र यादव और मेरठ निवासी पवन गिरी हैं। लूट की वारदात को अंजाम देते समय आरोपियों ने शिकायतकर्ता के पेट में गोली भी मारी थी।

डीसीपी संजीव कुमार यादव के अनुसार 25 अप्रैल को सनलाइट थाना एरिया के अंतर्गत लूट की एक वारदात की सूचना मिली थी, जिसके आधार पर 26 अप्रैल को केस दर्ज हुआ था। शिकायतकर्ता शाकिर निवासी मुजफ्फरनगर, यूपी के अनुसार वह अपने साले जीशान के साथ एक काले रंग की स्प्लेंडर बाइक पर सवार होकर जा रहा था। शाकिर बाइक चला रहा था और जीशान पीछे बैठा था। जीशान के पास उसके काले बैग में पांच लाख रुपये थे, जो उसने पुरानी दिल्ली में रहने वाले अपने एक रिश्तेदार से लिये थे। शाम करीब 6:40 बजे एक स्पोर्ट्स बाइक पर सवार तीन लड़कों ने उन्हें रोका। शाकिर ने अपनी बाइक रोक दी। उसने देखा कि दो आरोपियों के पास पिस्तौल और एक के पास चाकू था। उन्होंने जीशान से बैग छीनने की कोशिश की। विरोध करने पर आरोपियों में से एक ने शिकायतकर्ता शाकिर के पेट में गोली मार दी और जीशान पर चाकू से वार किया। भागते समय वे जीशान का मोबाइल फोन भी छीन ले गए। घायलों को पहले होली फैमिली अस्पताल ले जाया गया और बाद में एम्स रेफर किया गया था। 1 मई को शाम करीब 6 बजे एसआई सौम्या को एक विश्वसनीय सूचना मिली कि इस घटना में शामिल आरोपी आईपी पार्क रिंग रोड पर मिलने वाले हैं और यदि छापा मारा जाए, तो उन्हें पकड़ा जा सकता है। इस सूचना पर कार्रवाई करते हुए आईपी पार्क गेट पर जाल बिछाया और शाम करीब 7:30 बजे एक मुखबिर के इशारे पर दो व्यक्तियों को पकड़ लिया गया। तलाशी लेने पर पवन के कब्जे से 1,94,000 रुपये और एक मोबाइल फोन बरामद किया गया। बिजेंद्र के कब्जे से 1,98,000 रुपये और एक बटन वाला चाकू बरामद हुया। इनके तीसरे साथी का नाम संजय पता चला है। उसकी तलाश जारी है।

समय से सुन ली होती बात तो नहीं होता हादसा: यूनियन

- निगम आयुक्त से न्यायिक जांच कराने की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के शाहदरा उत्तरी जोन भवन से कूदकर एक व्यक्ति द्वारा आत्महत्या किए जाने की घटना को लेकर अखिल भारतीय मजदूर एकता यूनियन ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। यूनियन के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष देवेंद्र सिंह प्रधान ने इस घटना की घोर निंदा करते हुए निगम आयुक्त से न्यायिक जांच कराने की मांग की है। देवेंद्र सिंह प्रधान ने कहा कि यह घटना बेहद गंभीर और चिंताजनक है, जिसकी निष्पक्ष जांच आवश्यक है ताकि सच्चाई सामने आ सके। उन्होंने जानकारी के आधार पर कहा कि दिल्ली नगर निगम प्रशासन पीड़ितऔर सस्पेंड चल रहे एएसआई कर्मचारी राजकुमार की यदि समय से बात सुन लेता तो निगम कर्मचारी के छत से कूदने की घटना नहीं होती। यूनियन ने आरोप लगाया कि यदि इस मामले में किसी अधिकारी की लापरवाही या भूमिका पाई जाती है, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। यूनियन ने मांग की है कि दोषी अधिकारियों के खिलाफ तुरंत हत्या का मुकदमा दर्ज किया जाए और उन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा जाए। साथ ही, उन्होंने प्रशासन से अपील की कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। इस घटना को लेकर निगम प्रवक्ता से जानकारी मांगी गई लेकिन निगम की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली है।

कार बेचने के नाम पर लाखों की ठगी करने वाला पकड़ा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

पूर्वी जिले की साइबर पुलिस ने दिल्ली के एक शख्स से पुरानी कार ऑनलाइन बेचने के बहाने दो लाख रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में 32 वर्षीय युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम पूर्वी दिल्ली के शिवपुरी एक्सटेंशन निवासी अमन सेठी बताया गया है। इसे शुक्रवार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी ने एक प्रतिष्ठित ऑनलाइन कार बिक्री मंच के कर्मचारी होने का नाटक करके पीड़ित का विश्वास जीता था।

पुलिस के अनुसार त्रिलोकपुरी निवासी हरीश की शिकायत के बाद यह मामला सामने आया था। 16 अप्रैल को संबंधित धाराओं के तहत एक प्राथमिकी दर्ज की गई। शिकायतकर्ता के अनुसार, आरोपी ने उससे संपर्क किया और उसे एक पुरानी कार बेचने का प्रस्ताव दिया। उसने पीड़ित को कथित तौर पर बुकिंग और प्रोसेसिंग शुल्क के रूप में 2 लाख रुपये हस्तांतरित करने के लिए राजी कर लिया। पैसा मिलने के बाद आरोपी ने न तो वाहन सौंपा और न ही रकम वापस की। यहां तक कि फोन का जवाब देना भी बंद कर दिया। तकनीकी जांच में उस बैंक खाते का पता लगाया गया जिसमें पैसा ट्रांसफर किया गया था। वह आरोपी के नाम पर ही था। आगे की जांच में पता चला कि आरोपी अपना ठिकाना छोड़कर भाग चुका है। लेकिन दिल्ली-एनसीआर में कई छापों के बाद तकनीकी निगरानी के माध्यम से उसे ढूंढ निकाला गया। पुलिस ने बताया कि पूछताछ के दौरान सेठी ने कथित तौर पर जांचकर्ताओं को गुमराह करने की कोशिश की, लेकिन सबूतों के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि आगे की जांच में कृष्णा नगर थाने में दर्ज इसी तरह के धोखाधड़ी के मामले में उसकी संलिप्तता का पता चला।

कैंसर आज भी वर्तमान समय की सबसे गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक है: संधू

नई दिल्ली। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने शनिवार को फोर्टिस कैंसर समिट 2026 को संबोधित करते हुए कहा कि कैंसर जैसा गंभीर रोग आज भी हमारे वर्तमान समय की सबसे गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौतियों में से एक बना हुआ है। इस दो दिवसीय कैंसर समिट के पहले दिन पहुंचे उपराज्यपाल संधू ने अपने संबोधन में कहा कि कैंसर जैसे रोग की देखभाल की एक व्यापक और निरंतर प्रक्रिया की आवश्यकता है। जिसमें शुरुआती पहचान और निदान से लेकर उपचार और उपशामक सहायता तक। एलजी ने कहा कि जहां एक ओर आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और जीनोमिक मेडिसिन जैसी उभरती हुई तकनीक इस बीमारी में अपार संभावनाएं प्रदान करती हैं। वहीं यह भी अत्यंत महत्वपूर्ण है कि नवाचार नैतिक शासन द्वारा निर्देशित हो और सभी के लिए समान पहुँच सुनिश्चित करे। एलजी ने अपने संबोधन में इस बात पर ज़ोर देते हुए कहा कि हमारी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली की असली ताकत अंतत हमारे चिकित्सा समुदाय के समर्पण पर ही टिकी है। उनकी विशेषज्ञता, करुणा और अटूट प्रतिबद्धता यह सुनिश्चित करती है कि अत्याधुनिक विज्ञान के साथ-साथ हमेशा किफायती और रोगी-केंद्रित देखभाल भी उपलब्ध हो।

'मोबाइल फोन पर अलर्ट सिस्टम का किया परीक्षण'

- घबराने की जरूरत नहीं, आपात स्थिति में होगा उपयोग

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में मनोनीत निगम पार्षद मनोज जैन ने बताया कि शनिवार को बड़ी संख्या में लोगों को आपात स्थिति के लिए विभिन्न हिस्सों में मोबाइल फोन पर आपातकालीन अलर्ट मिला जिसके चलते कुछ लोग घबरा भी गए थे लेकिन संदेश में बताया गया था कि यह सिर्फ एक परीक्षण है। मनोज जैन ने बताया कि भारत सरकार की तरफ से भेजे गए संदेश में स्पष्ट लिखा है कि ' भारत ने स्वदेशी तकनीक का उपयोग करते हुए सेल ब्रॉडकास्ट सेवा शुरू की है, जिससे नागरिकों को आपदा की तत्काल सूचना मिल सकेगी। सतर्क नागरिक, सुरक्षित राष्ट्र। इस संदेश को प्राप्त करने पर जनता को कोई कार्रवाई करने की आवश्यकता नहीं है। यह एक परीक्षण संदेश है।' मनोनीत पार्षद जैन ने कहा कि यह केवल एक सुरक्षा अभ्यास है और घबराने की कोई आवश्यकता नहीं है। इसका उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों (जैसे प्राकृतिक आपदा) में लोगों तक तेज और प्रभावी सूचना पहुंचाना है।

25 लाख के गहनों के साथ शातिर चोर दबोचा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

मध्य जिले की रंजीत नगर पुलिस ने लाखों के गहनों की चोरी का मामला सुलझाते हुये आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। इसके पास से 25 लाख कीमत के गहने बरामद हुये है। आरोपी को बलजीत नगर से पकड़ा गया। वह पहले भी कई मामलों में शामिल रहा है।

पुलिस के अनुसार 28 अप्रैल को रंजीत नगर थाने में दिन के समय हुई एक चोरी के बारे में सूचना मिली। पुलिस की एक टीम तुरंत साउथ पटेल नगर में घटनास्थल पर पहुंची। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसी दिन सुबह 6 बजे से 7 बजे के बीच किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनके घर में चोरी की और लॉकर में रखी कीमती चीजें लेकर फरार हो गया। बड़ी संख्या में गहनों के अलावा पांच से 10 हजार रुपये नकदी भी शामिल थी। केस दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान टीम ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया और अपराध स्थल से एक संदिग्ध मोबाइल फोन बरामद हुआ। उस फोन पर आई एक कॉल से अहम सुराग मिला। तेजी से कार्रवाई करते हुए हेड कांस्टेबल विकास ने बड़ी होशियारी से एक फल बेचने वाले का रूप धारण किया और फोन लौटाने के बहाने संदिग्ध को फंसाया। जब संदिग्ध बताई गई जगह पर पहुंचा और 500 का इनाम देने की पेशकश की तो पुलिस टीम ने उसे पकड़ लिया। लगातार पूछताछ करने पर उसने बताया कि वह मोबाइल फोन उसके चाचा का है, जो नशे का आदी है और अक्सर कीर्ति नगर रेलवे ट्रैक के पास पाया जाता है। कई जगहों पर लगातार तलाशी और छापेमारी के बाद आरोपी कलाम नदाफ (23) निवासी दरभंगा, बिहार को बलजीत नगर इलाके से तब पकड़ा गया जब वह चोरी का सामान छिपाने की कोशिश कर रहा था। आरोपी ने पूरा लॉकर चुराया था। लॉकर का वजन ज्यादा होने के कारण उसने उसे पास ही बन रही एक इमारत में छिपा दिया था। आरोपी की निशानदेही पर छिपाया गया लॉकर भी बरामद कर लिया गया। शिकायतकर्ता की मौजूदगी में लॉकर को खोला गया, जिससे लगभग 25 लाख के कीमती गहने बरामद हुए। आरोपी करीब सात मामलों में लिप्त पाया गया है।

दिल्ली के बस स्टैंडों पर अवैध वाहनों का कब्जा, यात्री हो रहे परेशान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

- बस स्टैंड पर खड़े होने की जगह तक नहीं बचती

राजधानी दिल्ली के विभिन्न इलाकों में स्थित बस स्टैंडों पर अवैध वाहनों का कब्जा लगातार बढ़ता जा रहा है, जिससे आम यात्रियों के साथ ही सरकारी बसों के चालकों को भी भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। हालात यह हैं कि नई दिल्ली के कमला मार्केट थाने के पास बने बस स्टॉप पर सरकारी वाहनों, ऑटो, ई-रिक्शा और निजी वाहनों ने स्थायी रूप से अतिक्रमण कर लिया है, जिसके कारण बसों का रुकना और यात्रियों का चढ़ना-उतरना मुश्किल हो गया है। वहीं, आजादपुर बस स्टैंड, नरेला क्षेत्र के सिंघु बॉर्डर बस स्टैंड, जहांगीर पुरी, कश्मीरी गेट बस सेक्शन के पास बस स्टैंड पर यात्रियों के लिए बस स्टैंड पर खड़े होने की जगह तक नहीं बचती, जिससे उन्हें सड़क पर खड़े होकर बस का इंतजार करना पड़ता है। इससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बढ़ गया है। कई जगहों पर ट्रैफिक जाम की स्थिति भी बन रही है, लेकिन संबंधित विभाग इस समस्या पर गंभीरता से ध्यान नहीं दे रहे हैं।

विभागों के बीच समन्वय की कमी से बढ़ रही समस्या

जागरूक यात्रियों का आरोप है कि परिवहन विभाग, दिल्ली ट्रैफिक पुलिस और दिल्ली नगर निगम के बीच समन्वय की कमी के चलते यह समस्या लगातार बढ़ रही है। अवैध वाहनों के खिलाफ नियमित कार्रवाई नहीं होने से इनका हौसला बढ़ता जा रहा है। इसके साथ ही मनमाने तरीके से वाहनों को खड़ा किया जाता है जिसके कारण बसों में चढ़ना और उतरना भी जोखिम भरा होता है।

बस स्टैंडों पर होनी चाहिए नियमित निगरानी

दैनिक यात्रियों का कहना है कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए, तो यह समस्या और विकराल रूप ले सकती है। उन्होंने सुझाव दिया है कि बस स्टैंडों पर नियमित निगरानी, सीसीटीवी कैमरों की स्थापना और अवैध पार्किंग पर सख्त जुर्माना लगाया जाना चाहिए। यात्रियों ने दिल्ली सरकार और संबंधित विभाग प्रशासन से मांग की है कि बस स्टैंडों को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए, ताकि यात्रियों को सुरक्षित और सुगम परिवहन सुविधा मिल सके।

पाठक की गिरफ्तारी के लिए पंजाब पुलिस भेजकर केजरीवाल कर रहे भाजपा नीति का अनुसरण:यादव

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने कहा है कि आम आदमी पार्टी छोड़ने वाले राज्यसभा सांसद संदीप पाठक को गिरफ्तार करने के लिए पंजाब पुलिस भेजकर अरविन्द केजरीवाल ने भाजपा का अनुसरण करते हुए अपने प्रतिद्वंदियों के खिलाफ कार्यवाही की नीति अपनाई है। उन्होंने कहा कि पाठक आप पार्टी छोड़ अन्य राज्यसभा सांसदों के साथ जैसे ही भाजपा में शामिल हुए, उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। यादव ने कहा कि पंजाब पुलिस दिल्ली में पाठक को गिरफ़्तार करने पहुँची, वह चकमा देकर पिछले दरवाज़े से निकलकर फ़रार हो गए। उन्होंने कहा कि अचानक सांसद राजेन्द्र गुप्ता की फैक्ट्रियां पर छापेमारी और संदीप पाठक के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराना अरविंद केजरीवाल का दोहरा चेहरा दिखाई देता है। क्योंकि इन सभी पूंजीपतियों को ख़ुद केजरीवाल ने ही राज्यसभा का सांसद बनाया था। इस घटना ने दिल्ली और पंजाब के लोगों को आप और भाजपा की ओछी राजनीति पर गहराई से सोचने का एक और मौका दिया है। संदीप पाठक की गिरफ्तारी के ड्रामे से केजरीवाल की पार्टी ने यह दिखा दिया है कि सत्ता में बने रहने के लिए वह भी भाजपा की तरह ही पुलिस और अन्य जांच एजेंसियों का गलत इस्तेमाल करती है। ऐसा इसलिए है क्योंकि आप के 7 बड़े सांसदों ने आप पार्टी छोड़ भाजपा ज्वाइन कर केजरीवाल को बड़ा झटका दिया है। इन सात सांसदों ने केजरीवाल की झूठी और बढ़ा-चढ़ाकर पेश जाने वाली हवा हवाई छवि की हवा निकाल दी है। उन्होंने कहा कि वैसे भी पंजाब में खराब शासन और भ्रष्टाचार की वजह से केजरीवाल की स्थिति काफी डांवाडोल हो चुकी है। ऐसे में केजरीवाल और मनीष सिसोदिया महंग सुख सुविधाओं का आनंद लेने के लिए पंजाब में ही डेरा डाले हुए थे। लेकिन आप के इन सात सांसदों के भाजपा में जाने से अब केजरीवाल और उनकी टीम द्वारा सत्ता का गलत इस्तेमाल करके पंजाब को लूटने की सारी चालें बेनकाब हो गई हैं। यादव ने कहा कि भ्रष्ट शराब नीति लागू करने के संबंध में जब केजरीवाल को जेल में डाला गया था, तब वह पीड़ित कार्ड खेल रहे थे।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी नवीन तलवार पुत्र** खेम सिंह, **पता:** सी–82/4 गली नंबर 7 मोहन पुरी मौजपुर जाफराबाद उत्तर पूर्वी दिल्ली **FIR No. 149/23, U/s: 498A/406/34 IPC, पुलिस थाना: जीटीबी एन्क्लेव, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नवीन तलवार** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **नवीन तलवार** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **नवीन तलवार FIR No. 149/23, U/s: 498A/406/34 IPC, पुलिस थाना: जीटीबी एन्क्लेव, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **07.08.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
शिप्रा धनकर
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी, महिला कोर्ट
कमरा नं. 55, द्वितीय तल, शाहदरा जिला
करकड़डूमा कोर्ट, नई दिल्ली

DP/5574/SHD/2026
(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी राहुल, पुत्र:** विजय कुमार **पता:** एल–701 मंगोल पुरी, दिल्ली, **FIR No. 502/20, U/s: 25/54/59 Arms Act, पुलिस थाना: राज पार्क, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल,** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **राहुल,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **राहुल, FIR No. 502/20, U/s: 25/54/59 Arms Act, पुलिस थाना: राज पार्क, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **08.06.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
ईब्बानी अग्रवाल
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
उत्तर पश्चिम कमरा नं. 107, प्रथम तल
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/5558/OD/2026
(Court Matter)

पोस्टर, पेम्पलेट और लाउडस्पीकर के जरिए लोगों को किया जागरूक

आउटर नॉर्थ जिले ने चलाया जनगणना जागरूकता अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

आउटर नॉर्थ दिल्ली (राजस्व विभाग) के डीएम कार्यालय ने शनिवार को एक व्यापक जनगणना जागरूकता अभियान चलाया। इस अभियान में डीएम, एडीएम और एसडीएम हेडक्वार्टर के मार्गदर्शन में लगभग 90 सिविल डिफेंस वालंटियर्स ने सक्रिय भागीदारी निभाई। प्राप्त जानकारी के अनुसार सिविल डिफेंस इंचार्ज जितेंद्र कुमार सोलंकी, अमित कुमार और विशाल कुमार गौड़ के नेतृत्व में टीमों ने जिले के कई गांवों, कॉलोनियों की गलियों और घर घर जाकर लोगों को जनगणना के महत्व के बारे में जानकारी दी। अभियान के दौरान पोस्टर, पेम्पलेट और स्पीकर-माइक का उपयोग कर नागरिकों को जागरूक किया गया। इसके अलावा बाइक पर लाउडस्पीकर के माध्यम से गलियों में रिकॉर्डेड संदेश प्रसारित किए गए, जिससे अधिक से अधिक लोगों तक जानकारी पहुंच सके। सिविल डिफेंस इंचार्ज जितेंद्र कुमार सोलंकी व अमित कुमार ने बताया कि जनगणना में सही और पूर्ण जानकारी देना हर नागरिक का कर्तव्य है, जिससे सरकार को योजनाएं बनाने में मदद मिलती है। प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे जनगणना कार्य में पूरा सहयोग दें और सही जानकारी प्रदान कर देश के विकास में भागीदार बनें।

किसी भी प्रकार के ओटीपी की आवश्यकता नहीं होती

अमित कुमार सोलंकी ने नागरिकों को आगाह करते हुए स्पष्ट किया कि जनगणना के दौरान किसी भी प्रकार के ओटीपी की आवश्यकता नहीं होती है, इसलिए कोई भी व्यक्ति अपना ओटीपी किसी के साथ साझा न करे, ताकि साइबर ठगी से बचा जा सके।

स्कूलों के शिक्षक भी अभियान से जुड़ेंगे

यह भी बताया गया कि जल्द ही स्कूलों के शिक्षक भी इस अभियान से जुड़ेंगे और जनगणना कार्य को सफल बनाने में सहयोग करेंगे। वहीं, वॉलंटियर्स ने लोगों से अपील की कि वे सही और सटीक जानकारी देकर जनगणना प्रक्रिया को मजबूत बनाएं, जिससे सरकारी योजनाओं का लाभ सही लोगों तक पहुंच सके और क्षेत्र का संतुलित विकास सुनिश्चित हो सके।

दुनिया की पसंद बनेगी दिल्ली, पर्यटन नीति में शामिल होंगे विशेषज्ञों के सुझाव

दिल्ली को प्रमुख वैश्विक पर्यटन गंतव्य के रूप में किया जाएगा विकसित : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली को अब केवल ट्रांजिट हब के रूप में नहीं, बल्कि एक प्रमुख वैश्विक पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित किया जाएगा। यह बात शनिवार को मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने नई दिल्ली के अशोका होटल में आयोजित पर्यटन हितधारक सम्मेलन को संबोधित करते हुए कही। इस कार्यक्रम में पर्यटन, आतिथ्य, विरासत, आध्यात्मिक, डिजिटल, मेडिकल और वेलनेस टूरिज्म, नाइट टूरिज्म और दिल्ली की ब्रैंड पोजिशनिंग जैसे अहम विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि सम्मेलन में उद्योग जगत, नीति-निर्माताओं और विशेषज्ञों की सक्रिय भागीदारी से कई ठोस और उपयोगी सुझाव सामने आए हैं। इन सुझावों और फीडबैक को आगामी नीतियों और योजनाओं में शामिल किया जाएगा ताकि दिल्ली के पर्यटन क्षेत्र को नई दिशा दी जा सके और इसे और अधिक प्रभावी बनाया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि देश की राजधानी होने के कारण दिल्ली का वैश्विक स्तर पर विशेष महत्व है। भारत आने वाले पर्यटकों के लिए यह एक प्रमुख आकर्षण बन सकती है। अब समय आ गया है कि दिल्ली को केवल एक गुजरने की जगह नहीं, बल्कि एक ऐसी डेस्टिनेशन सिटी के रूप में विकसित किया जाए, जहां पर्यटक ठहरें, अनुभव लें और बार-बार लौटकर आएं। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली की विशेषताओं को रेखांकित करते हुए कहा कि यहां संसद, राष्ट्रपति भवन, इंडिया गेट और प्रधानमंत्री संग्रहालय जैसे प्रतिष्ठित शक्ति केंद्र स्थित हैं। साथ ही लाल किला, कुतुब मीनार सहित समृद्ध ऐतिहासिक धरोहर, विविध संस्कृति और देशभर की झलक तथा दिल्ली का अनूठा और विविधतापूर्ण खानपान इसे एक सम्पूर्ण पर्यटन अनुभव प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि दिल्ली सरकार राजधानी की सकारात्मक ब्रैंडिंग पर विशेष जोर दे रही है ताकि इसे पर्यटन के साथ-साथ चिकित्सा और शिक्षा के क्षेत्र में भी एक प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा सके। सरकार का लक्ष्य है कि देश और दुनिया भर से अधिक से अधिक लोग दिल्ली आएं, यहां ठहरें और यहां के अनुभवों को अपने साथ लेकर जाएं। इस कार्यक्रम में दिल्ली के कला, संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा, दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी) के प्रबंध निदेशक सुनील अंचिपाका सहित पर्यटन व अन्य क्षेत्रों से जुड़े कई विशेषज्ञ भी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार बड़े कॉन्सर्ट, फिल्म फेस्टिवल और सांस्कृतिक आयोजनों को बढ़ावा दे रही है, जिससे दिल्ली की वैश्विक पहचान मजबूत हो रही है। साथ ही, फिल्म नीति और सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से उद्योग को सरल, पारदर्शी और त्वरित सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस विशेष कार्यक्रम में दिल्ली पर्यटन एवं परिवहन विकास निगम (डीटीटीडीसी) द्वारा पर्यटन क्षेत्र में सहयोग और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। डीटीटीडीसी ने अगोडा, मेक माई ट्रिप फाउंडेशन और सभ्यता फाउंडेशन के साथ साझेदारियां की हैं, जो डिजिटल इनोवेशन, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, अवसंरचना विकास और सतत पर्यटन को बढ़ावा देंगी। उन्होंने दोहराया कि दिल्ली सरकार इस दिशा में पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम कर रही है और यह सम्मेलन राजधानी के पर्यटन क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा। आने वाले समय में इसके सकारात्मक परिणाम निश्चित रूप से दिखाई देंगे।

आयोजकों को सिंगल विंडो से मिलेगी क्लीयरेंस : कपिल

पर्यटन मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी को एक विश्वस्तरीय पर्यटन हब बनाने के लिए तेजी से काम कर रही है। दिल्ली टूरिज्म बोर्ड के गठन, सिंगल विंडो क्लीयरेंस व्यवस्था, प्रमुख प्रवेश द्वारों के सौंदर्यीकरण, यूनिटी मॉल के निर्माण और दिल्ली की विरासत, संस्कृति व खानपान को एकीकृत कर नए पर्यटन अनुभव विकसित करने की दिशा में ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से दिल्ली को एक विशिष्ट वैश्विक पर्यटन गंतव्य बनाया जाएगा, ताकि बदलते भारत का चेहरा दिल्ली बने। मिश्रा के अनुसार सम्मेलन के दौरान प्राप्त सुझावों और अनुशंसाओं को आगामी नीतियों और योजनाओं में शामिल किया जाएगा, ताकि दिल्ली को पर्यटन, संस्कृति और आतिथ्य के क्षेत्र में नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सके।

जनता की उम्मीदों पर खरी उतरेगी दिल्ली सरकार : सीएम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ मुख्यमंत्री ने अपने विधानसभा क्षेत्र शालीमार बाग के लोगों की समस्याएं सुनकर अधिकारियों को दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

दिल्ली सरकार जनता की उम्मीदों पर खरी उतरेगी। यह बात मुख्यमंत्री ने शनिवार को अपने विधानसभा क्षेत्र शालीमार बाग के लोगों की समस्याएं सुनने के अवसर पर कही। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को आयोजित जनसुनवाई में शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र के लोगों की समस्याएं, शिकायतें और सुझाव गंभीरता से सुने। बड़ी संख्या में पहुंचे नागरिकों ने अपनी विभिन्न परेशानियां सीधे मुख्यमंत्री के सामने रखीं। मुख्यमंत्री ने हर मामले को संवेदनशीलता और प्राथमिकता के साथ लेते हुए संबंधित विभागों के अधिकारियों को तुरंत कार्रवाई करने और तय समय में समाधान सुनिश्चित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने साफ कहा कि जनसुनवाई केवल औपचारिक प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह जनता की अपेक्षाओं को समझने और उन्हें जल्द पूरा करने का एक प्रभावी माध्यम है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसुनवाई से मिलने वाले सुझाव और फीडबैक सरकार के लिए बेहद महत्वपूर्ण होते हैं, क्योंकि इन्हीं के आधार पर नीतियों और योजनाओं को अधिक जनोन्मुखी बनाया जाता है। उन्होंने दोहराया कि दिल्ली सरकार आम नागरिकों की समस्याओं के त्वरित और पारदर्शी समाधान के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने बताया कि शालीमार बाग विधानसभा क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं के व्यापक विकास के लिए कई काम तेजी से किए जा रहे हैं। इनमें सड़कों को मजबूत बनाना, साफ और निर्बाध जल आपूर्ति सुनिश्चित करना, अटल कैंटीन की स्थापना, आयुष्मान जन आरोग्य मंदिरों का विस्तार, वाटर एटीएम लगाना, पार्कों का आधुनिकीकरण और सुदृढ़ीकरण तथा व्यवस्थित पार्किंग सुविधाओं का विकास शामिल है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य शालीमार बाग को एक आदर्श विधानसभा के रूप में विकसित करना है, जहां नागरिकों को सभी मूलभूत सुविधाएं उच्च गुणवत्ता के साथ उपलब्ध हों। इसके लिए निरंतर निगरानी और समन्वय के साथ कार्य किया जा रहा है। कार्यक्रम के दौरान संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे और कई मामलों का मौके पर ही समाधान सुनिश्चित किया गया। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण कर नागरिकों को राहत प्रदान की जाए।

आईपीयू ने अंतरराष्ट्रीय परिचालन कानून पर किया व्याख्यान का आयोजन

नई दिल्ली। जीएसआईपीयू के द्वारका परिसर के मूट कोर्ट हॉल में आधुनिक संघर्ष और अंतरराष्ट्रीय कानून की जटिलताओं का अन्वेषण करने वाला एक बौद्धिक रूप से सशक्त सत्र आयोजित हुआ। केंद्रीकृत प्लेसमेंट एंड करियर गाइडेंस सेल (सीपीसीजीसी), जीजीएसआईपीयू ने इंटरनेशनल लॉ एंड गवर्नेंस सेल (सीआईएलजी), यूएसएलएस और फतेह एजुकेशन के सहयोग से "एलओएसी और मौजूदा अंतरराष्ट्रीय कानून व्यवस्था में बड़े पैमाने पर युद्ध अभियान" विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया। यह सत्र एक्सेटर विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और अंतरराष्ट्रीय परिचालन कानून में वैश्विक रूप से मान्यता प्राप्त डॉ. ऑरेल सारी ने संबोधित किया। उन्होंने समकालीन संघर्षों में सशस्त्र संघर्ष कानून (एलओएसी) के अनुप्रयोग पर मूल्यवान दृष्टिकोण साझा किए, जिसमें हाइब्रिड युद्ध और उभरती सुरक्षा चुनौतियाँ शामिल थीं। इस कार्यक्रम में छात्रों, शोध विद्वानों और संकाय सदस्यों ने भागीदारी की और विचारों का आदान-प्रदान हुआ।

दिल्ली विधानसभा 6 मई को संगीतमय रामकथा का आयोजन करेगी : गुप्ता

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा छह मई को संगीतमय रामकथा का आयोजन करेगी। इस बात की जानकारी विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने शनिवार को दी। गुप्ता ने कहा कि प्रसिद्ध राम कथावाचक कुमार विश्वास 'अपने अपने राम' कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे, जिसमें कई केंद्रीय और दिल्ली कैबिनेट मंत्रियों के साथ-साथ अन्य गणमान्य व्यक्तियों को भी आमंत्रित किया गया है। गुप्ता ने कहा कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल कथा सुनाना ही नहीं है। इसका उद्देश्य समाज के हर वर्ग को धर्म, सत्यनिष्ठा और कर्तव्य की गहरी भावना जैसे मूल्यों से प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि भगवान राम के जीवन के प्रमुख प्रसंगों, जैसे- त्याग, संघर्ष, कर्तव्यनिष्ठा और अनुकरणीय नेतृत्व को संगीत, कविता और कथावाचन के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण के माध्यम से प्रस्तुत किया जाएगा।

सेंट स्टीफन कॉलेज के वार्षिक समारोह में पहुंचे एलजी, याद किए अपने पुराने पढ़ाई के दिन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

राजधानी के सेंट स्टीफंस कॉलेज के वार्षिक विदाई समारोह में पहुंचे उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने कहा कि यहां आकर अपना पुराना समय याद आ गया। उन्होंने कहा वार्षिक विदाई समारोह के लिए आना मेरे लिए बहुत खुशी की बात है। एलजी ने अपनी पुरानी यादों को ताजा करते हुए कहा कि जानी-पहचानी गलियों से गुजरते हुए मुझे उन सार्थक बातचीत, जीवंत कक्षाओं, जोशीली चर्चाओं और जीवन भर चलने वाली दोस्ती की यादें तरो ताज़ा हो गई है। इस अवसर पर एलजी ने कहा कि वर्ष 2026 के स्नातक होने वाले बैच को मेरी हार्दिक बधाई व शुभकानाएं। उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि विनम्रता के साथ उत्कृष्टता हासिल करने और अपनी योग्यता व चरित्र, दोनों के साथ राष्ट्र की सेवा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि उम्मीद है कि आप अपनी आगे की यात्रा पर निकलते हुए कॉलेज की समृद्ध विरासत, बौद्धिक संपदा और अनूठी भावना को आगे बढ़ाते हुए और आगे लेकर जाएंगे। बाद में एलजी ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर सेंट स्टीफंस कॉलेज के कार्यक्रम की फोटो सहित पोस्ट की। उन्होंने एक्स पर लिखा कि दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज की मेरी यात्रा की कुछ झलकियाँ। जूनियर सदस्यों यानी 2026 में ग्रेजुएट होने वाले बैच की जीवंतता, आत्मविश्वास और संभावनाओं को देखना सचमुच अद्भुत अनुभव था। उनका उत्साह और उनकी आकांक्षाएँ उस उज्ज्वल भविष्य को दर्शाती हैं जो उनके आगे है।

आज और कल हल्की बारिश की संभावना, दो दिन बाद फिर दिल्ली में भीषण गर्मी करेगी परेशान!

नई दिल्ली। दिल्ली में आज यानी रविवार व सोमवार को तेज गति से हवा चलने व हल्की बारिश की भविष्यवाणी की गई है। जबकि मंगलवार से अनुमान है कि एक बार फिर दिल्ली में गर्मी व झूलने वाले लू लोगों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) शनिवार को मौसम का असर मिला जुला रहा। आसमान पर बादलों के साथ ही सूरज ने भी अपनी गर्मी दिखाई। आईएमडी के अनुसार सफदरजंग वेधशाला ने अधिकतम तापमान 38.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जो सामान्य से 0.7 डिग्री सेल्सियस कम है। वही न्यूनतम तापमान 25.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया जो सामान्य से 3.1 डिग्री सेल्सियस कम है। आईएमडी ने ताजा अनुमान व्यक्त करते हुए कहा है कि रविवार व सोमवार को हल्की बारिश व तेज हवाओं की पूरी पूरी संभावनाएं बनी हुई है। लेकिन उसके बाद मंगलवार से एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलेगा और भीषण गर्मी व झुलसाने वाली लू का दौर शुरू हो सकता है। अनुमान है कि मंगलवार के बाद अधिकतम तापमान का आंकड़ा बढ़ सकता है। वहीं दूसरी तरफ केंद्रीय प्रदूषण एवं नियंत्रण बोर्ड से (सीपीसीबी) के अनुसार दिल्ली में शनिवार सुबह 7:15 बजे तक औसत वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 117 अंक दर्ज हुआ। वहीं दिल्ली के अधिकांश क्षेत्रों में एक्यूआई 100 से ऊपर और 200 के बीच दर्ज हुआ। वायु प्रदूषण का यह लेवल मध्यम श्रेणी में गिना जाता है।

ग्रीन पार्क में जज ने फांसी लगा की आत्महत्या

नई दिल्ली। सफदरजंग एन्क्लेव थाना अंतर्गत ग्रीन पार्क में जज अमन कुमार शर्मा (30) ने शनिवार को अपने आवास पर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। वह कड़कड़डूमा कोर्ट के जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव के तौर पर कार्यरत थे। पुलिस को मौके से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस परिजनों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार अमन कुमार शर्मा के पिता का नाम प्रेम कुमार शर्मा है। वह यू-4ए, पहली मंजिल, ग्रीन पार्क मेन में रहते थे तथा वर्तमान में डीएलएसए, कड़कड़डूमा कोर्ट में सचिव के पद पर कार्यरत थे और न्यायिक सेवा से जुड़े थे। उन्होंने अपने आवास पर दोपहर के समय आत्महत्या की है। इस संबंध में पीसीआर कॉल राजेश शर्मा के पुत्र शिवम द्वारा की गई थी, जो बी-34, डिफेंस कॉलोनी में रहते हैं और मृतक के जीजा हैं। शव को एम्स मोर्चरी भिजवाया गया है। पुलिस आत्महत्या के कारणों की तफ्तीश में जुट गई है। जज के मोबाइल फोन को भी पुलिस ने अपने कब्जे में लिया है। पुलिस का कहना है कि प्रारंभिक जांच में किसी तरह की साजिश के संकेत नहीं मिले हैं, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

अब प्रॉपर्टी टैक्स के साथ ही जमा होगी जनरल ट्रेड, स्टोरेज लाइसेंस फीसः एमसीडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ संबंधित लाइसेंस फीस का भुगतान आसानी से कर सकेंगे

नागरिकों की सुविधा बढ़ाने, व्यवसाय को सरल बनाने तथा अनुपालन के बोझ को कम करने के उद्देश्य से दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) ने एक महत्वपूर्ण नागरिक-केंद्रित सुधार लागू करने का निर्णय लिया है। इसके तहत जनरल ट्रेड, स्टोरेज लाइसेंस फीस के आकलन एवं संग्रह को अब प्रॉपर्टी टैक्स प्रणाली के साथ एकीकृत किया जाएगा। एमसीडी प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इस पहल के अंतर्गत, दिल्ली नगर निगम अधिनियम, 1957 की धारा 417 के तहत अलग से आवेदन कर जनरल ट्रेड लाइसेंस (जीटीएल) प्राप्त करने की वर्तमान व्यवस्था को समाप्त कर दिया गया है। अब सभी संपत्ति स्वामी, कब्जाधारी, जिन्हें यूनिक प्रॉपर्टी आइडेंटिफिकेशन कोड (यूपिक) के माध्यम से चिन्हित किया गया है, प्रॉपर्टी टैक्स पोर्टल के जरिए प्रॉपर्टी टैक्स के साथ ही संबंधित लाइसेंस फीस का भुगतान आसानी से कर सकेंगे।

एमसीडी प्रशासन ने बताया कि नई व्यवस्था के तहत जनरल ट्रेड, स्टोरेज लाइसेंस फीस को युक्तिसंगत बनाते हुए संबंधित संपत्ति के प्रॉपर्टी टैक्स का 15 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। यह शुल्क प्रत्येक वर्ष प्रॉपर्टी टैक्स के भुगतान के समय देय होगा, जिससे प्रक्रिया अधिक सरल, पारदर्शी और परेशानी मुक्त बनेगी। इस भुगतान के बाद उत्पन्न रसीद ही संबंधित परिसर के लिए वैध जनरल ट्रेड, स्टोरेज लाइसेंस मानी जाएगी। यह 'डिम्ड लाइसेंस' एक वित्तीय वर्ष के लिए वैध रहेगा और प्रॉपर्टी टैक्स अवधि के साथ सह-समाप्त होगा।

निगम के एक अधिकारी ने बताया कि नई व्यवस्था में प्रक्रिया को काफी सरल बनाया गया है। सभी लाइसेंस धारकों को प्रदूषण नियंत्रण, अग्नि सुरक्षा तथा अन्य वैधानिक प्रावधानों से संबंधित सभी नियमों एवं कानूनों का कड़ाई से पालन करना होगा। संबंधित प्राधिकरणों से आवश्यक अनुमतियां एवं स्वीकृतियां प्राप्त करना संपत्ति स्वामी, कब्जाधारी, व्यापार संचालक की स्वयं की जिम्मेदारी होगी।

कटेवड़ा गांव में फिरनी रोड का निर्माण कार्य शुरू

नई दिल्ली। बवाना विधानसभा क्षेत्र के कटेवड़ा गांव में फिरनी रोड एवं आरसीसी नाले का निर्माण कार्य शनिवार से शुरू हो गया है। इस बात की जानकारी कैबिनेट मंत्री और स्थानीय विधायक रविंद्र इंद्राज सिंह ने उदघाटन के अवसर पर दी। उन्होंने कहा कि यह कार्य दिल्ली ग्रामीण विकास बोर्ड के फंड द्वारा सम्पन्न कराया जा रहा है, जिसमें सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग, दिल्ली सरकार की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से लंबित यह मांग अब पूरी होती नजर आ रही है, जिससे गांव के लोगों को बड़ी राहत मिली है। फिरनी रोड और आरसीसी नाले के निर्माण से न केवल आवागमन सुगम होगा, बल्कि जल निकासी की समस्या का भी स्थायी समाधान सुनिश्चित होगा। मंत्री इंद्राज ने कहा कि ग्राम विकास बोर्ड के माध्यम से क्षेत्र में कई अन्य विकास योजनाएं भी लगातार चलाई जा रही हैं, जिससे पूरे बवाना विधानसभा क्षेत्र में व्यापक विकास देखने को मिल रहा है। इन कार्यों के चलते ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं में निरंतर सुधार हो रहा है। इन्द्राज ने कहा कि गांव–देहात के विकास को प्राथमिकता देना उनकी जिम्मेदारी है और वे निरंतर प्रयासरत हैं कि प्रत्येक गांव तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचे। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा ग्राम विकास बोर्ड के माध्यम से कई योजनाएं चलाई जा रही हैं, जिनका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों का समग्र विकास सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि मजबूत बुनियादी ढांचा और बेहतर कनेक्टिविटी ही विकास की नींव है तथा इसी दिशा में निरंतर कार्य करते हुए विकसित दिल्ली, हरित दिल्ली के संकल्प को साकार किया जा रहा है।

श्रमिकों को 1 से 4 बजे तक का रेस्ट देना जरूरी : रेखा गुप्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

■ श्रमिकों को हीटवेव से बचाने के लिए मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश, हीट वेव से निपटने के लिए अस्पताल तैयार

भीषण गर्मी में श्रमिकों को हीटवेव से बचाने के लिए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को सभी सरकारी व निजी संस्थानों को निर्देश दिए हैं कि श्रमिकों को दोपहर एक बजे से शाम चार बजे तक रेस्ट दिया जाए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने शनिवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक वीडियो संदेश जारी कर यह निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने अपने वीडियो संदेश में कहा कि गर्मी में हीट वेव हम सबको तंग करती है पर सबसे अधिक इसका असर उस श्रमिक पर पड़ता है जो भरी दोपहरी में काम करता है। दोपहर 1 से 4 बजे हर श्रमिक को जो प्राइवेट सेक्टर या सरकारी तंत्र में काम करता है। उसे रेस्ट दिया जाना जरूरी है। यह सरकार के निर्देश हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि इसके अलावा हमने डीटीसी बसों में पानी उपलब्ध रहे इसकी व्यवस्था की जा रही है। हर बस सेल्टर पर जल सेवक पानी और ओआरएस के साथ रहें यह भी लगातार किया जा रहा है। अस्पतालों में हीट वेव से संबंधित हर मेडिसिन और ट्रीटमेंट उपलब्ध करा दिया गया है। वहां कूलिंग एरिया बनाकर लोगों को रिलीफ भी दिया जाएगा। स्कूलों में ओआरएस और पानी की व्यवस्थाएं दुरुस्त कर ली गई हैं। मुख्यमंत्री ने अपील करते हुए कहा कि मेरा आप सब से कहना है कि आप अपना ध्यान रखें हीट वेव हानिकारक है। हमारे वालंटियर अलग-अलग जगहों कैप और कॉटन मफलर भी बांटेंगे। आप अपना ध्यान रखें, अपनों का भी ख्याल रखें। कहीं भी कमी दिखे तो कमेंट करके बताएं।

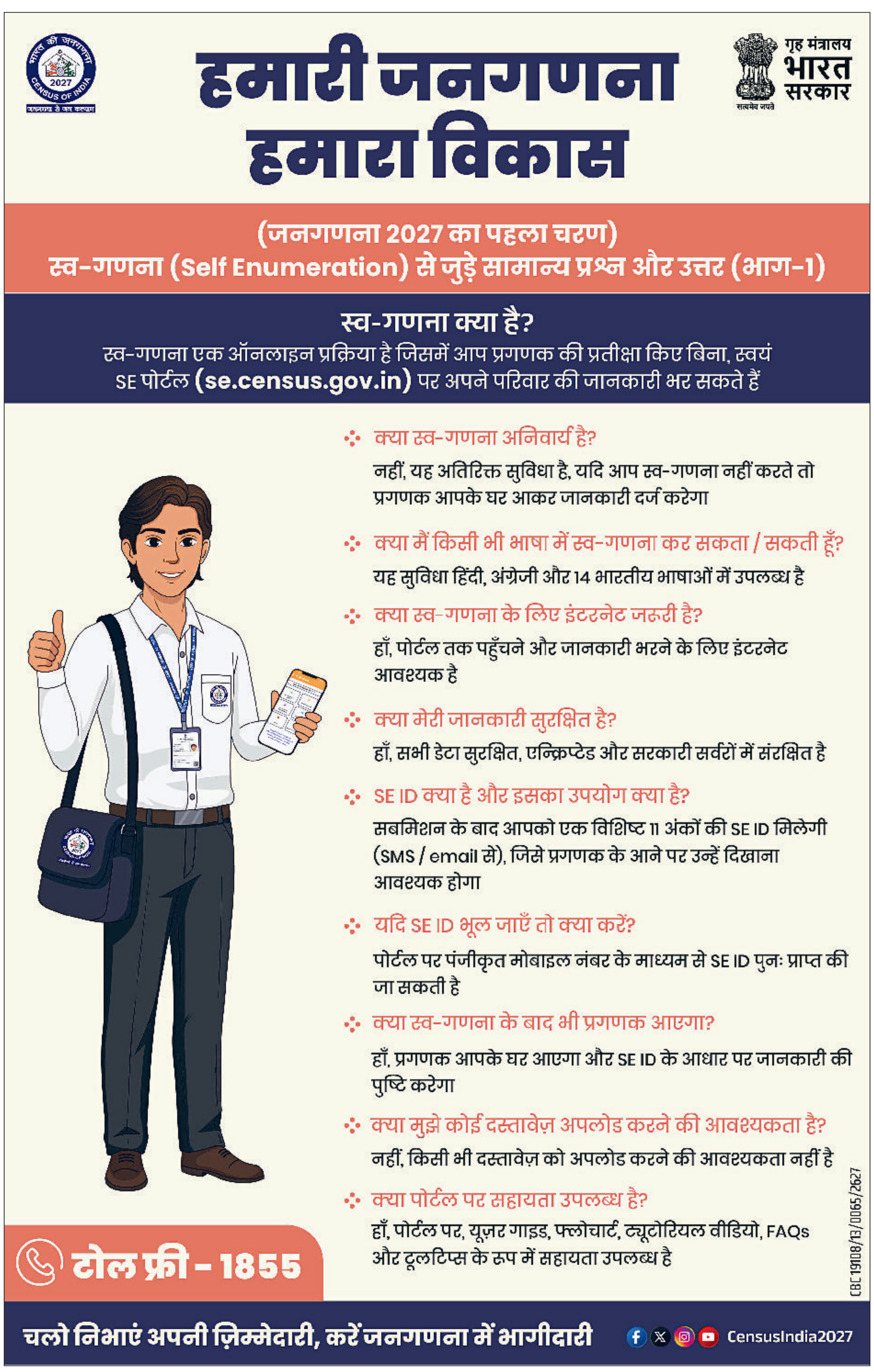

खबर संक्षेप

कॉपर पाइप चुराने वाले दो आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद। बीते 19 अप्रैल को मथुरा रोड सीकरी स्थित बैंक्वेट हॉल से एसी आउटडोर व एसी कापर पाइप चुराने के मामले में एवीटीएस सिकरोना की टीम ने 1 मई को रोहित व बादल निवासी गदपुरी पलवल को ट्रांसपोर्ट नगर सेक्टर-58 के एरिया से गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बैंक्वेट हॉल के मेनेजर अजय चोपडा ने पुलिस चौकी सीकरी में दी ।

गुरुग्राम यूनिवर्सिटी में छह नए प्रोफेशनल कोर्स शुरू होंगे

गुरुग्राम। बदलते दौर में रोजगारपरक कोर्स की बढ़ती मांग को देखते हुए गुरुग्राम यूनिवर्सिटी ने नई शिक्षा नीति के अनुरूप नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 से छह नए कोर्स शुरू करने का निर्णय लिया है। छात्रों को डिग्री के साथ-साथ कौशल का प्रशिक्षण भी मिलेगा। गुरुग्राम विवि के कुलपति प्रो. संजय कौशिक ने शनिवार को बताया कि नए शैक्षणिक सत्र से गुरुग्राम विवि में मास्टर ऑफ साइंस इंटीग्रेटेड, बैचलर ऑफ साइंस मैथमेटिक्स और डेटा साइंस), मास्टर ऑफ साइंस मास्टर ऑफ बिजनेस बैचलर ऑफ कॉमर्स मास्टर ऑफसाइंस जैसे कोर्स शुरू किए जाएंगे।

वेट लॉस क्लिनिक से मिलेगी मोटापे से निजात

गुरुग्राम। लोगों को मोटापे से निजात दिलाने के लिए नारायणा हॉस्पिटल, गुरुग्राम ने एक बहु-विषयक वेट लॉस क्लिनिक शुरु किया है। जिसमें चिकित्सकीय, पोषण संबंधी, व्यवहारिक और प्रक्रियात्मक उपचार एक ही क्लिनिकल पाथवे के तहत उपलब्ध कराए जाते हैं। यह क्लिनिक डॉ. सुकृत सिंह सेठी, डायरेक्टर एवं सीनियर कंसल्टेंट, गैस्ट्रोएंटरोलॉजी के नेतृत्व में संचालित किया जा रहा है और इसमें गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, एंडोक्रिनोलॉजी, क्लिनिकल न्यूट्रिशन, साइकोलॉजी और बैरिएट्रिक सर्जरी की सेवाएं एकीकृत रूप से शामिल हैं। चिकित्सकों के अनुसार, इसका उद्देश्य उन मरीजों को दीर्घकालिक देखभाल प्रदान करना है।

विजय नगर को विकास कार्य के लिए दी 60 करोड़ की धनराशि: विधायक शर्मा

महापौर व नगर विधायक ने किया 2 करोड़ 83 लाख के विकास कार्यों शिलान्यास

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

महापौर सुनीता दयाल व विधायक संजीव शर्मा ने शहर में 2 करोड़ 83 लाख की धनराशि से विभिन्न कार्यों का शिलान्यास किया। महापौर सुनीता दयाल ने बताया कि क्षेत्र के विधायक बहुत ही जागरूक है अपने क्षेत्र की जनता के कार्यों को लेकर बहुत ही गंभीरता से कार्य करते हैं। विधायक द्वारा जहाँ भी विकास कार्य बताए गए है उनको पूरा करने का प्रयास किया जा रहा है। हाल ही में लगभग 60 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात विजय नगर को मिलने जा रही है जिससे विजय नगर की दिशा और दशा दोनों ही बदल जाएगी एवं विजय नगर गौशाला फाटक से एनएच 9 तक का रोड 55 करोड़ की लागत से सीएम ग्रिड में लिया गया है। जिससे वह मॉडल रोड के रूप में दिखेगी। ऐसे ही आपके तिगरी पर कार्य चल रहा है यहाँ से होने वाले प्रवेश को बहुत ही खूबसूरत बनाया जा रहा है जिससे नोएडा से आने वाले लोगों को गाजियाबाद की सुंदरता दिखाई जा सके और शहर का नाम साफ व सुंदर शहरों में आ सके। विजय नगर एक समय मे शहर का पिछड़ा क्षेत्र माना जाता था तो हमने देखा कि विजय नगर को ही क्यों छोड़ा जाए इस क्षेत्र को भी वह सब मिलना चाहिए जिससे यह भी अदभुत सुंदर और साफ दिखे, शहर के अन्य क्षेत्रों की तरह साफ व सुंदर दिखने में अपनी भागीदारी दिखाए इसलिए यहाँ अत्यंत विकास कार्यो का फंड दिया गया है जिससे रोजाना लाखों लोग फायदा लेंगे। विधायक संजीव शर्मा ने कहा कि कि इस बार महापौर ने हमारे विजय नगर क्षेत्र को बहुत अच्छी धनराशि के कार्य दिए है और विजय नगर में एन एच 9 का चौड़ीकरण का कार्य, नाला निर्माण का कार्य और फ्लाईओवर बनाने का कार्य किया जा रहा है ।

अब वह दिन दूर नहीं जब विजय नगर का भविष्य उज्जवल दिखेगा और यह क्षेत्र अपनी अलग पहचान बनाएगा। जिसमें पार्षद भागवत गुप्ता, पार्षद संतोष राणा, पार्षद देवनारायण शर्मा, पार्षद ओमप्रकाश ओड, पार्षद पवन गौतम, पार्षद पूनम सिंह, पूर्व पार्षद राकेश पंडित, मंडल अध्यक्ष हेमराज माहौर, मंडल अध्यक्ष धर्मेंद्र सिंह, पूर्व मंडल अध्यक्ष सुधीर, देवेन्द्र पाल, मंडल अध्यक्ष राहुल तोमर, मद्रासी बाबू, देवेंद्र शर्मा आदि उपस्थित रहे।

वार्ड 35 में एक करोड़ से अधिक की सड़क

- *विजय नगर वार्ड 55 में बिच्छल द्वार से आश्रय स्थल तक साईड पटरी पर पर इंटलोकिंग टायल व नाली निर्माण कार्य जिसकी लागत लगभग 70 लाख है।*
- *वार्ड 15 विजय नगर शास्त्री पार्क के बराबर की ग्रीन बेल्ट पर बाउंड्री का निर्माण जिसकी लागत लगभग 23 लाख 70 हजार है।*
- *वार्ड 15 विजय नगर में अम्बेडकर पार्क के बराबर में ग्रीन बेल्ट पर बाउंड्री का निर्माण कार्य जिसकी लागत लगभग 14 लाख 80 हजार है।*
- *विजय नगर वार्ड 35 में तिगरी गोल चक्कर से शगुन फार्म हाउस वाली रोड का आरसीसी निर्माण व नाली निर्माण कार्य जिसकी लागत लगभग 1 करोड़ 12 लाख है।*
- *वार्ड 24 महरौली गाँव मे एन एच 9 तेजवीर के मकान से शनिदेव मंदिर ए वी आर रोड व नाली का निर्माण कार्य जिसकी लागत लगभग 64 लाख है।*

केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री गुर्जर ने वार्ड 44 में लगभग 28.50 लाख रुपए के विकास कार्यों की विधिवत शुरुआत की

हमारी सरकार में किसानों की मर्जी के बगैर कोई नहीं लेगा उनकी एक इंच जमीन: कृष्ण पाल गुर्जर

- केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने बल्लभगढ़ के मोहना रोड पर बनाए जा रहे एलिवेटेड पुल का भी किया निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

फरीदाबाद के वार्ड नंबर-44 में शनिवार को नगर निगम वार्ड 44 में आयोजित कार्यक्रम में केंद्रीय सहकारिता राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने बतौर मुख्य अतिथि लगभग 28.50 लाख रुपये की लागत से होने वाले सड़क निर्माण कार्यों की नारियल तुड़वाकर विधिवत शुरुआत की। इन कार्यों में वार्ड नंबर 44 की तीन गलियों के निर्माण का कार्य शामिल है। इस अवसर पर विशिष्ठ अतिथि के रूप में बल्लभगढ़ विधायक मूलचंद शर्मा, होडल विधायक हरेंदर सिंह, बड़खल विधायक धनेश अदलखा, एनआईटी विधायक सतीश फागना सहित विभिन्न निगम पार्षद एवं स्थानीय गणमान्य लोग मौजूद रहे। इसके बाद मोहना एलिवेटेड सड़क का भी निरीक्षण किया।

केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी विकास कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ पूरे किए जाएं, ताकि स्थानीय लोगों को शीघ्र लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार के प्रयासों से फरीदाबाद में हो रहे चौतरफा विकास के कारण भविष्य में देश के मानचित्र पर फरीदाबाद की एक अलग पहचान होगी। केंद्रीय राज्यमंत्री ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए कहा कि हमारी सरकार के लिए किसानों के हित सर्वोपरि हैं और उनकी सहमति के बिना उनकी एक इंच जमीन भी किसी भी परिस्थिति में अधिग्रहित नहीं की जाएगी। यह निर्णय किसानों के अधिकारों की रक्षा और उनके विश्वास को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। सरकार का उद्देश्य विकास और किसानों के हितों के बीच संतुलन बनाए रखना है, ताकि किसी भी परियोजना के चलते किसानों को नुकसान न हो और उनकी आजीविका सुरक्षित रह सके। आसपास स्थित 24 गांवों के समग्र विकास के लिए लगभग 600 करोड़ रुपये की लागत से तैयार की गई विकास परियोजनाओं की डीपीआर को मंजूरी मिल गई है। इन योजनाओं के अंतर्गत क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं को सुदृढ़ करने, सड़क, जलापूर्ति, सीवरेज, शिक्षा एवं अन्य आवश्यक ढांचागत विकास कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी। इन विकास कार्यों को शीघ्र ही शुरू किया जाएगाए जिससे क्षेत्र के निवासियों को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और उनके जीवन स्तर में सकारात्मक सुधार हो सके। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद की कनेक्टिविटी सुधारने के लिए मेट्रो का विस्तार जेवर एयरपोर्ट तक करने के प्रयास जारी हैं, जबकि पलवल मेट्रो विस्तार का कार्य भी जल्द शुरू करने की योजना है। लगभग 30 हजार करोड़ की इन परियोजनाओं के पूरा होने से फरीदाबाद की दिल्ली, नोएडा और जेवर एयरपोर्ट तक सीधी पहुंच होगी। उन्होंने आगे जानकारी दी कि पुराने रेलवे फाटकों को चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर उनकी जगह ओवरब्रिज और अंडरपास का निर्माण किया जा रहा हैए जिससे यातायात बाधाओं और जाम की समस्या से आमजन को राहत मिलेगी। आने वाले समय में फरीदाबाद में पारंपरिक रेलवे फाटक समाप्त हो जाएंगे और उनकी जगह अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। साथ ही दिल्ली आश्रम से सराय ख्वाजा तक एलिवेटेड सड़क बनाने की परियोजना तैयार है जिसके पूरा होने के बाद दोनों स्थानों के बीच की दूरी को 10 मिनट में तय कर सकेंगे। इससे पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने आज अचानक मोहना एलिवेटेड पुल निर्माण कार्य के निरीक्षण पर रुक गए। वह एक कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अपने काफिले के साथ जा रहे थे और उन्होंने रास्ते में इस पुल के कार्य का निरीक्षण किया। इस मौके पर उनके साथ विधायक मूलचंद शर्मा, होडल से हरेन्द्र सिंह, एनआईटी से सतीश फागना, बडख़ल से विधायक धनेश अदलक्खा, वरिष्ठ भाजपा नेता पं. टिपरचंद शर्मा, कविन्द्र चौधरी, बल्लभगढ़ मार्किट कमेटी के चेयरमैन संजीव बैंसला सहित अन्य गणमान्य लोग व पार्षदगण मौजूद रहे।

तीन दिवसीय प्रतियोगिता

कोलंबिया कॉन्वेंट इंस्टीट्यूट में राज्य स्तरीय रोल बॉल टूर्नामेंट का उद्घाटन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

रोल बॉल स्पोर्ट्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय रोल बॉल टूर्नामेंट का शनिवार शाम मेरठ रोड स्थित कोलंबिया कॉन्वेंट इंस्टीट्यूट में भव्य उद्घाटन हो गया। इस तीन दिवसीय प्रतियोगिता में प्रदेश की 15 जिला टीमों के प्रतिभावान युवा रोल बॉल खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

शुभारंभ मुख्य अतिथि चेयरमैन वी.एम. त्यागी, प्रबंध निदेशक एस.सी. त्यागी और कोलंबिया कॉन्वेंट इंस्टीट्यूट की प्रधानाचार्या डॉ. ललिता सिंह ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर राकेश त्यागी और समाज सेवी देवेंद्र हितकारी ने खेल के प्रति उत्साह बढ़ाते हुए क्षेत्र में रोल बॉल और युवा खेलों के विकास के लिए अपना समर्थन व्यक्त किया। इस टूर्नामेंट में बालक एवं बालिका दोनों वर्ग की प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। रोल बॉल एक ऐसा खेल है जो स्केटिंग के कौशल और बॉल गेम की रणनीति का एक रोमांचक मिश्रण पेश करता है। शुरुआत बेहद रोमांचक रही। पहले उद्घाटन मैच में मेजबान गाजियाबाद का सामना लखनऊ की मजबूत टीम से हुआ। गाजियाबाद के खिलाड़ियों ने शानदार खेल और ऊर्जा का प्रदर्शन किया, लेकिन कड़े संघर्ष के बाद लखनऊ ने 3-0 से जीत दर्ज की। प्रतियोगिता के अगले दौर में मुजफ्फरनगर और मुरादाबाद के बीच कड़ा मुकाबला होने की उम्मीद है।

जीडीए करा रहा 1040 लाख रुपए की लागत से सड़क पुनर्निर्माण के कार्य

कैबिनेट मंत्री ने पाइप मार्केट क्षेत्र में क्षतिग्रस्त सड़कों के पुनर्निर्माण का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने शनिवार को शहर में बेहतर सड़क एवं आधारभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा एक महत्वपूर्ण कार्य की शुरुआत की गई। अभियंत्रण जोन-7 के अंतर्गत श्याम पार्क मेन स्थित पाइप मार्केट क्षेत्र में क्षतिग्रस्त सड़कों के पुनर्निर्माण कार्य का शुभारंभ किया गया। इस कार्य का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री सुनील शर्मा ने किया ।इस अवसर पर प्राधिकरण के उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल, सचिव विवेक कुमार मिश्रा, मुख्य अभियंता ल आलोक रंजन,

अधिशासी अभियंता, पाइप मार्केट व्यापारी संगठन के पदाधिकारी एवं स्थानीय पार्षद सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। जीडीए अधिकारियों ने बताया कि इस परियोजना के तहत कुल 2756 मीटर लंबाई की सड़कों का निर्माण किया जाएगा। सड़कों के साथ आरसीसी ड्रेन, बीएम, एसडीबीसी और इंटरलॉकिंग टाइल्स भी बनाई जाएंगी।

शिविर का शुभारंभ रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव सौरेत एवं स्कूल के चेयरमैन नारायण डागर ने किया

थैलेसीमिया से पीड़ित बच्चों के लिए 30 रक्त मित्रों ने किया रक्तदान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हर घर रक्तदाता अभियान के अन्तर्गत बंसी विद्या निकेतन परिवार और पलवल डोनर्स क्लब ज्योतिपुंज ने जिला रेडक्रॉस सोसाइटी फरीदाबाद के सहयोग से बंसी विद्या निकेतन स्कूल में थैलेसिमिया से पीड़ित बच्चों के लिए एक स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। शिविर का संयोजन स्कूल की प्रधानाचार्या अंजु डागर, क्लब के मुख्य संयोजक आर्यवीर लॉयन विकास मित्तल और सह संयोजक अल्पना मित्तल ने किया। शिविर का शुभारंभ जिला रेडक्रॉस सोसाइटी फरीदाबाद के सचिव बिजेन्द्र सौरोत, स्कूल के

चेयरमैन नारायण डागर ने किया। बिजेन्द्र सौरोत ने रक्तमित्रों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रक्तदान वक्त की जरूरत है, हम सभी को रक्तदान जरुर करना चाहिए। एक यूनिट रक्त से 3 लोगों की जिंदगी को बचाया जा सकता है। प्रत्येक स्वस्थ व्यक्ति से रक्तदान करने की अपील की। शिविर संयोजक विकास मित्तल और अल्पना मित्तल ने बताया कि थैलेसीमिया अनुवांशिक बीमारी है, जिसमें बच्चे का खून बनना कम हो जाता है। मेजर थैलेसीमिया होने पर 15 से 20 दिन में खून चढ़ाने की आवश्यकता होती है। रक्तदाताओं की वजह से ही इन बच्चों का जीवन चक्र चल रहा है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को रक्तदान करना चाहिए, जिससे किसी और को जीवन मिल सके। शिविर को सफल बनाने के लिए सभी का धन्यवाद करते हुए स्कूल की प्रधानाचार्या अंजु डागर ने बताया कि शिविर में 30 रक्त मित्रों ने रक्तदान किया जिसमें से लगभग 10 लोगों ने पहली बार रक्तदान किया। शिविर को सुचारु रुप से चलाने के लिए मयंक जैन, सचिन , विरेन्द्र कुमार, नेहा लता आदि।

सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल व्यवस्था की

नगर निगम मुख्यालय में अनूठी पहल भीषण गर्मी में आगंतुकों को नींबू पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

नगर निगम जहां गर्मी को देखते हुए रेड लाइट पर ग्रीन नेट लगा रहा है, सार्वजनिक स्थानों पर पेयजल व्यवस्था के लिए प्याऊ लगा रहा है। वही नगर निगम मुख्यालय में आने वाले आगंतुकों के लिए नींबू पानी की व्यवस्था भी नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश पर की गई है।

बढ़ती गर्मी के ताप को देखते हुए गर्मी में नगर निगम मुख्यालय आने वाले आगंतुकों को राहत देने के क्रम में नींबू पानी की व्यवस्था की गई है। इस नई पहल से आगंतुक काफी

खुश हैं। प्रभारी नजारत डॉ. अनुज ने बताया गर्मी को देखते हुए नगर आयुक्त महोदय के निर्देश अनुसार नींबू पानी की व्यवस्था निगम द्वारा की गई है। जिसमें गर्मी में निगम मुख्यालय पधारने वाले आगंतुकों को नींबू पानी की सुविधा मिलेगी, गर्मी को देखते हुए स्वच्छता के साथ नींबू पानी बनाया जा रहा है।

रोशन नगर में युवक की चाकू मारकर हत्या करने वाला पुलिस गिरफ्त में

फरीदाबाद। रोशन नगर में युवक की चाकू मारकर हत्या करने के मामले में पुलिस ने मुख्य आरोपी को काबू किया है। बीते 1 अप्रैल की रात को रोशन नगर में जैतपुर विस्तार दिल्ली निवासी एक 25 वर्षीय युवक मानस की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। संबंध में मृतक के पिता की शिकायत पर थाना पल्ला में हत्या से संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर पुलिस चौकी द्वारा कार्रवाई अमल में लाई गई। पुलिस ने बताया कि नवीन नगर की टीम ने 1 मई को मुख्य आरोपित अमन निवासी शिवम कालोनी ईस्माइलपुर फरीदाबाद को दुर्गा बिल्डर सेक्टर-91 से गिरफ्तार किया है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **हरविन्दर सिंह उर्फ सोनू पुत्र सुजान सिंह, पता:** डब्ल्यूजेड–15, दूसरी मंजिल, चौखंडी इमरती ब्लॉक के पीछे, राज सिनेमा मंदिर के सामने वाली गली, चौखंडी, तिलक नगर, दिल्ली **ने सीटी. केस सं. 5229 / 2024 धारा 138 एन.आई एक्ट के तहत थाना: तिलक नगर, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **हरविन्दर सिंह उर्फ सोनू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **हरविन्दर सिंह उर्फ सोनू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **सीटी. केस सं. 5229 / 2024 धारा 138 एन.आई एक्ट के तहत थाना: तिलक नगर, दिल्ली के उक्त हरविन्दर सिंह उर्फ सोनू** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.06.2026** को या इससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
पुनम सिंह
न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी–04
(पश्चिम) तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/5697/WD/2026

ननि व फायर कर्मियों की हड़ताल के चलते दूसरे दिन भी कामकाज रहा बूरी तरह प्रभावित

ठेका कर्मियों को पक्का करने और ठेका समाप्त करने में कोई कानून अड़चन नहीं: सुभाष लांबा

यूनियन के प्रधान बलबीर सिंह बालगुहेर की अध्यक्षता में आम सभा का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

नगर निगम व फायर विभाग के कर्मचारियों की हड़ताल के कारण दूसरे दिन भी सफाई, सीवर व डोर टू डोर और रात्रि में होने वाला सफाई का काम बुरी तरह प्रभावित रहा।

हड़ताली कर्मचारियों ने नगर निगम मुख्यालय पर सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान बलबीर सिंह बालगुहेर की अध्यक्षता में आम सभा का आयोजन किया। जिसका संचालन सचिव महेंद्र कुड़िया ने किया। आम सभा को अखिल भारतीय राज्य सरकारी कर्मचारी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुभाष लांबा व मजदूर संगठन सीटू के महासचिव जय भगवान ने संबोधित किया और अपने

संगठनों की तरह से हड़ताल व मांगों का पुरजोर समर्थन किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष लांबा ने कहा कि वर्तमान सरकार ने सन2014 से अब तक एक भी कर्मचारी को पक्का नहीं किया है। 16 अप्रैल 2026 को माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 2014 की रेगुलराइजेशन की दोनों पालिसियों को वैध करार देने के बाद हरियाणा सरकार के सामने 23 व 31 दिसंबर, 2025 के हाईकोर्ट के फैसले को लागू करने और दो साल सेवा पूरी कर चुके सभी प्रकार के ठेका व पार्ट टाइम कर्मियों को सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की मांग अनुसार पक्का करने की पॉलिसी बनाने में कोई भी कानूनी अड़चन नहीं है और ना पहले थी। सरकार सर्वोच्च न्यायालय के फैसला आने तक कोई पालिसी नहीं बनाने का केवल बहाना बना रही थी, अब वह भी खत्म हो गया है। नपा कर्मचारी संघ हरियाणा के जिला प्रधान दलीप बोहत, सचिव अनिल चिंडालिया व सफाई कर्मचारी यूनियन के प्रधान बलबीर सिंह बालगुहेर ने कहा कि यह हड़ताल नगर निगमों, पालिकाओं व परिषदों से सभी प्रकार का ठेका समाप्त कर ठेका कर्मियों को पक्का करने, मृतक आश्रितों को एक-एक करोड़ आर्थिक सहायता और परिवार के एक सदस्य को पक्की नौकरी देने आदि मांगों को लेकर की जा रही है।

300 ग्राम गांजा के साथ एक धराया

फरीदाबाद। क्राईम ब्रांच डीएलएफ की टीम ने 300 ग्राम गांजा सहित एक आरोपी को काबू किया है। जिसकी पहचान मौहम्मद साहिल निवासी तिरखा कालोनी तिगांव रोड बल्लभगढ़ के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि 17 अप्रैल को क्राईम ब्रांच डीएलएफ की टीम ने अपने गुप्त सूत्रों की सूचना पर कार्रवाई करते हुए मौहम्मद साहिल को एनएचपीसी चौक के पास से काबू किया है। जिससे 300 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। जिसके विरुद्ध थाना सेक्टर-31 में एनडीपीएस की धारा के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr. P.C & 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **आरोपी इस्माइल कुरेशी उर्फ जॉनी पुत्र** मों. अकरम, **पता:** मकान नं. 177 गली माता वाली छत्ता लाल मियां दरियागंज चांदनी महल, दिल्ली, **CC No. 36147/2022, U/s: 406 IPC, पुलिस थाना: दरियागंज, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **इस्माइल कुरेशी उर्फ जॉनी** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **इस्माइल कुरेशी उर्फ जॉनी** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि उक्त अभियुक्त **इस्माइल कुरेशी उर्फ जॉनी CC No. 36147/2022, U/s: 406 IPC, पुलिस थाना: दरियागंज, दिल्ली** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.06.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
डॉ. राज कुमार सिंह
न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी–05 (केन्द्रीय)
एनआई अधिनियम–05 कमरा नं. 241
तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली

DP/5606/CD/2026
(Court Matter)

10 घंटे लगातार तैरकर नाप दी दो देशों के बीच की दूरी

रांची के लाल ईशान का कमाल!

दुनिया के सबसे कम उम्र के तैराक

एजेंसी

'कौन कहता है आसमां में सुराख नहीं हो सकता, एक पत्थर तो तबीयत से उछालो यारों' ये पंक्तियां जब दुष्यंत कुमार ने लिखीं तो उन्हें नहीं पता था कि रांची का 7 साल का ईशांक श्रीलंका और भारत के बीच पड़ने वाले समुद्री रास्ते को इतनी कम उम्र में तैरकर पार कर देगा और इसके लिए महज 9 घंटे 50 मिनट की तैराकी करनी पड़ेगी।

ईशांक अब इस स्ट्रेट को तैरकर पार करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के तैराक का रिकॉर्ड बना लिए हैं।

कौन हैं ईशांक

ईशान रांची के धुर्वा के रहने वाले हैं। बीते दिनों ईशांक ने श्रीलंका के तलाईमन्नार से भारत के धनुषकोडी तक के खतरनाक पाक स्ट्रेट को तैरकर पार किया। ईशांक ने 29 किलोमीटर की समुद्री दूरी को तय करने के लिए महज 9 घंटे 50 मिनट का समय लिया। इसके साथ ही अब ईशांक ऐसा करने वाले दुनिया के सबसे कम उम्र के तैराक का वर्ल्ड रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है।

यंगेस्ट एंड फास्टेस्ट पाक स्ट्रेट स्विमर का वर्ल्ड रिकॉर्ड

30 अप्रैल को ईशांक ने श्रीलंका के तलाईमन्नार से अपनी यात्रा शुरू की थी। अगले 9 घंटे और 50 मिनट में ईशांक ने विश्व रिकॉर्ड बना दिया। ईशांक को इस उपलब्धि के लिए यूनिवर्सल रिकॉर्ड्स फोरम की तरफ से यंगेस्ट एंड फास्टेस्ट पाक स्ट्रेट स्विमर का वर्ल्ड रिकॉर्ड सर्टिफिकेट दिया गया है। ईशांक ने यह उपलब्धि कड़ी ट्रेनिंग, अनुशासन और अपने पक्के इरादे से हासिल की है।

जनगणना : 1 मार्च 2027 तक होगी जनसंख्या की घोषणा

यूपी में दो चरणों में होगा सर्वे, जातिगत आंकड़े भी जुटेंगे

यूपी में घर-घर पहुंचेंगे गणनाकर्मी, पूछे जाएंगे 33 सवाल

7 मई से 21 मई तक स्वगणना के लिए 15 दिन

उत्तर प्रदेश में 15 साल बाद जनगणना 2027 की प्रक्रिया शुरू हो रही है, जिसमें पहली बार डिजिटल तरीके से स्वगणना का विकल्प मिलेगा।

एजेंसी लखनऊ

प्रदेश में 15 साल बाद फिर से जनगणना-2027 की प्रक्रिया शुरू होने जा रही है। यह कई मायनों में खास होगी। इसमें पहली बार डिजिटल तरीके से डाटा जुटाया जाएगा। इसमें आप सिर्फ गिने नहीं जाएंगे, बल्कि खुद अपनी जानकारी भी दर्ज कर सकेंगे। पहली बार सात मई से 21 मई तक लोगों को स्वगणना के लिए 15 दिन का समय दिया गया है। इस दौरान नागरिक अपने मोबाइल या लैपटाप के जरिये पोर्टल पर जाकर सभी सवालों के जवाब भर सकेंगे। इसके बाद 22 मई से गणनाकर्मी घर-घर पहुंचकर सत्यापन और मकान सूचीकरण का काम करेंगे।

परिवार को उपलब्ध सुविधाएं और परिसंपत्तियों से जुड़ी जानकारी देनी होगी

पहले चरण में गणनाकर्मी घर-घर जाकर मकानों की स्थिति (हाउस लिस्टिंग), परिवार को उपलब्ध सुविधाएं और परिसंपत्तियों से जुड़ी जानकारी मोबाइल एप के माध्यम से एकत्रित करेंगे। इस चरण में न तो व्यक्तिगत गणना होगी और न ही जातिगत गणना की जाएगी। दूसरे चरण में, जो अगले वर्ष फरवरी में प्रस्तावित है, व्यक्तिगत और जातिगत गणना की जाएगी।

खबर संक्षेप

डीजल-पेट्रोल के दाम नियंत्रित करे सरकार

लखनऊ। कमर्शियल गैस सिलिंडर की कीमतों में एकमुश्त 993 रुपए बढ़ाए जाने को लेकर

बसपा सुप्रीमो मायावती ने एक्स पर कहा कि सरकार के इस कदम से जनता में बेचैनी है। कहा कि जिस तरह विधानसभा चुनाव के दौरान पेट्रोल-डीजल के दाम नियंत्रित किए गए थे। सरकार अब भी वही तरीका अपनाएं।

सम्राट सरकार में भी सुरक्षित हैं मुसलमान

पटना। जदयू के वरिष्ठ नेता व उपमुख्यमंत्री विजय चौधरी ने शनिवार को कहा कि भाजपा के

नाम पर हौवा खड़ाकर अल्पसंख्यकों को कोई भरमा नहीं सकता। स तरह से नीतीश कुमार के शासन में अल्पसंख्यक सुरक्षित थे उसी तरह इस शासन में भी रहेंगे। जदयू प्रदेश कार्यालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन में उन्होंने यह बात कही।

सीएम योगी ने यूपी के सभी जिलों के डीएम को दिया ये आदेश

खोदी गई सड़क और गड्ढे तुरंत भरें, जल जीवन मिशन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं

एजेंसी लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के मुताबिक सभी जिलों में जिलाधिकारी, जल जीवन मिशन से जुड़े वरिष्ठ अधिकरी तथा अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी स्थलीय निरीक्षण कर खुदी हुई सड़कों और गड्ढों की स्थिति का पता करेंगे। इसके साथ ही इन्हें तत्काल भरना भी सुनिश्चित करें।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिया है कि जल जीवन मिशन के तहत खुदाई का काम करते समय सुरक्षा के सभी मानकों का सख्ती से पालन किया जाए और कार्य संपन्न होते ही खोदी गई सड़कों और गड्ढों को तत्काल भरा जाए। जिलाधिकारी व अन्य वरिष्ठ अधिकारी खुद स्थलीय निरीक्षण कर यह सुनिश्चित करेंगे। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। योगी सरकार शहरी इलाकों से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों में साफ पानी पहुंचाने के लिए लगातार काम कर रही है। जल जीवन मिशन के जरिए करोड़ों लोगों को इसका लाभ पहुंचाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री के निर्देश के मुताबिक उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में जिलाधिकारी, जल जीवन मिशन से जुड़े वरिष्ठ अधिकरी तथा अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी स्थलीय निरीक्षण कर खुदी हुई सड़कों व गड्ढों की स्थिति का पता करें। साथ ही इन्हें तत्काल भरना भी सुनिश्चित करें। इस काम में किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। काम को समय से पूरा नहीं करने, अधूरा छोड़ने या इसमें लापरवाही बरतने वाली कार्यदायी संस्थाओं और ठेकेदारों पर जुर्माना लगाने के साथ ही उन्हें ब्लैकलिस्ट करने की कार्रवाई की जाएगी। सीएम ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि जल समाधान पोर्टल पर आपूर्ति, लीकेज और खुदाई से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। इसमें किसी तरह की कोताही न होने पाए।

खास बातें

- लापरवाही बरतने वाली कार्यदायी संस्थाओं और ठेकेदारों पर जुर्माना व ब्लैकलिस्ट की कार्रवाई
- लीकेज और खुदाई से जुड़ी शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता दें

घर-घर साफ पानी पहुंचाने का काम युद्धस्तर पर

जल जीवन मिशन के तहत जलापूर्ति या मरम्मत संबंधित शिकायतों के लिए टोल फ्री नंबर पर अपनी शिकायत भी दर्ज करा सकते हैं। गौरतलब है कि उत्तर प्रदेश में करीब 2.50 करोड़ से ज्यादा ग्रामीण परिवारों को नल से जल कनेक्शन पहुंचाया जा चुका है। विंध्य और बुंदेलखंड में लगभग शत-प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर लिया गया है। योगी सरकार घर-घर साफ पानी पहुंचाने का काम युद्धस्तर पर कर रही है।

हाईकोर्ट बोला- संभल में सार्वजनिक जमीन पर नमाज नहीं होगी

संभल। जिले क जमीन पर नमाज पढ़ने के मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शुक्रवार को याचिका खारिज कर दी। हाईकोर्ट ने कहा कि ऐसी जमीन का उपयोग किसी एक पक्ष द्वारा नमाज अदा करने के लिए नहीं किया जा सकता। इस पर सबका समान अधिकार है। अगर कोई पक्ष परंपरा से हटकर कोई कार्य करता है, तो कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य सरकार को हस्तक्षेप करने का पूरा अधिकार है। कोर्ट ने कहा कि किसी भी पक्ष की धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार अन्य पक्षों की स्वतंत्रता पर निर्भर करता है।

25 मिनट की मुलाकात पर सियासी हलचल तेज

कैबिनेट विस्तार की चर्चा बीच नीतीश से मिले सीएम सम्राट

एजेंसी पटना

बिहार सरकार के कैबिनेट विस्तार की चर्चा के बीच मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व सीएम नीतीश कुमार से उनके नए आवास 7 सर्कुलर रोड जाकर मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच 25 से 30 मिनट तक बात हुई। इस दौरान डिप्टी सीएम विजय कुमार चौधरी भी मौजूद थे। इससे पहले नीतीश कुमार ने दूसरे डिप्टी सीएम बिजेंद्र यादव के आवास पर जाकर मुलाकात की। अगले चार-पांच दिनों में सम्राट कैबिनेट का विस्तार हो सकता है। दोनों नेताओं के बीच इस मुलाकात से सियासी हलचल तेज हो गई है।

दिल्ली में अमित शाह से मिलेंगे सीएम चौधरी

बिहार कैबिनेट विस्तार पर होगा मंथन

एजेंसी पटना

बिहार की सियासत में हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी शनिवार रात दिल्ली के लिए रवाना हो गए। उनके इस दौरे को संभावित मंत्रिमंडल विस्तार से जोड़कर देखा जा रहा है, जिससे राजनीतिक गलियारों में चर्चाएं और तेज हो गई हैं।

दिल्ली में अहम बैठकों का दौर

सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली पहुंचकर सीएम अमित शाह से मुलाकात करेंगे। इसके अलावा भाजपा संगठन के शीर्ष नेताओं से भी चर्चा की संभावना है, जिसमें नई कैबिनेट के स्वरूप पर मंथन होगा।

कैबिनेट विस्तार पर लग सकती है मुहर

बताया जा रहा है कि इस बैठक में मंत्रिमंडल विस्तार को अंतिम रूप दिया जा सकता है। बंगाल चुनाव के नतीजों के बाद किसी भी समय नई कैबिनेट का ऐलान हो सकता है, जिस पर सभी की नजरें टिकी हैं।

कुतुब मीनार से भी तीन गुना ऊंचा मंदिर तैयार

एजेंसी, वृंदावन। वृंदावन में देश का सबसे विशाल, भव्य और ऊंचा चंद्रोदय मंदिर लगभग बनकर तैयार हो गया है। इस माह के अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका लोकार्पण कर सकते हैं। मंदिर प्रबंधन ने प्रधानमंत्री को इसका आमंत्रण पत्र भेजा है। फिलहाल उद्घाटन की तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। यह मंदिर दिल्ली की कुतुब मीनार से भी तीन गुना ऊंचा होगा। वृंदावन-छटीकरा मार्ग स्थित अक्षय पात्र परिसर में 8 मार्च 2014 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंदिर का शिलान्यास किया था। तत्कालीन राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी ने 16 नवंबर 2014 को आधारशिला रखी थी। इस्कॉन बेंगलुरु द्वारा करीब 700 करोड़ रुपये की लागत से इसका निर्माण कराया जा रहा है। करीब 12 साल में 70 मंजिला मंदिर बनकर लगभग तैयार हो चुका है। इधर, पीएम मोदी के आने की संभावना को लेकर मंदिर में व्यापक तैयारियां तेज हो गई हैं।

पेज एक का शेष

ऑपरेशन सिंदूर सैन्य...

एयरचीफ मार्शल ए.पी. सिंह, रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह और उप सेनाप्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल धीरज सेठ मौजूद रहे।

सैन्य परंपरा का यही सिद्धांत : रक्षा मंत्री ने अपने संबोधन में सैनिकों के साहस, वीरता, समर्पण और राष्ट्रीयता की उनकी भावना की प्रशंसा की और कहा कि देश की प्राचीन से लेकर समकालीन सैन्य परंपरा के प्रमुख लोकाचारों में राष्ट्र सबसे पहले और अपने आप से पहले देश सेवा शामिल है। ऑपरेशन सिंदूर इसका सबसे बड़ा उदाहरण पेश करता है।

देश का पहला ...

तक ले जाया जा सकता है। पारंपरिक एमआरआई स्कैन में मरीज को विशेष कक्ष तक ले जाना पड़ता है, जबकि नई प्रणाली आईसीयू, इमरजेंसी और न्यूरोसर्जरी वार्ड में ही स्कैनिंग की सुविधा देती है। इससे गंभीर मरीजों को ट्रांसफर करने का जोखिम काफी कम हो जाएगा। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के मुताबिक, यह पहल देशभर में ब्रेन इमेजिंग की पहुंच बढ़ाने के साथ पॉइंट-ऑफ-केयर न्यूरोडायग्नोस्टिक्स के क्षेत्र में शोध को नई दिशा देगी। इसे भारत के स्वास्थ्य तंत्र को और अधिक सशक्त बनाने की दिशा में अहम उपलब्धि माना जा रहा है।

एम्स के सेंटर फॉर न्यूरोलॉजिकल कंडीशंस में इस तकनीक का उपयोग शुरू हो चुका है। विशेषज्ञों की टीम डॉ. शैलेश गायकवाड़ के नेतृत्व में मरीजों की जांच कर रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि अल्ट्रा-लो-फील्ड तकनीक पर आधारित यह पोर्टेबल एमआरआई आपात स्थितियों में तेजी से निर्णय लेने में मदद करेगा, खासकर तब जब पारंपरिक इमेजिंग कराना कठिन या जोखिम भरा हो। इस पहल को नियामकीय मंजूरी मिलने के बाद लागू किया गया है, जिसमें रेडियो सर्जरी ग्लोबल का सहयोग भी शामिल है।

चाबहार बंदरगाह पर...

चाबहार से लौटे तकनीकी कर्मी : यहां बता दें कि अमेरिका द्वारा दी गई छूट की समयसीमा खत्म होने के बाद अब भारत की चाबहार बंदरगाह के शाहिद बेहिश्ती टर्मिनल के संचालन में कानूनी सुरक्षा समाप्त हो गई है। वहीं, भारत ने इस टर्मिनल के विकास पर कुल करीब 120 मिलियन डॉलर की निवेश प्रतिबद्धता पूरी कर ली है। अब उसने सतर्कता के साथ आगे बढ़ते हुए चाबहार से अपने तकनीकी कर्मियों को वापस बुला लिया है। इसके अलावा वह टर्मिनल पर अपनी हिस्सेदारी को किसी स्थानीय ईरानी कंपनी को देने पर भी विचार-विमर्श कर रहा है।

यूएनजीए करेगी...

शीर्षक 'लीवरेजिंग डिजिटल इनोवेशन इन माइग्रेशन गवर्नेंसः द ई-माइग्रेट एक्सपीरियंस ऑफ इंडिया' होगा।

प्रख्यात गीतकार...

से जुड़ती हैं। जोशी अगस्त 2017 से मुंबई स्थित केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने अपने कार्यकाल के दौरान फिल्म प्रमाणन प्रक्रियाओं को सुदृढ़ किया और साथ ही फिल्म उद्योग के सभी हितधारकों के साथ सक्रिय रूप से जुड़े रहे। मंत्रालय के बयान में कहा गया कि सीबीएफसी में उनका कार्यकाल रचनात्मक अभिव्यक्ति और नियामक उत्तरदायित्व के प्रति संतुलित दृष्टिकोण को दर्शाता है। इससे पहले, जोशी मैक्कैन वर्ल्ड ग्रुप इंडिया के मुख्य कार्यकारी अधिकारी और मैक्कैन वर्ल्ड ग्रुप एशिया पैसिफिक (मैक्कैन एरिक्सन की सहायक कंपनी) के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। उत्तराखंड के अल्मोड़ा में जन्मे प्रसून जोशी ने शुरुआती शिक्षा के बाद प्रबंधन और संचार के क्षेत्र में भी अध्ययन किया। उन्होंने हिंदी सिनेमा की कई चर्चित फिल्मों जैसे तारे ज़मीन पर, रंग दे बसंती, भाग मिल्खा भाग, फना, हम तुम और ब्लैक के लिए यादगार गीत लिखे हैं।

आज से तीन...

एक विशेष संबंध साझा करते हैं। अपनी इस यात्रा के दौरान जयशंकर तीनों कैरेबियाई देशों के शीर्ष नेतृत्व के साथ मुलाकात करेंगे। साथ ही उनकी अपने समकक्ष विदेश मंत्रियों के साथ भी जरूरी चर्चाएं होंगी। जिसमें द्विपक्षीय संबंधों के हर पहलू से लेकर साझा हितों से जुड़े हुए क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर विचारों का आदान-प्रदान किया जाएगा।

देश में खुला सेंट किट्स-नेविस का उच्चायोग : बताते चलें कि पिछले महीने नई दिल्ली में विदेश मंत्री डॉ. जयशंकर ने सेंट किट्स और नेविस के उच्चायोग का उद्घाटन किया था। यह कैरेबियाई देश का भारत में पहला राजनयिक मिशन है। जिसे दोनों देशों के बीच संबंधों को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। जानकारों की मानें तो भारत का यह कदम दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक और मैत्रीपूर्ण संबंधों को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। भविष्य में संयुक्त राष्ट्र सहित अन्य वैश्विक मंचों पर कैरेबियाई देशों का सहयोग और समर्थन भी खासा महत्वपूर्ण रह सकता है।

हरियाणा के राज्यपाल...

राज्यपाल और प्रथम महिला के साथ प्रधानमंत्री को अपनी दो लिखित पुस्तकें भेंट कीं। ये पुस्तकें "अद्वैत वेदांतः एक अनोखा दर्शन" और "सामाजिक दृष्टिकोण में धर्मक्षेत्र-कुरुक्षेत्र" जिनका हाल ही में राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष द्वारा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और विधानसभा अध्यक्ष हरविंदर सिंह कल्याण की उपस्थिति में विमोचन किया गया था।

संदीप पाठक के घर...

ने धावा बोला है। बताया जा रहा है कि पंजाब पुलिस की टीम के पहुंचने से पहले पाठक अपने आवास के पिछले दरवाजे से निकल चुके थे। पाठक के ऊपर गैर जमानती धाराओं में केस दर्ज होने के बाद गिरफ्तारी की भी तलवार लटक रही है। वहीं इसको लेकर अब सियासत भी तेज हो गई है। बता दें कि कुछ दिन पहले ही संदीप पाठक ने राघव चड्ढा और अशोक मित्तल के साथ भाजपा ज्वाइन कर ली थी।

इसके अलावा, क्रिकेटर हरभजन सिंह, राजिंदर गुप्ता, स्वाति मालीवाल और विक्रमजीत साहनी भी आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुए। स्वाति मालीवाल को छोड़कर बाकी छह सांसद राज्यसभा में पंजाब का प्रतिनिधित्व करते हैं, जहां अगले साल विधानसभा चुनाव होंगे। 7 सांसदों के पार्टी छोड़ने के बाद राज्यसभा में आम आदमी पार्टी की सीटों की संख्या भी 10 से घटकर 3 रह गई। आम आदमी पार्टी और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने पार्टी छोड़ने वाले सांसदों को 'गद्दार' कहा था। उन्होंने कहा कि जिन सांसदों ने जनता के जनादेश का अपमान किया है, वे किसी भी तरह की दया के पात्र नहीं हैं, क्योंकि वे पंजाब और पंजाबियों के गद्दार हैं। इस विषय को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान 5 मई को राष्ट्रपति से भी मुलाकात करेंगे। मुख्यमंत्री मान ने 29 अप्रैल को बताया कि उन्हें राष्ट्रपति भवन से मुलाकात का समय मिल चुका है। वे 5 मई को राष्ट्रपति से मुलाकात करेंगे।

अखिलेश का तंज दो स्टूलों को मिलाने से कुर्सी नहीं बनती

लखनऊ। अखिलेश यादव और केशव प्रसाद मौर्य के बीच सोशल प्लेटफॉर्म पर छिड़ी तीखी जुबानी जंग ने नया राजनीतिक मोड़ ले लिया है। अखिलेश ने एक्स पर दोनों उपमुख्यमंत्रियों, केशव मौर्य और ब्रजेश पाठक का एक वीडियो शेयर किया। इस वीडियो के साथ व्यंग्यात्मक गीत जोड़ा गया था और टिप्पणी की गई कि 'दो स्टूलों को मिलाने से कुर्सी नहीं बनती।'

इस तंज के लगभग 14 घंटे बाद केशव मौर्य ने तीखा जवाब दिया। उन्होंने कहा कि उनकी और ब्रजेश पाठक की सफल और प्रभावी जोड़ी से विपक्ष की बेचैनी स्वाभाविक है। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार के दौरान वंचित, श्रमिक और पिछड़े वर्गों पर अत्याचार हुए। जिन्हें प्रदेश की जनता भूली नहीं है। शनिवार सुबह उन्होंने जवाब देते हुए कहा कि वे चंद्रगुप्त मौर्य की विरासत का प्रतिनिधित्व करते हैं और अखंड भारत के निर्माण के लिए संकल्पित हैं।

बिहार म्यूजियम ने बनाया नया रिकॉर्ड 10 साल में पहली बार पहुंचे 7 लाख पर्यटक

एजेंसी पटना

पटना के बिहार म्यूजियम ने 10 साल में पहली बार एक साल में 5 लाख से अधिक पर्यटकों का रिकॉर्ड बनाया है। वीआईपी दौरों को मिलाकर यह आंकड़ा 7 लाख तक है। प्राचीन कलाकृतियां और आधुनिक सुविधाएं पर्यटकों के आकर्षण का मुख्य केंद्र हैं। राजधानी पटना में स्थित बिहार म्यूजियम ने इस साल पर्यटकों की संख्या के मामले में एक नया रिकॉर्ड कायम किया है।

म्यूजियम के उद्घाटन के बाद बीते 10 सालों में यह पहला मौका है, जब महज एक साल के भीतर 5 लाख से अधिक पर्यटकों ने यहां का भ्रमण किया है। इस उपलब्धि ने यह साबित कर दिया है कि अपनी आधुनिक सुविधाओं और बेहतरीन प्रदर्शनी के कारण यह म्यूजियम लोगों की पसंद बनता जा रहा है। पर्यटकों की इस बढ़ती संख्या से राज्य में पर्यटन को भी सकारात्मक बढ़ावा मिल रहा है।

कुल आंकड़ा 7 लाख के करीब पहुंचा

आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, पिछले एक साल में 5 लाख से अधिक आम लोगों ने टिकट लेकर बिहार म्यूजियम का दौरा किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अगर इस 5 लाख की संख्या में वीआईपी (VIP) मेहमानों के विशेष दौरे और म्यूजियम परिसर में आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होने वाले लोगों की भीड़ को भी शामिल कर लिया जाए, तो कुल पर्यटकों का यह आंकड़ा 5 लाख से 7 लाख के बीच पहुंच जाता है। यह पर्यटकों की संख्या पिछले सभी सालों के मुकाबले सबसे अधिक है।

प्राचीन कलाकृतियां बनीं मुख्य आकर्षण

बिहार राज्य हमेशा से ऐतिहासिक और सांस्कृतिक रूप से काफी समृद्ध रहा है। देश के अन्य राज्यों और विदेश से आने वाले पर्यटक यहां की प्राचीन संस्कृति, सभ्यता और इतिहास को करीब से समझने की इच्छा रखते हैं। बिहार म्यूजियम में बौद्ध धर्म, जैन धर्म, हिंदू धर्म और सिख धर्म से जुड़ी कई प्राचीन और दुर्लभ कलाकृतियां बड़े पैमाने पर मौजूद हैं।

घर का दरवाजा अंदर से बंद मिला और बच्चों की मां घर से गायब

शौहर ने पाकिस्तानी महिला से किया निकाह तो बीवी ने 4 मासूम बच्चों को ईंट से कूचकर मार डाला

जांच पूरी होने पर वास्तविक कारणों का खुलासा

एजेंसी अंबेडकरनगर

यूपी के अंबेडकरनगर में चार बच्चों की हत्या की खबर मिलते ही सनसनी फैल गई। चार मंजिला घर के अंदर से चार बच्चों के खून से लथपथ शव मिले हैं। घटना की सूचना पर भारी पुलिस फोर्स मौके पर पहुंची। पुलिस घटना की जांच पड़ताल कर रही है। चारों बच्चों की हत्या किसने की? पुलिस इस मामले की तफ्तीश कर रही है। फिलहाल मां पर बच्चों की हत्या का शव गहरा रहा है। मां घर से फरार है। पुलिस तलाश में जुटी है।

4 मंजिला मकान के एक कमरे में बच्चों के शव पड़े मिले

घटना अपराह्न करीब तीन बजे के बाद अकबरपुर के मीरानपुर मोहल्ले में हुई। पुलिस को एक चार मंजिला मकान से चार बच्चों के शव मिलने की सूचना मिली। मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कि चार मंजिला मकान के एक कमरे में बच्चों के शव पड़े हुए थे। मृतकों की पहचान सफीक (14 वर्ष), सऊद (10 वर्ष), उमर (8) और बयान बानो (6 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि मकान मालिक मोहम्मद नियाज पिछले एक वर्ष से रोजगार के सिलसिले में सऊदी अरब में रह रहा है। घटना के समय बच्चों की मां गाजिया खातून घर पर मौजूद थी, जो घटना के बाद से फरार बताई जा रही है। प्रथम दृष्टया पुलिस को हत्या में मां की संलिप्तता का शक है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह समेत अन्य पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का निरीक्षण किया। फॉरेंसिक टीम ने भी मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाने का कार्य शुरू कर दिया है।

पारिवारिक विवाद और मानसिक तनाव में थी मां

पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने बताया कि प्रथम दृष्टया बच्चों की हत्या में मां का हाथ है। हत्या के पीछे के कारणों की जांच की जा रही है। प्रारंभिक जानकारी में पारिवारिक विवाद और मानसिक तनाव की बात सामने आ रही है। यह भी बताया जा रहा है कि बच्चों के पिता द्वारा दूसरी शादी किए जाने की चर्चा के कारण गाजिया खातून तनाव में रहती थी। वहीं, संपत्ति विवाद की आशंका भी जताई जा रही है। फिलहाल पुलिस फरार महिला की तलाश में टीमें जुटा दी गई है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा हो सकेगा।

वर्ल्ड लाफ्टर-डे स्पेशल

आमतौर पर हंसने को सामान्य शारीरिक क्रिया माना जाता है। लेकिन दुनिया भर में हुए अनेक मेडिकल स्टडीज से यह साबित हुआ है कि हंसी, नेचुरल मेडिसिन की तरह होती है। हमारी मेंटल हेल्थ को बेहतर बनाने में हंसने की बहुत कारगर भूमिका होती है। हंसने के क्या फायदे होते हैं, इसे कैसे थेरेपी की तरह यूज कर सकते हैं, इस बारे में विस्तार से जानिए।

स्ट्रेस करे दूर-मेंटल हेल्थ को बनाए बेहतर हंसी

कवर स्टोरी
रजनी अरोड़ा

भारती पीएचडी के अंतिम वर्ष में थी। थीसिस सबमिशन की डेडलाइन नजदीक आने के कारण अत्यधिक तनाव, एंग्जाइटी और नींद न आने की समस्या का सामना कर रही थी। उसका मानसिक संतुलन बिगड़ रहा था, पढ़ाई पर फोकस नहीं कर पा रही थी। यहां तक कि उसकी दिनचर्या भी गड़बड़ा गई थी। पैरेंट्स ने उसकी स्थिति को देखते हुए मनोवैज्ञानिक को कंसल्ट किया। उसकी केस हिस्ट्री जानने और थेरेपेटिक इंटरवेंशन के बाद डॉक्टर ने उसे 'लाफ्टर रूल: 3-10-30' फॉलो करने की सलाह दी। शुरुआत में भारती को यह अभ्यास साधारण और प्रभावहीन लगा, लेकिन दो सप्ताह के भीतर उसने तनाव में कमी, मूड स्थिरता और कंसंट्रेशन में सुधार महसूस किया। यह परिवर्तन केवल संयोग नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक सिद्धांतों पर आधारित माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन का परिणाम था।

जीवन में बढ़ रहा है तनाव

आज की तेज रफ्तार भरी जिंदगी में बढ़ती अपेक्षाएं, प्रतिस्पर्धा, हाई प्रेशर जॉब्स, डिजिटल निर्भरता ने हम सभी के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित किया है। व्यक्ति हंसना मानो भूलता जा रहा है। स्ट्रेस, एंग्जाइटी, डिप्रेशन, ओवर थिंकिंग, बर्नआउट जैसी मानसिक समस्याएं तेजी से उभर रही हैं और गंभीर वैश्विक चुनौती बनती जा रही हैं। डब्ल्यूएचओ के अनुसार विश्व स्तर पर लगभग हर 8 में से 1 व्यक्ति किसी न किसी मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्या से जूझ रहा है। भारत में भी लगभग 14 प्रतिशत जनसंख्या अपने जीवनकाल में मानसिक स्वास्थ्य समस्याओं का अनुभव करती है।

हंसना है कारगर उपाय

एक शोध के अनुसार बच्चे दिन में औसतन 300-400 बार हंसते हैं, जबकि वयस्क केवल 8-10 बार। यानी बड़े होते-होते हम हंसी की यह अद्भुत प्राकृतिक शक्ति खो देते हैं। हालांकि व्यक्ति इन समस्याओं की गिरफ्त में न आने और मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाए रखना चाहता है, जिसके लिए कई तरह की साइकोलॉजिकल थेरेपी, मेडिटेशन एप्स, मेडिकेशन का भी सहारा लेता है। लेकिन प्रकृति-प्रदत्त उस सहज उपलब्ध और अनमोल उपहार को अकसर नजरअंदाज कर जाता है। वो उपहार है-हंसी या कुछ पल के लिए खुलकर हंसना। हास-परिहास को मानव की एक सहज भावना या स्वाभाविक प्रक्रिया है। खुशी किसी बड़ी उपलब्धि में नहीं, बल्कि रोजमर्रा के छोटे-छोटे पलों में छिपी होती है। अगर हम डेली रुटीन में पॉवरफुल टूल यानी हास्य को अपनाने की आदत डाल लें तो निश्चय ही तमाम तरह की मानसिक परेशानियों से आसानी से बचा जा सकता है।

फॉलो करें लाफ्टर रूल

जीवन को खुशहाल बनाने के लिए वैज्ञानिक भी 'लाफ्टर रूल: 3-10-30' फॉलो करने पर बल देते हैं। भले ही छोटा लगे, लेकिन इसका प्रभाव बहुत गहरा होता है। माइक्रो-बिहेवियरल इंटरवेंशन के माध्यम से यह रूल व्यक्ति को अपने मानसिक स्वास्थ्य को सुधारने में मदद करता है। इसमें तीन मुख्य घटक हैं- 3 यानी, दिन में कम से कम तीन बार दिल से मुस्कुराएं या खुलकर हंसें। किसी भी रूप में, कुछ मजेदार देखते या सुनते हुए। 10 यानी, अपने कार्य के दौरान दस मिनट का एक लाफ्टर ब्रेक लें। हास्यपूर्ण गतिविधियों में शामिल हों, जो हमें हंसने या मुस्कुराने का मौका दें। जैसे- कॉमेडी वीडियो देखना, मजेदार किताब पढ़ना, दोस्तों या परिवार के साथ हंसी-मजाक करना या बच्चों के साथ खेलना। 30 यानी, दिन में कई बार 30 सेकेंड के लिए हंसने या मुस्कुराने का प्रयास करें। छोटी-छोटी खुशियों को महसूस करना और उन पर मुस्कुराना भी इसमें शामिल है। जैसे- किसी सुंदर दृश्य को देखकर, किसी बच्चे की मासूम हरकत पर या किसी हल्के-फुल्के मजाक पर मुस्कुरा देना।

कैसे काम करती है हंसी

हंसी को नेचुरल एंटी-डिप्रेसेंट भी कहा जाता है। यह एक नेचुरल स्ट्रेस रिलीफ मैकेनिज्म के रूप में कार्य करती है। जब हम खुलकर हंसते हैं, तो हमारे शरीर में कई महत्वपूर्ण न्यूरोकेमिकल का स्राव बढ़ जाता है। एंडोर्फिन (प्राकृतिक दर्द निवारक, जो खुशी और संतुष्टि की भावना उत्पन्न करता है), डोपामाइन (मोटिवेशन और खुशी से जुड़ा न्यूरोट्रांसमीटर), सेरोटोनिन (मूड को संतुलित रखने वाला रसायन)। वहीं हंसी, कॉर्टिसोल (तनाव हार्मोन) के स्तर को घटाती है। ये केमिकल मूड को बेहतर बनाते हैं, शरीर की मांसपेशियों को आराम पहुंचाते हैं और तनाव को कम करते हैं।

हंसी के पीछे का मनोविज्ञान

मनोविज्ञान के सिद्धांतों के माध्यम से भी हंसी के प्रभाव को समझा जा सकता है। इस बारे में यहां विस्तार से बता रहे हैं।

इमोशनल रेग्युलेटर: मनोविज्ञान के अनुसार हंसी एक प्रभावी इमोशनल रेग्युलेटर है, जो तनाव और नकारात्मक भावनाओं को कम करने में मदद करती है। कठिन परिस्थितियों का सामना करने में मदद करती है।

बिहेवियरल एक्टिवेशन थ्योरी: इसके हिसाब से केवल भावनाएं ही व्यवहार को प्रभावित नहीं करतीं, बल्कि व्यवहार भी भावनाओं को बदल सकता है। यानी यदि व्यक्ति जान-बूझकर हंसता है, तो उसका मूड स्वतः बेहतर हो सकता है।

फेशियल फीडबैक हाइपोथीसिस: सिर्फ मुस्कुराने से भी खुशी का अनुभव हो सकता है। मुस्कुराने पर चेहरे की मसल्स अनायास ही ब्रेन को संकेत भेजती हैं, जिससे भावनाएं प्रभावित होती हैं और मूड में सुधार होता है।

मूड कॉन्ग्रुएंट बिहेवियर: यह एक मनोवैज्ञानिक पैटर्न है, जिसमें व्यक्ति अपने वर्तमान मूड के अनुरूप ही कंटेंट या गतिविधियों को चुनता है। जैसे- जब हम दुःखी होते हैं, तो हम दुःख भरे गाने, वीडियो या विचारों की ओर आकर्षित होते हैं। यह पैटर्न नकारात्मक भावनात्मक चक्र को बढ़ा सकता है। लेकिन यदि हम दुखी होने पर सचेत रूप से अपने व्यवहार में बदलाव लाएं या हंसने की कोशिश करें, तो इस नकारात्मक चक्र को तोड़ सकते हैं।

मेंटल बैलेंस को सुधारे हंसी

हंसी केवल खुशी का प्रतीक नहीं, बल्कि मानसिक संतुलन बनाए रखने की एक गहरी और वैज्ञानिक प्रक्रिया भी है। इससे कॉग्निटिव फ्लेक्सिबिलिटी बढ़ती है। नर्वस सिस्टम पर सकारात्मक असर पड़ता है। जब हम हंसते हैं, तो हमारा ब्रेन अधिक सक्रिय और क्रिएटिव हो जाता है। समस्याओं को नए दृष्टिकोण से देख पाता है और आउट ऑफ द बॉक्स सोच विकसित होती है। कई बार कठिन समस्या का हल भी निकाल पाता है। बार-बार हंसने से दिमाग में नए न्यूरल पाथवे बनते हैं। इससे धीरे-धीरे नकारात्मक सोच की आदत कमजोर और सकारात्मक सोच मजबूत होती है। हंसने से भावनात्मक मजबूती बढ़ती है। मुश्किल परिस्थितियों में भी टिके रहने की शक्ति देती है। जो लोग कठिन समय में भी हल्का-फुल्का हास्य बनाए रखते हैं, वे तनाव और असफलताओं से जल्दी उबर जाते हैं। लगातार काम, जिम्मेदारियों और तनाव के कारण जो थकान या बर्नआउट होता है, उसमें हंसी एक रिचार्ज बटन की तरह काम करती है। दिमाग को रीसेट होने का मौका मिलता है। संक्रामक प्रवृति होने के कारण हंसी, सोशल एंग्जाइटी को कम करती है। यह शरीर में सकारात्मक जैविक बदलाव लाकर तनाव कम करती है, मांसपेशियों को आराम देती है, रक्त संचार को सुधारती है और प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाती है। समग्र भावनात्मक स्वास्थ्य को बेहतर बनाकर व्यक्ति को दीर्घकालिक बीमारियों से लड़ने में सक्षम बनाती है। हंसने से शरीर में मेलाटोनिन हार्मोन का स्राव बढ़ता है, जो रात में सुकून की नींद दिलाने में सहायक है। *

(बहरीन स्थित ब्रिटिश यूनिवर्सिटी में साइकोलॉजी की प्रोफेसर डॉ. कोमल चावला से बातचीत पर आधारित)

बेहतरीन थेरेपेटिक टूल भी है लाफिंग

वर्तमान दौर में हास्य का इस्तेमाल थेरेपेटिक टूल या स्ट्रक्चर थेरेपी की तरह बड़े पैमाने पर किया जा रहा है। कई जगह लाफ्टर क्लब संचालित होते हैं, जिनमें मानसिक स्वास्थ्य, खासकर तनाव प्रबंधन के लिए लाफ्टर-थेरेपी या लाफ्टर-योगा कराया जाता है। इसमें कराई जाने वाली लाफिंग-एक्सरसाइज आर्टिफिशियल हंसी होती है, जिसमें व्यक्ति को बिना किसी कारण के जबरदस्ती हंसाया जाता है। शुरू में भले ही यह हंसी जबरन होती है, लेकिन चंद सेकेंड के बाद यह कुदरती रूप ले लेती है। ब्रेन का पैटर्न बनता है। ब्रेन, असली और बनावटी हंसी में अंतर नहीं कर पाता। आर्टिफिशियल हंसी को वास्तविक इमोशनल सिगनल मानता है और मानसिक परेशानियों को भुलाने में मदद करता है।

लाइफस्टाइल
सरस्वती रमेश

हैप्पी लाइफ के लिए जरूरी है हंसना

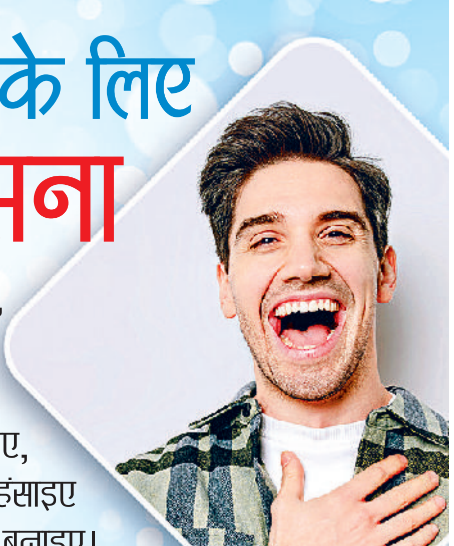

हंसने से हेल्थ अच्छी रहती है, सोशल रिलेशन स्ट्रॉन्ग बनते हैं, फील गुड होता है। इसलिए जब जहां मौका मिले खूब हंसिए, खिलखिलाइए, दूसरों को भी हंसाइए और अपनी लाइफ को हैप्पी बनाइए।

दुनिया के महानतम हास्य कलाकारों में से एक चार्ली चैपलिन ने कहा है कि हंसी के बिना बीता गया दिन बर्बाद किया गया दिन है। उनकी इस उक्ति में वास्तव में जीवन का गहनतम दर्शन छिपा हुआ है। क्योंकि हंसी से विहीन जीवन, नीरस और बोझिल होता है। हंसी जीवन को उल्लास से जीने की प्रेरणा है। इस प्रेरणा के सहारे जीवन के उतार-चढ़ाव, कमी-बेसी, जीत-हार भरे दिन धैर्य से बीत जाते हैं। उनसे मिले सबक से जीवन को अनुभवों से युक्त किया जाता है। यही अनुभव भविष्य में हमारे मार्गदर्शक बन जाते हैं और हमें अच्छे दिनों की रोशनी में ले जाते हैं। उस रोशनी में हम अपने प्रियजनों के साथ दिल खोलकर हंसते हैं। खुशियां मनाते हैं।

हंसी एक खजाना है: अमेरिकी दार्शनिक विलियम जेम्स का कहना है कि हम खुश होते हैं, इसलिए, नहीं हंसते बल्कि हम हंसते हैं, इसलिए खुश होते हैं। मतलब साफ है कि जीवन का आनंद हमारी मुट्ठी में है। यदि हम खुश रहना चाहते हैं तो हमें हंसना-हंसाना सीखना होगा। जीवन में हंसी का खजाना बेशकीमती होता है। जिसके पास यह खजाना है, वह दुनिया का सबसे दौलतमंद इंसान है। वह बड़ी से बड़ी परेशानी का सामना हंसते हुए कर लेता है। जरा एक छोटे से बच्चे की हंसी को देखिए। उसकी हंसी कितनी निश्छल और उन्मुक्त होती है। बिल्कुल किसी राजा के शाही खजाने की तरह। ऐसी ही मुस्कान की जरूरत हमें उम्र के हर पड़ाव पर होती है। मगर जीवन की आपाधापी में उम्र बढ़ने के साथ अकसर हम हंसना भूल जाते हैं। हमें हंसी की महत्ता को स्वयं तो समझना ही होगा और दूसरों को भी समझाना होगा। हंसी को संक्रमण की तरह फैलाना होगा। धूप, हवा, पानी और प्रकृति की हजारों नेमतों की तरह हंसी भी मुफ्त का उपहार है। कुदरत ने हमें यह उपहार जीवन को सुंदर बनाने के लिए ही दिया है।

कई बीमारियों के उपचार में सहायक: हंसने के अनेक फायदे होते हैं। मनोचिकित्सकों और डॉक्टरों का कहना है कि हंसने से सिर्फ हमारा मूड अच्छा नहीं होता बल्कि हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य पर भी इससे सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। हम मानसिक रूप से बेहतर महसूस करते हैं।

आपको जानकार हैरानी होगी कि सिर्फ दस से पंद्रह मिनट हंसने से चालीस कैलोरी तक बर्न होती है। हमारा हार्ट अच्छे से काम करता है और ब्लड प्रेशर नियमित रहता है। कैंसर के मरीजों पर जब लाफ्टर थेरेपी का प्रयोग किया गया तो नतीजे चौंकाने वाले निकले। हंसने से उनका दर्द आधा रह गया था। आपको 'मुन्ना भाई एम. बी. बी. एस.' फिल्म तो याद ही होगी। फिल्म का मुख्य किरदार मुन्ना, मरीजों को हंसाकर और खुश करके ठीक करने की कोशिश करता है। यह महज कल्पना नहीं बल्कि इसमें कुछ सच्चाई भी है। ऐसा कई स्टडीज में पाया गया है कि जिन मरीजों को उपचार के साथ हंसी की खुराक भी मिलती है, वे जल्दी स्वस्थ होते हैं। यानी हंसी से दूर रहने वालों को शारीरिक और मानसिक दोनों तरह का नुकसान भुगतना पड़ सकता है।

सामाजिक रिश्ते बनाए मजबूत: हंसने से हमारे सामाजिक रिश्ते भी मजबूत बनते हैं। किसी के साथ हंसकर बात करने से हम भावनात्मक रूप से सुदृढ़ महसूस करते हैं। यही भावना साथ वाले व्यक्ति के प्रति आत्मीयता में इजाफा करती है और हमारे भरोसे को बढ़ाती है। जब हम अपने मित्रों, परिचितों और रिश्तेदारों के साथ रहते हैं, तब हंसी-मजाक की संभावना भी बढ़ जाती है और रिश्तों में प्रगाढ़ता भी। दरअसल, हंसने-हंसाने से ही हमारे संबंधों को खाद पानी और नई ऊर्जा मिलती है। हमारे परिवार के हर सदस्य को प्रतिदिन हंसी की छोटी-बड़ी खुराक देने की जरूरत पड़ती है।

बढ़ती है इम्यूनिटी पावर: दिल खोलकर हंसने से तनाव कम होता है। कई शोधों से यह भी पता चला है कि हंसने से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है, क्योंकि हंसने से शरीर में एंटीऑक्सीडेंट्स का उत्पादन बढ़ जाता है और यह इम्यून सेल्स को सक्रिय करता है। हमारे शरीर में यही सेल्स बीमारियों और संक्रमण से लड़ने में हमारी मदद करते हैं। इसलिए नियमित रूप से हंसने से इम्यून सिस्टम को बूस्ट मिलता है।

कह सकते हैं कि हंसी जीवन को खुशहाल बनाने का अचूक नुस्खा है। इसलिए मुफ्त में उपलब्ध इस कुदरती नियामत का भरपूर उपयोग करने में ही समझदारी है। *

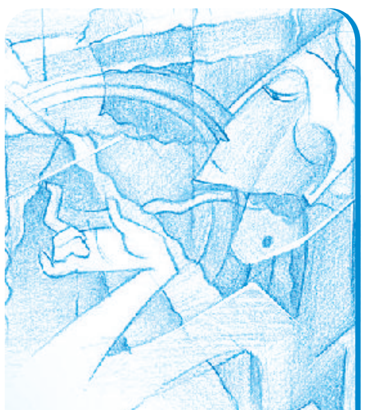

नवगीत
डॉ. गुरु सरन लाल

मुश्किल बहुत बना डाला

कितना सरल है जीवन लेकिन
मुश्किल बहुत बना डाला।
अव्यवस्थित जीवनशैली
बातें भी हैं जाने कैसी
किसी का कोई लिहाज नहीं है
रिश्तों की तो ऐसी-तैसी
अक्ल पर लगा दिया ताला।
भौतिकता के पागलपन में
आपाधापी मची जीवन में
नियम कानून को ताक पे रखते
पानी सूख गए अंखियन में
नैतिकता को पड़ गया पाला।
कितना सरल है जीवन लेकिन
मुश्किल बहुत बना डाला।

व्यंग्य
राजा चौरसिया

जबरन हंसना पड़ेगा

समय बहुत ही परिवर्तनशील है। आज और कल में अर्थात अब और तब में धरती-आसमान जैसा विशाल अंतराल है। यह विकराल होकर भी अनिवार्य रूप से स्वीकार्य है। असली फूलों का विकल्प नकली फूल हैं। जिगर से ज्यादा फिगर तथा मुखड़े से ज्यादा मुखौटे के चलन के प्रतिफलन से ही कुशलता है। उसी के पास अपडेट फिटनेस का सर्टिफिकेट है, जो बयार के अनुसार ही चलता है। इस दिखाऊ युग की कभी जरा भी निंदा करना, जिस थाली में खाना उसी में छेद करना माना जाता है। मगर से बैर करने से खैर नहीं, अगर उसके ही पानी में रहना है। इस जगाने में स्वाभाविकता, सहजता और दुग्ध-धवलता के अकाल के दौर में जबरन के शिष्टाचार की लपेट या चपेट में आना प्रासंगिक है। अंदर से खुशी या हंसी न रहते हुए भी औपचारिकता के नाम पर जबरदस्ती की हंसी अत्यंतावश्यक हो गई है। बॉस पर क्यों न आपको गुस्सा बेहिसाब आ रहा हो, उसके हंसने पर आपको भी हंसना जरूरी ही नहीं मजबूरी भी हो जाती है। जब पारदर्शिता के बिना प्यारदर्शिता का जलवा है और सच की हालत हलवा है, तब स्वाभाविक हंसी के बारे में किंचित भी चिंतित नहीं होना चाहिए। जब रियल से भी बढ़कर आर्टिफिशियल हो जाए, तब जबरन हंसने की गुणवत्ता की ही महत्ता है।

अंदर से खुश न रहते हुए भी बाहर जबरन हंसना, गुड बीइंग से बढ़कर गुड लुकिंग बनाता है। स्किल से पहले स्किन का तथा कर्म सौंदर्य के पहले चर्म सौंदर्य की मान्यता है। आज आचरण से बढ़-चढ़कर आवरण को लाइक करना स्वयं के लायक होने का प्रमाण है। नकलियत के अनुकूल जबरन हंसमुखता को प्रमुखता प्रदान करने की कला से ही भला है। घोर निंदक होकर भी दूसरों के सम्मुख हंसमुख दिखाकर उनकी प्रशंसा करने की मंशा वह विशेषण है, जिसका विश्लेषण करना मीटर से किलोमीटर नापना है।

चार दिन की चांदनी यह जिंदगी है। किसी को आईना दिखाना, अर्थात दुर्मति के कारण अपनी दुर्गति कराना है। जैसे फोटो खिंचवाते समय स्माइल प्लीज सुनते ही जबरन हंसना पड़ता है, वैसे ही वर्तमान यारी, रिश्तेदारी एवं दुनियादारी को फीड करने और बची-खुची मौलिकता को डिलीट करने का हुनर हर नर में होना चाहिए। 'समथिंग इज बैटर देन नथिंग' के अनुसार सीधी चतुराई से ज्यादा चालाकी वाली ट्रिक को क्लिक ही करना है। बिल्कुल खुश न रहते हुए भी भरपूर खुश दिखने से ही व्यावहारिकता को प्राथमिकता देना है। भीतर से झुलसते हुए भी बाहर से जबरन हंसते हुए नमस्ते करना ही शिष्टाचार का नीक व सटीक प्रतीक है। डिफेक्टिव होकर भी अट्रैक्टिव तथा अफेक्टिव दिखने के जबरिया नेचर को सिग्नेचर जैसे स्थाई बनाए रखना है। बिकाऊ जिंस की तरह जिस्म को भी दिखाऊ तथा रिझाऊ बनाए रखने के चातुर्य का प्राचुर्य होना परिवार में भी बेहद आवश्यक है।

आधुनिकता के परवाने जैसे दीवाने पति महोदय मिर्ची जैसी सुपत्नी को मिश्री से बढ़कर मीठी कहकर, हर तरह की आपत्ति और विपत्ति से मुक्त रहते हैं। क्रुद्ध होकर भी गृहयुद्ध से बचने के लिए जबरन हंसकर प्राणप्यासी को प्राणप्यारी कहना दुःखिया होकर भी सुखिया दिखने की बुद्धिमानी है। वातावरण के अनुसार ही आचरण होना चाहिए।

अब जब हंसने के दिन आए हैं, तो इसे सामयिक कटु सत्य मानकर उसी में चलने-ढलने में ही सार है। जब सब कुछ ऊपर-ऊपर ही चलता है, तब दिल को छूकर देखने की बात हास्यास्पद है। आज तो हर कमाऊ व्यक्ति बहुत ही बिजी होने के कारण ईजी नहीं रह सकता। इसीलिए नकली या फसली हास्य-मुद्राएं ही बेहद आवश्यक हैं। प्योरिटी की श्योरिटी न होने के कारण नकली फूलों पर इत्र का स्प्रे स्वाभाविक है। खाद्य से लेकर पेय तक शुद्धता की गारंटी या वारंटी नहीं है। मंचों पर संबोधन से लेकर उद्बोधन तक जबरन स्माइल की स्टाइल मोस्ट वांटेड है। केवल लाफ्टर डे पर ही नहीं, रोजमर्रा की जिंदगी में भी जबरन ही सही हंसना ही पड़ता है। *

लघुकथा / विनय मोघे

सबक

एक बड़ी मल्टी नेशनल कंपनी की इंदौर शाखा के लिए मैनेजर के पद के लिए कंपनी के एचआर विभाग में हजारों की संख्या में ऑनलाइन और ऑफलाइन आवेदन प्राप्त हुए। हर आवेदन पत्र एक से बढ़कर एक। हर आवेदक ने अपनी योग्यता, अनुभव को अपने रिज्यूमे में आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया था। ऐसा लगता था कि लगभग हर रिज्यूमे को एआई की मदद से बनाया गया है। एचआर विभाग के अनुभवी अधिकारियों ने इन आवेदनों में से कुछ आवेदकों को इंटरव्यू के लिए बुलाया। इंटरव्यू के दिन सभी आवेदक अच्छी वेशभूषा में अपने जरूरी दस्तावेजों के साथ कंपनी के दफ्तर में पहुंचे। सभी आवेदकों को एक हॉल में बिठा दिया गया, जैसे स्कूल-कॉलेज में परीक्षा कक्ष में परीक्षार्थियों को बैठाया जाता है। सभी आवेदकों को निर्देश दिए गए कि उन्हें निश्चित समय में अपना रिज्यूमे वहीं लिखकर तैयार करना है, बिना किसी तकनीकी सहायता के। इंटरव्यू के लिए आए आवेदकों के लिए यह अनपेक्षित था। सभी प्रश्नवाचक नजरों से एक-दूसरे को देखने लगे। उनके चेहरे के हाव-भाव बता रहे थे कि लगभग सभी आवेदकों ने एआई की सहायता से ही अपने रिज्यूमे बनाए थे और अब बिना किसी सहायता के अपना वैसा ही प्रभावी रिज्यूमे बनाना उनको मुश्किल लग रहा था। रेज्यूमे जमा करने का समय खत्म होने वाला था। पर इक्का-दुक्का आवेदकों को छोड़कर किसी ने लिखना तक शुरू नहीं किया था। उन्हें देखकर लग रहा था कि कई सालों बाद वे कागज-कलम का उपयोग कर रहे हैं। आवेदकों में कुछ न लिख पाने के कारण बेचैनी दिखाई दे रही थी। समय समाप्त होने पर दो-तीन आवेदकों ने ही अपना रिज्यूमे लगभग वैसा लिखा था, जैसा उन्होंने भेजा था। इसके बाद सभी आवेदकों को प्रतीक्षा कक्ष में इंतजार करने लिए कहा गया। यहां अपनी बारी का इंतजार करते आवेदक एक-दूसरे से यही बात कर रहे थे कि किसी भी काम के लिए एआई की मदद लेना अच्छी बात है, पर पूरी तरह एआई पर निर्भर होकर अपनी कल्पनाशीलता और मौलिक लिखने की योग्यता को कभी नहीं छोड़ना चाहिए। सभी के चेहरे पर इस बात का संतोष दिखाई दे रहा था कि उन्हें जीवन का एक सबक मिल गया था। *

पत्रिका चर्चा / विज्ञान भूषण

पाठ पत्रिका का असम विशेषांक

विगत बीस वर्षों से निरंतर प्रकाशित हो रही त्रैमासिक पत्रिका 'पाठ' अपने विशेषांकों के लिए खासतौर पर चर्चित रहती है। हाल में ही इसका ताजा अंक 'असम विशेष' के रूप में प्रकाशित होकर आया है। इस विशेषांक से गुजरते हुए लगता है, जैसे अपने छोटे कलेवर में भी पाठ पत्रिका, असम की विविधवर्णी साहित्यिक-सांस्कृतिक झांकी को समेटे हुए है। यहां नंदेश्वर दैमारी और सैयद अब्दुल मलिक की अनूदित कहानियों, चंद्रमोहन और दिनकर कुमार की कविताओं के अलावा असमिया कहानियों, असमिया उपन्यासों, असमिया सिनेमा और असमिया समाज-संस्कृति पर अच्छे लेख मौजूद हैं। विश्व विख्यात गायक भूपेन हजारिका के व्यक्तित्व को प्रकट करता बढ़िया लेख भी यहां पढ़ सकते हैं। असमिया पत्रकारिता और बोडो साहित्य के बदलते रचना संसार को रेखांकित करता लेख, इस पत्रिका के महत्व को और बढ़ा देता है। इसके साथ ही इस अंक में हाल में दिवंगत हुए विनोद कुमार शुक्ल, ज्ञानरंजन और रंजीत भट्टाचार्य पर स्मृति लेख भी हैं। *

पत्रिका: पाठ (अप्रैल-जून 2026 अंक) असम विशेष, **संपादक:** देवांशु, **मूल्य:** 125 रुपए, **प्रकाशन स्थल:** बिलासपुर, छत्तीसगढ़

विकास की अद्भुत यात्राओं का अभिनंदन पर्व है राज्य स्थापना दिवसः राज्यपाल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि 1 मई, देश के दो अत्यंत समृद्ध-सशक्त राज्य गुजरात और महाराष्ट्र के प्रशासनिक गठन के स्मरण का दिवस है। उनकी विकास की अद्भुत यात्राओं का अभिनंदन पर्व है। उन्होंने कहा कि भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधताएं ही हमारी सबसे बड़ी शक्ति हैं, जिनके बीच की एकता ही सशक्त, समृद्ध एवं आत्मनिर्भर भारत का आधार है। महाराष्ट्र की औद्योगिक क्षमता और वित्तीय नेतृत्व के साथ गुजरात की उद्यमशीलता, व्यापारिक दक्षता, समुद्री विकास और नवकरणीय ऊर्जा विकसित भारत की मजबूत आधारशिला है।

राज्यपाल पटेल शुक्रवार को गुजरात और महाराष्ट्र राज्य के स्थापना दिवस के संयुक्त समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने दोनों राज्यों के निवासियों को राज्य स्थापना दिवस की शुभकामनाएं दी। समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. यादव भी मौजूद रहे। लोकभवन के सांदीपनि सभागार में एक भारत-श्रेष्ठ भारत संकल्पना के तहत कार्यक्रम का आयोजन किया गया था।

गुजरात व महाराष्ट्र राज्य के स्थापना दिवस के संयुक्त समारोह में राज्यपाल और मुख्यमंत्री हुए शामिल

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में राज्यपाल पटेल को स्मृति चिह्न भेट किया गया।

उद्यमिता और नवाचार में देश के नेतृत्वकर्ता हैं गुजरातीः पटेल

राज्यपाल पटेल ने कहा कि गुजरात के लोग अपनी जीवटता, नवाचार, व्यापारिक कौशल, अनुशासन और सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति गहरी आस्था रखते है। परिश्रम और उद्यमशीलता से देश की आर्थिक और सामाजिक प्रगति में योगदान देते हैं। आर्थिक रूप से सम्पन्न गुजरात उद्योग, व्यापार, बंदरगाह विकास और उद्यमिता में नवाचारों के बल पर देश का नेतृत्व करता है। आज गुजरात राज्य ' मेक इन इंडिया' और 'स्टार्टअप इंडिया' अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

महाराष्ट्र के तीर्थ स्थल समृद्ध पौराणिक, सांस्कृतिक धरोहर के प्रतीक

राज्यपाल पटेल ने कहा कि मेहनत, अनुशासन, समरसता, सांस्कृतिक गौरव, उद्यमशीलता और राष्ट्रनिष्ठा महाराष्ट्रवासियों की पहचान है। ये परंपरा और आधुनिकता के संतुलन के साथ देश की प्रगति में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। महाराष्ट्र की पावन धरती पर मां गोदावरी की अविरल धारा, सह्याद्री की भव्यता, अजंता-एलोरा की गुफाएँ, त्रयम्ब-केशवर ज्योतिर्लिंग तथा शिरडी-पंढरपुर जैसे तीर्थ, हमारी समृद्ध पौराणिक, सांस्कृतिक और प्राकृतिक धरोहर के प्रतीक हैं। उन्होंने कहा कि संत ज्ञानेश्वर, संत तुकाराम और संत नामदेव की भक्ति परंपरा ने समाज में नैतिकता, समरसता एवं आध्यात्मिक चेतना का विकास किया। छत्रपति शिवाजी महाराज के अदम्य साहस और स्वराज की भावना ने भारतीयों में आत्मगौरव का संचार किया।

राज्यों की गौरवशाली लोक संस्कृति और परंपराओं पर हुई प्रस्तुतियां

राज्यपाल पटेल के समक्ष गुजरात और महाराष्ट्र राज्य की गौरवशाली लोक संस्कृति और ऐतिहासिक परंपराओं पर आधारित प्रस्तुतियां दी गई। समारोह में गुजराती समाज की ओर से वायब्रेंट स्पिरिट ऑफ गुजरात की थीम पर आकर्षक प्रस्तुति दी गई। गुजरात के इतिहास और कला संस्कृति पर आधारित लघु फिल्म भी दिखाई गई। राज्यपाल पटेल को मराठी साठा और स्मृति चिन्ह भेंट की गई। संयुक्त समारोह में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव नीरज मंडलोई, राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी, गुजराती समाज के अध्यक्ष संजय पटेल, मराठी समाज के प्रतिनिधि अभिजीत देशमुख, शैला प्रधान आदि उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

सत्येंद्र मप्र लघु उद्योग निगम अध्यक्ष नियुक्त

भोपाल। मध्य प्रदेश में राजनीतिक नियुक्तियों का सिलसिला लगातार जारी है। भाजपा के पूर्व कार्यालय मंत्री सत्येन्द्र भूषण सिंह को लघु उद्योग निगम का अध्यक्ष बनाया गया है। सत्येन्द्र भूषण को दो साल के लिए अध्यक्ष बनाया गया है। इधर, गुड्डी आदिवासी को राज्य स्तरीय सहरिया विकास प्राधिकरण अध्यक्ष बनाया गया है।

विभागों को 29 जून तक खर्च ब्यौरा देना अनिवार्य

भोपाल। मध्य प्रदेश में वित्तीय अनुशासन को सख्ती से लागू करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। राज्य के सभी सरकारी विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि वे अब तक किए गए खर्च का पूरा ब्योरा 29 जून तक अनिवार्य रूप से प्रस्तुत करें। तय समयसीमा के बाद दी गई जानकारी को वार्षिक लेखों में शामिल नहीं किया जाएगा।

बिजली का 103 करोड़ बकाया, 'चुंगी' से पेमेंट

भोपाल। प्रदेश में वित्तीय स्थिति की एक और तस्वीर सामने आई है, जहां 348 नगरीय निकायों पर 103 करोड़ 6 लाख रुपए का बिजली बिल बकाया पाया गया है। बिजली कंपनियों की ओर से नोटिस जारी होने के बाद नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने 'चुंगी' क्षतिपूर्ति मद से इन बिलों का भुगतान किया है। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी भोपाल के अंतर्गत 107 निकायों पर 40 करोड़ 26 लाख रुपए, पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, जबलपुर के अंतर्गत 133 निकायों पर 23 करोड़ 66 लाख रुपए बकाया था।

किसानों की सुविधा के लिए केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाएं की गई

मप्र में अब तक 80 लाख मीट्रिक टन से ज्यादा गेहूं उपार्जन के लिए स्लॉट बुक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रदेश में गेहूं उपार्जन का कार्य तेजी से किया जा रहा है। किसान भाइयों ने बड़ी संख्या में स्लॉट बुक किए हैं। अब तक 80 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं उपार्जन के लिए स्टॉल बुक हो चुके है। यह एक सकारात्मक संदेश है।

स्टॉल बुकिंग का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के किसानों से गेहूं उपार्जन करने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। किसानों की सुविधा के लिए उपार्जन केन्द्रों पर सभी संभव व्यवस्थाएं की गई हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गेहूं उपार्जन प्रक्रिया में व्यवस्थाएं चाक-चौबंद रखने के लिए आकस्मिक निरीक्षण लगातार चलता रहेगा और लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। सभी मंत्री, विधायक और संबंधित अधिकारियों को उपार्जन प्रक्रिया में पूरी सक्रियता के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने और किसानों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए निर्देशित किया गया है।

खास बातें

- मुख्यमंत्री ने कहा- लापरवाही बरतने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी
- मध्य प्रदेश में स्टॉल बुकिंग का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा

गेहूं उपार्जन के मुद्दे को लेकर डॉ. मोहन से दिग्विजय ने की भेंट

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने मुख्यमंत्री निवास के समत्व भवन में भेंट कर प्रदेश में जारी गेहूं उपार्जन के संबंध में चर्चा की। मुख्यमंत्री ने उन्हें बताया कि गेहूं उपार्जन के लिए अब तक 80 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं उपार्जन के लिए स्लॉट बुक हो चुके हैं, स्लॉट बुकिंग का आंकड़ा लगातार बढ़ता जा रहा है। प्रदेश के किसानों से गेहूं उपार्जन के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। किसानों की सुविधा के लिए सभी संभव व्यवस्थाएं की गई हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि वे स्वयं भी उपार्जन प्रक्रिया पर लगातार निगरानी बनाए हुए हैं।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव आज करेंगे इंदौर-पीथमपुर कॉरिडोर के प्रथम चरण का भूमिपूजन

विशेष प्रतिनिधि. भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार 3 मई को इंदौर-पीथमपुर इकोनॉमिक कॉरिडोर प्रोजेक्ट के प्रथम चरण का भूमिपूजन सेक्टर-ए, ग्राम नैनोद, इंदौर में करेंगे। प्रथम चरण की लागत 326.51 करोड़ रुपए है, जिसके तहत प्रारंभिक अधोसंरचना विकास कार्य शुरू किए जाएंगे। परियोजना से क्षेत्र में आधुनिक अधोसंरचना विकसित होगी, कनेक्टिविटी मजबूत होगी और उद्योगों के लिए अनुकूल वातावरण तैयार होगा। इसके साथ ही स्थानीय युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे, जिससे क्षेत्र के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई गति मिलेगी।

मुख्यमंत्री के निर्णय से जुड़ने लगे किसान

परियोजना की सबसे बड़ी चुनौती भू-स्वामियों से सहमति के साथ जमीन प्राप्त करना थी, क्योंकि शहर के समीप होने के कारण भूमि का बाजार मूल्य अधिक है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस स्थिति को समझते हुए किसानों के हित में बेहतर निर्णय लिया। इससे विकास और किसानों के हितों के बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित हुआ। मुख्यमंत्री के इस निर्णय के बाद किसानों की भागीदारी में तेजी आई है। डॉ. यादव ने जमीन देने वाले भू-स्वामियों को मिलने वाली विकसित जमीन का हिस्सा 50 प्रतिशत से बढ़ाकर 60 प्रतिशत कर दिया है।

जेआईआईटी विश टाउन कैंपस, नोएडा

ड्रोन-ओ-वॉर 1.0 का भव्य और दूरदर्शी उद्घाटन

नई दिल्ली । जेपी इंस्टीट्यूट ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी (जेआईआईटी), विश टाउन कैंपस, सेक्टर 128, नोएडा में ड्रोन-ओ-वॉर 1.0 का एक प्रेरणादायक और भव्य शुभारंभ हुआ। यह कार्यक्रम 2-3 मई, 2026 को आयोजित किया जा रहा है और यह ड्रोन टेक्नोलॉजी में नवाचार और उत्कृष्टता को समर्पित दो दिवसीय राष्ट्रीय स्तर का कार्यक्रम है। आज के दौर में जब मानवरहित हवाई प्रणालियाँ (UAS) रक्षा, लॉजिस्टिक्स, निगरानी और आपदा प्रबंधन के क्षेत्रों में क्रांति ला रही हैं, तब ड्रोन-ओ-वॉर 1.0 जैसे मंच नवाचार और कौशल विकास के लिए उत्प्रेरक का काम करते हैं। उद्घाटन समारोह 2 मई, 2026 को आयोजित किया गया, जिसमें उत्साह, बौद्धिकता और तकनीकी जिज्ञास का माहौल छाया रहा। इस समारोह की शोभा कई गणमान्य हस्तियों की विशिष्ट उपस्थिति ने बढ़ाई, जिनका नेतृत्व मुख्य अतिथि, लेफ्टिनेंट जनरल अनिल चंद्र चैत (सेवानिवृत्त) ने किया; उनकी गरिमामयी उपस्थिति ने इस अवसर को और भी प्रतिष्ठित बना दिया। अपने संबोधन में, उन्होंने रक्षा, रणनीतिक अभियानों और राष्ट्र निर्माण में ड्रोन टेक्नोलॉजी की परिवर्तनकारी क्षमता को बड़े ही प्रभावशाली ढंग से रेखांकित किया, और छात्रों को नवाचार करने तथा भारत की तकनीकी प्रगति में सक्रिय रूप से योगदान देने के लिए प्रेरित किया । इस कार्यक्रम को डॉ.

शरत के. डैश (ISRO), डॉ. निशांक के. श्रीवास्तव (ISRO), डॉ. भूपेंद्र सिंह (DRDO) और BARC के वरिष्ठ वैज्ञानिकों की सम्मानित उपस्थिति से और भी गौरव प्राप्त हुआ; ये सभी भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञता के शिखर का प्रतिनिधित्व करते हैं। यह प्रतिष्ठित कार्यक्रम जेआईआईटी नोएडा के माननीय प्रो-चांसलर प्रो. एस. सी. सक्सेना, प्रो. विकास सक्सेना, प्रो. शिखा मेहता और डॉ. विनय टिक्कीवाल के सम्मानित नेतृत्व और दूरदर्शी मार्गदर्शन में संपन्न हुआ,जिसने इस कार्यक्रम की शैक्षणिक और संस्थागत गरिमा को और भी ऊँचा उठाया। ड्रोन-ओ-वॉर 1.0, जिसमें 20 लाख तक के पुरस्कार रखे गए हैं, ने पूरे देश भर के विभिन्न संस्थानों, विश्वविद्यालयों और स्कूलों का प्रतिनिधित्व करने वाली 100 से अधिक टीमों की ओर से उत्साहपूर्ण भागीदारी को आकर्षित किया।

गुरुग्राम के स्कूलों को नेशनल रोड़ सेफ्टी एजुकेशन एक्सीलेन्स अवॉड्र्स 2025-26 से सम्मानित किया

गुरुग्राम। नेशनल रोड़ सेफ्टी मिशन फॉर स्कूल्स 2025-26 का समापन नेशनल रोड़ सेफ्टी एजुकेशन एक्सीलेन्स अवॉर्ड्स 2025-26 के आयोजन के साथ हुआ। हरियाणा में इस पहल में 160 स्कूलों ने हिस्सा लिया, 7 पुरस्कार विजेताओं और 36 ओलम्पियाड विजेताओं को सम्मानित किया गया। 2024 में शुरू किया गया नेशनल रोड़ सेफ्टी मिशन एक राष्ट्रव्यापी, सहयोगपूर्ण एवं गैर-सरकारी पहल है जिसका नेतृत्व तीन संगठनों द्वारा किया जाता है-एजुकेशन टेक्नोलॉजी संगठन एकेडमिया एक्सिस ऐडटेक ; इंटरनेशनल रोड़ फेडरेशन इंडिया चैप्टर, द ग्लोबल रोड़ सेफ्टी एंड ट्रांसपोर्ट बॉडी' और एजुकेशन टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्म-एड्युक्सा डॉट एआई। रजनी ठाकुर,प्रोजेक्ट डायरेक्टर, एनआरएसएम; मणित जैन, सह-संस्थापक, हेरिटेज स्कूल्स और 'आई एम अ टीचर' (शिक्षकों के प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण के लिए गैर-लाभकारी संस्था) और श्री कपिला, इंटरनेशनल रोड फेडरेशन के प्रेज़ीडेंट एमेरिटस ने माननीय अतिथि के रूप में प्रोग्राम में हिस्सा लिया। ये पुरस्कार 1100 से अधिक संस्थानों और योगदानकर्ताओं को दिए गए। हरियाणा में ओलंपियाड विजेताओं में, अमरावती विद्यालय; डीएवी सीनियर सैकंडरी पब्लिक स्कूल, चीका; किंग्स कॉलेज इंडिया; लिटिल एंजल्स स्कूल; पैलेडियम स्कूल; शालोम हिल्स इंटरनेशनल स्कूल; श्री महावीर जैन पब्लिक स्कूल; डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल, पानीपत; डीएवी पब्लिक स्कूल, सेक्टर 10ए गुरुग्राम; दिल्ली पब्लिक स्कूल, गुरुग्राम सेक्टर 84, और डीपीएस इंटरनेशनल स्कूल, गुरुग्राम; दिल्ली पब्लिक स्कूल, पलवल; दिल्ली पब्लिक स्कूल साइट 1; दयाल सिंह पब्लिक स्कूल; प्रणवानंद इंटरनेशनल स्कूल; शालोम प्रेसिडेंसी स्कूल; एसएल इंटरनेशनल स्कूल; द मौर्य स्कूल; आर्मी पब्लिक स्कूल, अंबाला; और आर्मी पब्लिक स्कूल, चंडीमंदिर कैंट शामिल रहे, जिन्होंने टॉप परफोर्मेन्स दिया।इसके अलावा, ब्रह्म दत्त ब्लू बेल्स पब्लिक स्कूल को लीडरशिप कैटेगरी श्रेणी के तहत सम्मानित किया गया, जबकि किंग्स कॉलेज इंडिया, डीएवी पब्लिक स्कूल (सेक्टर 10ए गुरुग्राम), दिल्ली पब्लिक स्कूल (सेक्टर 84 गुरुग्राम) और डीपीएस इंटरनेशनल स्कूल (गुरुग्राम) को चेंजमेकर कैटेगरी श्रेणी के तहत सम्मानित किया गया प्रणवानंद इंटरनेशनल स्कूल और आरपीएस पब्लिक स्कूल (धारूहेड़ा) को नेशन रोड़ सेफ्टी एजुकेशन एक्सीलेन्स अवॉड्र्स के तहत सम्मानित किया गया।

शहीदों को "शहीद का दर्ज़ा एवं भारत रत्न" दिलवाने के लिए उठी आवाज

नई दिल्ली । सामाजिक कार्यकर्ता एवं अधिवक्ता दिनेश कुमार गोयल जी ने राजधानी दिल्ली में "एक शाम शहीदों के नाम" शीर्षक कार्यक्रम के माध्यम से भारत सरकार से शहीद-ए-आज़म भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु एवं अन्य क्रांतिकारियों को अधिकारिक शहीद का दर्जा एवं भारत रत्न देने की मांग की। सौभाग्य से जब ये मांग की गई तो अमर शहीद भगत सिंह जी के सगे भतीजे श्री किरणजीत सिंह जी भी उक्त कार्यक्रम में भी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। दिनेश कुमार गोयल जी ने शहीद-ए-आज़म भगत सिंह के भतीजे श्री किरणजीत सिंह जी से अपनी हालिया मुलाकात को जीवन का एक महत्वपूर्ण और भावनात्मक

मोड़ बताते हुए कहा कि यह अनुभव उनके लिए अत्यंत प्रेरणादायक रहा। उन्होंने कहा कि उन से मिलना ऐसा लगा मानो वे स्वयं भगत सिंह जी के सान्निध्य में हों, जिसने उन्हें उनके विचारों और विरासत को आगे बढ़ाने के लिए और अधिक दृढ़संकल्पित किया।इसी प्रेरणा से आगे बढ़ते हुए दिनेश कुमार गोयल जी ने कहा कि भविष्य में जल्दी ही एक गैर सरकारी संगठन की स्थापना की जाएगी जिसका उद्देश्य देशभर में भगत सिंह जी के विचारों, आदर्शों और बलिदान की भावना को जन-जन तक पहुँचाना होगा और उन्हें वह सम्मान दिलाने की दिशा में कार्य करना है, जिसके वे सच्चे हकदार हैं।इस भावुक क्षण को याद करते हुए दिनेश कुमार गोयल जी ने कहा, "श्री किरणजीत सिंह जी से मिलना मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण मोड़ है, ऐसा लगा मानो मैं स्वयं शहीद भगत सिंह जी से मिल रहा हूँ। उन्होंने बताया की अपने संगठन को सशक्त बनाते हुए उनके विचारों को पूरे देश में पूरी श्रद्धा और दृढ़संकल्प के साथ प्रसारित किया जायेगा ।

गर्मियों को लेकर तैयारी मुख्यमंत्री ने ली सिंचाई विभाग की समीक्षा बैठक

भाखड़ा बांध का जलस्तर सामान्य से 36 फुट अधिक हरियाणा को मिलेगा पर्याप्त पानी : सीएम सैनी

हरिभूमि ब्यरो ▶▶ चंडीगढ़

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस बार भाखड़ा बांध में पानी की स्थिति बेहतर होने से प्रदेश में पेयजल और सिंचाई व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में मदद मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि गर्मी के मौसम को देखते हुए प्रदेश के सभी हिस्सों में पेयजल आपूर्ति प्राथमिकता के आधार पर सुनिश्चित की जाए। शनिवार को सचिवालय में जन स्वास्थ्य एवं सिंचाई विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने पेयजल व सिंचाई के पानी की स्थिति की समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में भाखड़ा

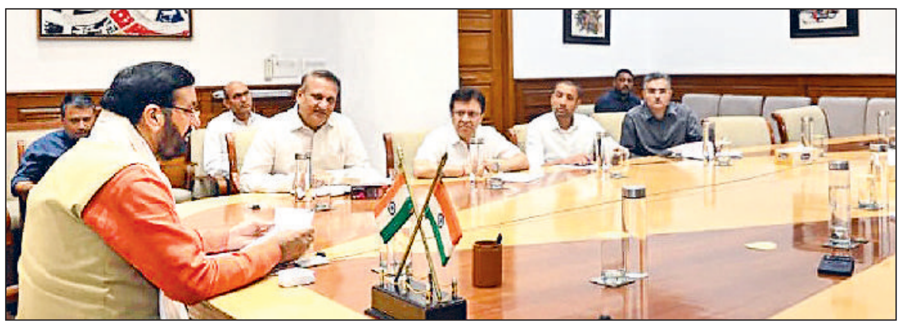

बांध का जलस्तर सामान्य से करीब 36 फुट अधिक है। साथ ही हरियाणा अपने हिस्से का अब तक केवल 75-76 प्रतिशत पानी ही उपयोग कर पाया है, जिससे आने वाले समय के लिए भी पर्याप्त जल उपलब्ध रहने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि नहरों से जुड़े सभी जलघरों और तालाबों को भरकर रखा जाए ताकि किसी भी क्षेत्र में पेयजल की कमी न हो। जहां ट्यूबवेल आधारित जलापूर्ति होती है, वहां खराब ट्यूबवेल को तुरंत ठीक करवाने के निर्देश भी दिए गए। आवश्यकता पड़ने पर टैंकरों के माध्यम से भी जल आपूर्ति सुनिश्चित करने को कहा गया। बैठक में नहरों की सफाई, मरम्मत और पुनर्निर्माण कार्यों को तेज गति से पूरा करने पर भी जोर दिया गया।

पंजाब सीएम ने हरियाणा सरकार को पत्र लिखा

मुख्यमंत्री भगवंत मान ने हरियाणा सरकार को पत्र लिखकर भी पानी के संयमित उपयोग और बेहतर जल प्रबंधन की सलाह दी है। उन्होंने कहा कि 21 मई तक उपलब्ध पानी का उपयोग सावधानी से किया जाए, इसके बाद ही अगली खेप कोटे के अनुसार दी जाएगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पंजाब के पास अतिरिक्त पानी नहीं है और राज्य अब अपने किसानों और लोगों की जरूरतों को प्राथमिकता दे रहा है। आम आदमी पार्टी सरकार ने पहली बार पंजाब के पानी को राज्य के भीतर अंतिम छोर तक पहुंचाने का प्रयास किया है।

छह माह से फरार चल रहा था आरोपी, गौरेला थाना क्षेत्र का मामला, पूछताछ में आरोपी ने स्वीकारी अपनी संलप्तिता

नकली सोना देकर लाखों की ठगी करने वाला एक अन्य आरोपी गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गौरेला-पेंड्रा-मरवाही

जिले के गौरेला थाना क्षेत्र में नकली सोना देकर लाखों रुपये की ठगी करने वाले गिरोह के एक और आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। करीब छह माह से फरार चल रहे आरोपी तेरसाराम प्रजापति (32 वर्ष) निवासी बोकरामुड़ा चौकी कोडगार थाना पेंड्रा, को मुखबिर की सूचना के आधार पर हिरासत में लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपराध में अपनी संलिप्तता स्वीकार कर ली, जिसके बाद गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, मुंगेली जिले के तिलकपुर निवासी उमेन्द्र साहू ने गौरेला थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि आरोपी नरेन्द्र साहू, सरोज साहू एवं उनके साथियों ने उसे सोने के बिस्किट मिलने का झांसा

दिया। आरोपियों ने पहले असली सोने का नमूना दिखाकर विश्वास में लिया और 1 किलोग्राम सोना 10 लाख रुपये में देने का सौदा तय किया। 5 दिसंबर 2025 को पीड़ित से नगद राशि लेने के बाद आरोपी नकली सोने के बिस्किट देकर फरार हो गए। बाद में जांच कराने पर सोना नकली निकला, तब पीड़ित ने आरोपियों से पैसे वापस मांगे, लेकिन उन्हें धमकियां देकर टालमटोल किया गया। पीड़ित की शिकायत मिलने पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की।

गिरोह के अन्य साथी पहले ही पकड़ा चुके

जांच के दौरान पुलिस ने पूर्व में ही आरोपी नरेन्द्र साहू और सरोज साहू को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। वहीं, फरार आरोपी तेरसाराम प्रजापति की लगातार तलाश की जा रही थी। आरोपी के कब्जे से नगदी रकम भी जब्त की गई है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि आरोपी संगठित गिरोह बनाकर इस प्रकार की ठगी की वारदातों को अंजाम देते थे। तेरसाराम प्रजापति के खिलाफ पूर्व में भी सरगुजा और कोरिया जिलों के थानों में आपराधिक मामले दर्ज हैं।

एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और सरायपाली थाना पुलिस की संयुक्त बड़ी कार्रवाई

महासमुंद। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और सरायपाली थाना पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। टीम ने कार्रवाई करते हुए अंतरराज्यीय गांजा तस्करी के एक बड़े नेटवर्क का खुलासा किया है। इस मामले में 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में 2 महिलाएं भी शामिल हैं। महिलाएं लंबे समय से तस्करी के काम में शामिल थीं। मामले की जानकारी देते हुए पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपियों के पास से तस्करी में इस्तेमाल दो मोटरसाइकिल, दो मोबाइल फोन सहित कुल 3 लाख 15 हजार की संपत्ति जब्त की गई है। यह गांजा ओडिशा से लाकर सरायपाली क्षेत्र के देवलभाटा गांव में खपाने की योजना थी। आरोपी गांजा को पुड़िया बनाकर बेचने की तैयारी में थे, जिससे स्थानीय स्तर पर इसकी खपत की जा सके।

तीन माह में पकड़ाए करीब 213 आरोपी

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिले में लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पिछले तीन महीनों में 81 मामलों में कुल 5779.831 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया है और 213 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें 53 छत्तीसगढ़ और 160 अन्य राज्यों के निवासी हैं। अधिकारियों ने कहा कि ड्रग तस्करी के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

सूचना मिलने पर पुलिस ने की घेराबंदी

अधिकारियों ने बताया कि 30 अप्रैल को मुखबिर से मिली सटीक सूचना के आधार पर यह कार्रवाई हुई है। सूचना मिली थी कि ओडिशा से कुछ लोग गांजा लेकर आने वाले हैं और सरायपाली क्षेत्र में इसकी खरीद-फरोख्त करेंगे। इस पर पुलिस ने ग्राम अर्जुंदा के पास घेराबंदी कर निगरानी शुरू की।

चुनाव खत्म होते ही देश की राजनीतिक धड़कनें तेज हो जाती हैं और इसी के साथ एग्जिट पोल का दौर शुरू होता है। टीवी स्क्रीन, डिजिटल प्लेटफॉर्म व सोशल मीडिया पर आंकड़ों की बाढ़ आ जाती है, जहां हर एजेंसी अपने-अपने अनुमान पेश करती है। ये आंकड़े न सिर्फ राजनीतिक दलों के लिए रणनीतिक संकेत होते हैं, बल्कि आम मतदाता के लिए भी जिज्ञासा और बहस का विषय बन जाते हैं, लेकिन सवाल यह है कि क्या एग्जिट पोल वास्तव में जनादेश का सटीक प्रतिबिंब हैं या महज एक अनुमान, जो कई बार हकीकत से काफी दूर होता है? पिछले कुछ वर्षों में एग्जिट पोल की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं। कई चुनावों में इनके नतीजे वास्तविक परिणामों से मेल नहीं खा पाए, जिससे जनता के बीच अविश्वास की भावना बढ़ी है। खासकर पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में, जहां सामाजिक, राजनीतिक व सांस्कृतिक जटिलताएं अधिक हैं, एग्जिट पोल अक्सर वास्तविक जनमत को पकड़ने में असफल रहे हैं। दरअसल, भारत जैसे विशाल देश में कुछ हजार लोगों के सैंपल के आधार पर करोड़ों मतदाताओं के रुझान का सटीक आकलन करना चुनौतीपूर्ण है। फिर भी एग्जिट पोल पूरी तरह निरर्थक नहीं हैं। वे चुनावी प्रवृत्तियों, मतदाता मनोविज्ञान और संभावित राजनीतिक दिशा का एक प्रारंभिक संकेत जरूर देते हैं। *इन्हीं हालातों की पड़ताल करता आजकल का यह खास अंक...।*

केवल प्रतिक्रियाओं के अनुसार मत न बनाएं

एग्जिट पोल

अवधेश कुमार

ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल पर राजनीतिक दलों व कुछ टिप्पणीकारों द्वारा उठाए जा रहे प्रश्नों से उनकी विश्वसनीयता को गहरा आघात लगा है। ऐसा माहौल बना हुआ है मानो सारे एग्जिट पोल आज तक गलत ही साबित हुए हैं। सच ऐसा नहीं है। एग्जिट पोल का यह अर्थ नहीं कि वे जितनी सीटें बताते हैं वास्तव में उतने ही आ सकते हैं या आने चाहिए। एग्जिट पोल से हमें चुनाव परिणाम का भावी ट्रेंड यानी प्रवृत्ति या दिशा का आभास मिलता है। अनेक बार एक्जिट पोल लगभग परिणाम के आसपास भी रहे हैं। कई बार गलत भी साबित हुए हैं। इसलिए केवल प्रतिक्रियाओं के आधार पर ही मत नहीं बनाएं।

भारत में ओपिनियन पोल यानी चुनाव पूर्व सर्वेक्षण हो या एग्जिट पोल मतदान के बाद का सर्वेक्षण ऐसा कोई वर्ष नहीं जब इस पर जबरदस्त विवाद तथा तू -तू -मैं -मैं न होती हो। मतदान के बहुमत की प्रवृत्ति या दिशा जिस पार्टी या समूह के विरुद्ध दिखाई जाती है यानी जिसके पराजित होने की संभावना व्यक्त होती है वह इसका विरोध करता है। हालांकि विरोध सामान्य या तथ्यों के आधार पर प्रश्न उठाया जाए या कोई तार्किक आपत्ति हो तो समस्या नहीं। अगर किसी एजेंसी या मीडिया संस्थान को ओपिनियन पोल या एग्जिट पोल करने और उसे सामने लाने का अधिकार है तो संबंधित पार्टियों को भी विरोध करने का। किंतु पिछले कुछ वर्षों से ऐसी सभी एजेंसियों और संस्थाओं को भाजपा द्वारा या सरकार द्वारा प्रायोजित बता कर उसकी साख को भी समाप्त करने का अभियान चलता है।

पश्चिम बंगाल के एग्जिट पोल पर तृणमूल कांग्रेस की प्रतिक्रियाएं देख लीजिए। हालांकि इनमें भी ज्यादातर एजेंसियों ने तृणमूल और भाजपा के मतों मटन एवं सीटों में बहुत ज्यादा अंतर नहीं दिखाया है। हां, ज्यादातर में भाजपा के विजय कि प्रवृत्ति अवश्य दर्शायी गई है। इनमें अंतर इतने महीन हैं कि इन एग्जिट पोलों के आधार पर भी आप निश्चयात्मक नहीं मान सकते कि हां यही परिणाम आएगा। केवल एक एजेंसी टुडेज चाणक्या ने भाजपा को तृणमूल से मतों एवं सीटों दोनों में काफी आगे बताया है। तृणमूल कांग्रेस के शीर्ष नेत्री ममता बनर्जी से लेकर अभिषेक बनर्जी, उनके मंत्री, सांसद और यहां तक कि टीवी पर बैठने वाले प्रवक्ता व पैनलिस्ट एजेंसियों और चैनलो पर हमले कर रहे हैं। एक एजेंसी ने घोषणा कर दिया कि पश्चिम बंगाल का एग्जिट पोल नहीं दिखाएंगे और इसके कारण दिए हैं। ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल पर राजनीतिक दलों तथा कुछ टिप्पणीकारों द्वारा उठाए जा रहे प्रश्नों से उनकी विश्वसनीयता को गहरा आघात लगा है। ऐसा माहौल बना हुआ है मानो सारे एग्जिट पोल आज तक गलत ही साबित हुए हैं। सच ऐसा नहीं है। एग्जिट पोल का यह अर्थ नहीं कि वे जितनी सीटें बताते हैं वास्तव में उतने ही आ सकते हैं या आने चाहिए। एग्जिट पोल से हमें चुनाव परिणाम का भावी ट्रेंड यानी प्रवृत्ति या दिशा का आभास मिलता है। अनेक बार एक्जिट पोल लगभग परिणाम के आसपास भी रहे हैं। कई बार गलत भी साबित हुए हैं। राजनीतिक दलों, एक्टिविस्टों और पत्रकारों के एक वर्ग की अपनी समस्या है। उन्हें केवल एग्जिट पोल को नकारना है। 2024 लोकसभा चुनाव परिणाम में एग्जिट पोलों के द्वारा दिए गए आंकड़ों से परिणाम भिन्न आए। आवाज यहां तक उठी कि एग्जिट पोल को प्रतिबंधित कर देना चाहिए। कोई नेता या संगठन दावा करे कि हम इतनी सीटें प्राप्त करेंगे तो उन पर चुनाव प्रक्रिया के बीच आचार संहिता के माध्यम से भी रोक नहीं लग सकती, लेकिन कोई एजेंसी या मीडिया संस्थान ऐसा न करे यह कहां का न्याय होगा? लोकसभा चुनाव के साथ ही आंध्र प्रदेश और ओडिशा के ज्यादातर एग्जिट पोल लगभग सही साबित हुए। आंध्र में तेलुगू देशम के नेतृत्व में राजग तथा ओडिशा में भाजपा के लिए बहुमत का आंकड़ा दिया था और परिणाम वहीं आया। 2024 लोकसभा चुनाव में कुल सीटों के अनुसार अवश्य एग्जिट पोल विफल हुए, भाजपा बहुमत से 32 सीट पीछे रह गई। बावजूद भाजपा लोकसभा में इतनी बड़ी पार्टी बनी कि इसके आसपास कोई दल नहीं है। अधिकतर एग्जिट पोल 2024 लोकसभा चुनाव में मुख्यत: तीन राज्यों उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में विफल साबित हुए। अन्य राज्यों के आंकड़े देखें तो उन्हें आप विफल नहीं कर सकते। 2014, 2019 लोकसभा चुनावों में एग्जिट पोल और परिणाम की दिशा एक रही।

ओपिनियन पोल और एग्जिट पोल वर्तमान चुनाव प्रणाली में मतदाताओं की मनः स्थिति समझने का माध्यम है। ओपिनियन पोल में आप अलग-अलग क्षेत्र में जाते हैं, लोगों से बातें करते हैं और गणना करते हुए निष्कर्ष निकालते हैं। केवल किसको मत देंगे और क्यों देंगे यही प्रश्न नहीं होता। मुद्दों, उम्मीदवारों, नेताओं, उनके कार्यों, विकास आदि इतने प्रश्न होते हैं कि उनसे काफी कुछ धरातली वास्तविकता समझा जा सकता है। तब भी ओपिनियन पोल परिणाम चुनाव परिणाम की प्रवृत्ति से अलग हो सकते हैं। कारण, ये मतदान पूर्व होते हैं और चुनाव अभियानों से लेकर मतदान तक लोगों का मन बदल सकता है। वैसे भी अब आचार संहिता लागू होने के बाद ओपिनियन पोल नहीं दिखाया जा सकता। सर्वेक्षण में पारदर्शिता भी होनी चाहिए। पारदर्शिता का अर्थ है कि आपके सैंपल साइज यानी कितने लोगों से अपने मत पूछा और उनमें किन-किन क्षेत्रों से और किस श्रेणी के लोग थे। आपके सर्वेक्षण करने का तरीका क्या था आदि आदि। पहले मतदान केंद्र के बाहर ही एजेंसियां अपना छाया मतदान पेटी लगाती थी जिसमें निकलने वाले लोग मत डालते थे। बाद में लैपटॉप और टैब से यह काम किया जाने लगा। जहां लैपटॉप टैब नहीं लगा सकते वहां मतदान कर निकलने वालों से पूछ कर नोट किया जाता है या ऑडियो विजुअल टेप रहता है। अगर ईमानदारी और पेशेवर तरीके से एग्जिट पोल हो तथा उनमें आए तथ्यों का आंकड़ों में ठीक से आकलन जाए तो परिणाम की दिशा अवश्य सामने आ जाएगी। चाहे ओपिनियन पोल हो या एग्जिट पोल उनमें आरंभ से ही ईमानदारी और पेशे की वास्तविक समझ की आवश्यकता है। फिर आपके पास सर्वेक्षण आ गए और उनको आंकड़ों में परिवर्तन करने में आप पारंगत नहीं है तो गड़बड़ी हो सकती है। मतदान प्रतिशत के बाद उन्हें सीटों में प्रेषित करना सबसे कठिन काम है। अगर मतदान प्रतिशत में 2,3,4 प्रतिशत का अंतर हो तो परिणाम किसी दिशा में पलट सकता है। इसलिए मत प्रतिशत को सीटों में बदलना जोखिम भरा है। सामान्यतः लोग मत प्रतिशत नहीं सीटें देखते हैं और परिणाम आने के बाद उसी को लेकर हमला करने लगते हैं। तृणमूल कांग्रेस के शासन में विरोधियों के विरुद्ध हुई भयानक हिंसा, भ्रष्टाचार , सत्ता और निहित स्वार्थी तत्वों तथा सिंडिकेट के जुड़ाव के कारण लोगों में असंतोष हो ही नहीं ऐसा कैसे संभव है? इसलिए पार्टियों की आलोचना के आधार पर हम ओपिनियन पोल या एग्जिट पोल के बारे में मत न बनायें। वैसे भी सोशल मीडिया के माध्यम से नॅरेटिव के हल्ला बोल वाले दौर में सच को झूठ और झूठ को सच बनाना आसान हो गया है। इसलिए स्वयं संबंधित प्रदेश या क्षेत्र के शासन के प्रभावों का मूल्यांकन कर निष्कर्ष निकालें कि वहां क्या हो सकता है। फिर एग्जिट पोल या ओपिनियन पोल के साथ उसकी तुलना करें निष्कर्ष स्वयं निकल जाएगा।

पारदर्शिता से काम करें सर्वे कंपनियां

उम्मीद

योगेश कुमार सोनी
वरिष्ठ पत्रकार

बीते दशकभर में अब एग्जिट पोल्स पर से लोगों का भरोसा उठता हुआ दिखने लगा है। कारण यह है कि एग्जिट पोल्स सटीक तरीके से चुनाव नतीजों के साथ मेल नहीं खा रहे। पिछले कुछ चुनावों में कुछ एग्जिट पोल तो बिल्कुल ही गलत साबित हुए हैं। जैसा कि अभी हाल ही में पांच राज्यों में चुनाव चल रहे हैं तो सबकी निगाह यहां बनी हुई है। हाल ही में तमिलनाडु, असम, केरल,पुडुचेरी और पश्चिम बंगाल हुए चुनावों के एग्जिट पोल जो दिखाए जा रहे हैं, लेकिन इस बार लोग उस पर विश्वास नहीं कर रहे। इस कारण भी सबके सामने हैं, लेकिन अब सवाल यही उठता है कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? पहले केवल विधानसभा या लोकसभा एक हजार लोगों से राय लेते थे और उससे ही उस सीट की जीत व हार तय करते थे, लेकिन अब पांच व दस हजार लोगों से राय लेकर भी एग्जिट पोल्स सटीक नहीं बैठ रहे। और ज्ञात हो कि चुनाव संपन्न होने के बाद ही सर्वे कंपनियां अपना रिजल्ट बता दी थी, लेकिन अब पहले चरण में हुए चुनाव से ही अपने रिजल्ट रख देते हैं व इसके अलावा अब आरोप यह लगने लगे कि सर्व कंपनियों को किसी भी पार्टी के पक्ष में हवा बनाए रखने के लिए गलत रिपोर्ट देने लगी जिससे की पार्टी को फायदा हो। दूसरा पहलू यह है कि एग्जिट पोल के सर्वे इस बात पर आधारित होते हैं कि वोटिंग करके मतदान केंद्रों से निकल रहे लोग सही जवाब देंगे लेकिन ऐसा होता नहीं है। कुछ मतदाता वास्तव में झिझकते हैं व कुछ गोलमोल जवाब देते हैं तो कुछ गलत भी बताते हैं। समझा यह भी जाता है कि मतदाता दबाव, डर, सामाजिक परिस्थितियों के चलते खुलकर अपने मत का खुलासा नहीं करते। एग्जिट पोल करने वाली एजेंसियां सभी मतदान केंद्रों को कवर नहीं कर पातीं। रैंडम सैंपलिंग की कमी और छोटी सैंपल साइज के कारण भी परिणाम गलत हो सकते हैं। अक्सर सर्वे एजेंसियां वोट शेयर का अनुमान तो सही लगा लेती हैं, लेकिन वह वोट किस सीट पर कितना प्रभावी होगा इसका सटीक अनुमान नहीं लगा पातीं। कई बार एग्जिट पोल का इस्तेमाल सत्ताधारी पार्टी माहौल बनाने के लिए किया जाता है। सर्वेक्षकों के पक्षपातपूर्ण रवैये और सत्ताधारी पार्टी के पक्ष में झुकाव होने के कारण भी परिणाम वास्तविक नतीजों से अलग हो सकते हैं।

एग्जिट पोल लोकतंत्र में रुझान समझने का माध्यम हैं, लेकिन घटती सटीकता व पक्षपात के आरोपों ने भरोसा कमजोर किया है। विश्वसनीय बनाए रखने के लिए पारदर्शिता, बेहतर सैंपलिंग और निष्पक्षता जरूरी है, अन्यथा इनकी उपयोगिता पर सवाल उठते रहेंगे।

मतदान के अंतिम चरणों या वोट डालने से ठीक पहले के रुझान सर्वे में कैद नहीं हो पाते जिससे अंतिम परिणाम सर्वे में बताए हुए परिणामों के व विपरीत दिखते हैं। यह बात लगातार दिखने लगी और इस वजह से सर्व की गंभीरता कम होने लगी। एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में पिछले चार दशकों में 833 सर्वेक्षणों जिसमें 386 पूर्व मतदाता पोल यानी ओपिनियन पोल व 447 एग्जिट पोल शामिल है जिसमें लगभग तीन तिहाई सर्वेक्षणों ने सही विजेता पार्टी का अनुमान लगाया। एग्जिट पोल की सफलता दर भारत में लगभग अस्सी प्रतिशत बताई गई है जाती रही है जबकि पूर्व-मत सर्वेक्षण की सफलता दर सत्तर प्रतिशत से भी ज्यादा थी। कुछ आंकड़ों के अनुसार भारत में एग्जिट पोलों का सटीकता काफी सीमित मानी जाती थी लेकिन अब सबसे ज्यादा अविश्वास हमारे देश में उत्पन्न होने लगा है। एक कहावत भी है कि अति हर चीज की बुरी होती है इसलिए सर्व कंपनियों की कार्यशैली पर लगातार सवालिया निशान खड़े होने से जनता मन में एग्जिट पोल्स की गंभीरता खत्म होने लगी। सर्वे कंपनिया लाखों-करोडों रुपयों खर्च कर सर्व कराती है जिससे चुनाव से पहले एक रोमांच पैदा होने लगा था, लेकिन अब ऐसा नहीं होता। यदि विश्वसनीय को बनाए रखना हो तो सर्व कंपनियों को अपना पैटर्न बदलना होगा जिससे कि उनका काम चलता रहे साथ ही उनके सर्वे पर विश्वसनीयता भी बनी रहे। अन्यथा फ्रांस, इटली, जर्मनी, कनाडा, ब्रिटेन, सिंगापुर, साउथ अफ्रीका, चेक गणराज्य में भी निर्वाचन स्थल पर एग्जिट पोल भारत में प्रतिबंधित न हो जाए। चूंकि इन देशों का मानना है कि किसी भी चुनाव का पहले से रिजल्ट से देश या राज्य में एक नकारात्मकता फैलती है और जो भी निर्णय होगा वो नेता या पार्टी को स्वीकार करना चाहिए। वहीं इससे किसी भी नेता या पार्टी जीतने व हारने को लेकर सट्टेबाज करोडो का सट्टा लगाते हैं जिससे अव्यवस्था फैलती है। एक नजरिये से यह सही लगता है सर्वे नही होना चाहिए चूंकि निर्णय की जिज्ञासा का बना रहना जरूरी है। इसलिए सर्वे हो तो इसकी विश्वसनीयता बनी रही या फिर न हों।

एग्जिट पोल की सटीकता पर उठते गंभीर सवाल

चुनौती

रवि शंकर
स्वतंत्र पत्रकार

चुनाव खत्म होते ही देशभर में सबसे ज्यादा चर्चा अगर किसी चीज की होती है, तो वह है एग्जिट पोल। वोटिंग खत्म होने के कुछ घंटों बाद टीवी चैनलों, डिजिटल प्लेटफॉर्म और सोशल मीडिया पर सीटों के अनुमान आने लगते हैं। लोग यह जानने को उत्सुक रहते हैं कि आखिर किसकी सरकार बन सकती है। राजनीतिक दल भी एग्जिट पोल पर नजर रखते हैं, लेकिन सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या एग्जिट पोल पर पूरी तरह भरोसा किया जा सकता है? दरअसल, भारतीय चुनावों में एग्जिट पोल के परिणाम अक्सर वास्तविक नतीजों से अलग पाए जा रहे हैं, जिससे उनकी सटीकता पर सवाल खड़े हो गए हैं। पिछले कुछ चुनावों का इतिहास दर्शाता है कि कई बार एग्जिट पोल के अनुमान गलत साबित हुए हैं। पश्चिम बंगाल इसका एक प्रमुख उदाहरण है, जहां 2021 और 2016 के विधानसभा चुनावों में एग्जिट पोल ने कांटे की टक्कर या अलग परिणाम दिखाए थे, जबकि तृणमूल कांग्रेस ने भारी बहुमत से जीत हासिल की। दरअसल, कई बार एग्जिट पोल और असल नतीजों में मामूली अंतर होता है। लोगों के मन में सवाल है कि एग्जिट पोल स्टीक क्यों नहीं हो पाते हैं। करीब 100 करोड़ के मतदाताओं वाले देश में चंद हजार लोगों से बातचीत के आधार पर एग्जिट पोल का सर्वे किया जाता है। एग्जिट पोल में शामिल होने वाला मतदाता क्या सच बोल रहा है या नहीं ये भी एक बड़ा सवाल है। वहीं, विधानसभा और लोकसभा क्षेत्र में कई पोलिंग बूथ होते हैं। एग्जिट पोल का सर्वे करने वाली एजेंसियां क्या सभी पोलिंग बूथ पर मतदाताओं से बात करती हैं या कुछ एक बूथ पर ही जाती हैं। हर पोलिंग बूथ और क्षेत्र में मतदाताओं का रुझान अलगः अलग होता है। पिछले तीन दशक में ऐसे कई मौके आए हैं जब एग्जिट पोल औंधे मुंह गिरा है। बता दें, एग्जिट पोल की शुरुआत भारत में सबसे पहले 1970 अंत और 1980 के दशक के शुरू में हुई थी। ये शुरुआती पोल बहुत ही बुनियादी थे और कुछ अग्रणी संगठनों और मीडिया घरानों द्वारा संचालित किए गए थे। वे काफी हद तक प्रयोगात्मक थे और परिष्कृत नमूनाकरण तकनीकों और डेटा विश्लेषण उपकरणों की कमी के कारण हमेशा सटीक नहीं होते थे। 1990 के दशक में एग्जिट पोल की संख्या और दायरे में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई। भारतीय अर्थव्यवस्था के उदारीकरण और निजी टेलीविजन चैनलों के आगमन के साथ, मीडिया घरानों ने राजनीतिक कवरेज और विश्लेषण में अधिक निवेश करना शुरू कर दिया। इस अवधि में विशेषीकृत मतदान एजेंसियों का उदय भी हुआ। अपनी बढ़ती लोकप्रियता के बावजूद, इस समय के दौरान एग्जिट पोल को अक्सर उनकी अशुद्धियों और मतदाता व्यवहार पर संभावित प्रभाव के लिए आलोचना का सामना करना पड़ा। हालांकि, 2000 के दशक की शुरुआत में चुनाव आयोग ने चुनावी प्रक्रिया पर एग्जिट पोल के संभावित प्रभाव पर ध्यान देना शुरू किया। 1998 में आयोग ने मतदाताओं को प्रभावित करने से बचने के लिए मतदान के कुछ चरणों के दौरान एग्जिट पोल के प्रकाशन को प्रतिबंधित करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए। प्रौद्योगिकी में प्रगति के साथ, मतदान एजेंसियों ने अधिक परिष्कृत तरीके अपनाना शुरू कर दिया। कम्प्यूटरीकृत डेटा संग्रह और विश्लेषण ने एग्जिट पोल की सटीकता और विश्वसनीयता में कुछ हद तक सुधार अवश्य हुआ। इस अवधि में भारत में अध्ययन के एक सम्मानित क्षेत्र के रूप में सेफोलॉजी का उदय भी देखा गया। स्पष्ट है, जब नजर संतुलित हो, तभी सच साफ दिखता है-एग्जिट पोल को लेकर यही सबसे बड़ा समाधान है। ये न पूरी तरह गलत हैं, न पूरी तरह सही- इनका मूल्य इस बात पर निर्भर करता है कि हम इन्हें कैसे देखते हैं। यदि इन्हें संकेतक माना जाए, तो ये उपयोगी हैं; लेकिन यदि अंतिम निर्णय मान लिया जाए, तो भ्रम पैदा करते हैं। 2026 के इन महत्वपूर्ण चुनावों में जरूरी है कि हम आंकड़ों की चमक से प्रभावित होने के बजाय वास्तविकता की प्रतीक्षा करें। क्योंकि लोकतंत्र की सच्ची तस्वीर वही होती है जो मतपेटियों से निकलती है, न कि वह जो स्क्रीन पर दिखाई जाती है।

एग्जिट पोल लोकतंत्र में रुझान समझने का उपयोगी माध्यम हैं, लेकिन सीमाएं व त्रुटियां नजरअंदाज नहीं की जा सकतीं। इन्हें अंतिम परिणाम मानना भ्रम पैदा करता है। बेहतर होगा कि इन्हें केवल संकेत के रूप में देखें।

चुनाव विश्लेषण : नतीजों से पहले परिणाम की जंग

चिंतन

चरणजीत 'चरण'
वरिष्ठ पत्रकार

भारत में चुनाव विश्लेषण (एग्जिट पोल) सरकार के बदलने विधायक, सांसद, बदलने की सम्भावना प्रक्रिया मात्र नहीं है, बल्कि भारत का एग्जिट पोल अलग-अलग लोगों के लिए अलग-अलग तरह से उसका विश्लेषण करने गुना-भाग करने और परिणाम घोषित होने से पहले अपने आकड़ों पर डिबेट करने का एक माध्यम है। भौतिक रूप से बेशक इसका कोई फायदा नज़र न आता हो, लेकिन तकनीकी रूप से इस प्रक्रिया के द्वारा भी लोकतंत्र की मज़बूती का मार्ग प्रसस्त होता है। जो लोग चुनाव में थोड़े निष्क्रिय रहते हैं वो भी अपने पसंद के उम्मीदवार और पार्टी तय कर लेते हैं। इन सभी चुनावी प्रक्रियाओं में वोटिंग से लेकर रिज़ल्ट आने तक के चार पांच दिनों में मतदाता कहीं थका हुआ या ठगा मासूस ना करे तो उसके लिए चुनाव वाले दिन या उससे एक दो दिन आगे एग्जिट पोल की व्यवस्था है। एग्जिट पोल की के माध्यम से ये जानने की कोशिश की जाती है कि मतदाता का रुझान किस तरफ है। वह वर्तमान सरकार को बदलना चाहता है या उसे एक मौक़ा और देना चाहता है। चुनावी विशेलषक या सेफोलॉजिस्ट एग्जिट पोल के द्वारा जुटाए गए आकड़ों के माध्यम से मतदाता के मनोविज्ञान को जानने की कोशिश करते हैं। हालांकि भारतीय मतदाता अपने सात दशकों के लोकतंत्र में इतना परिपक्व हो गया है कि वह अंतिम समय तक किसी को भनक नहीं लगने देता कि उसका मत कहां जाएगा। शायद यही कारण है कि कई बार एग्जिट पोल बुरी तरह उलट जाते हैं। एग्जिट पोल के इतिहास में ऐसा अनेक बार हो चुका है जब अधिकतर एग्जिट पोल जिधर इशारा करते हैं परिणाम उसके बिलकुल उलट होता है। भारत जैसे विविधताओं से भरे समाज में ये संभव ही नहीं है कि कोई विश्लेषक एग्जिट पोल के सटीक परिणाम तक पहुंच सके। इसके पीछे अनेक कारण हैं। जहां एक विधानसभा में मतदाताओं की संख्या तीन से चार लाख तक होती है वहां पांच सौ या हज़ार लोगों की पसंद के आधार पर पूरी विधान सभा का विश्लेषण करना कठिन है। इसके अतिरिक्त

भारतीय मतदाता इतना परिपक्व हो गया है कि वह अंतिम समय तक किसी को भनक नहीं लगने देता कि उसका मत कहां जाएगा।

भारत में भाषा, जाति, धर्म, क्षेत्र, स्त्री, पुरुष, किसान, मजदूर, युवा, नौकरी-पेशा बेरोजगार, गांव, शहर में बंटे मतदाता की समस्याएं और उसके विचार अलग हैं। इसी आधार पर लोग वोट भी करते हैं। इसलिए चुनाव के पश्चात कुछ लोगों की राय के आधार पर हार-जीत का विश्लेषण करना चुनौती पूर्ण रहता है। पिछले कई वर्षों के एक्सिटपोल के आकड़ों पर यदि नज़र डाले तो जहां दो पार्टियों में कांटे का मुकावला होता है वहां 1% का मतान्तर भी आकड़े को 40/60 में बदल देता है। अगर यही अनुपात तीन चार प्रतिशत तक चला जाए तो एक पार्टी को दो तिहाई बहुमत तक मिल जाता है ऐसी स्तिति में किसी भी सेफोलॉजिस्ट के लिए कुछ सैंपल साइज़ के आदर पर सटीक आकड़े देना बहुत कठिन कार्य है। 2023 और 2024 के छत्तीसगढ़ और हरियाणा के चुनाव इसका सटीक उदाहरण है। 2023 के छत्तीसगढ़ विधान सभा चुनाव में जहां लगभग सभी एग्जिट पोल जिस पार्टी के पक्ष में थे उसे हार का सामना करना पड़ा। उसी तरह 2024 के हरियाणा विधानसभा चुनाव में सभी एक्सिटपोल जिस रूलिंग पार्टी के विपरीत जा रहे थे उसे तीसरी बार बहुत मिला। कई सेफोलॉजिस्ट का मानना है कि भारत में जातीय और धार्मिक रूप से पिछड़े, दबे, कुचले मतदाता अपनी राय सार्वजानिक करने से डरते हैं। या उनके मन में थोड़ी हिचकिचाहट रहती है। इस भाव को सर्पिल ऑफ साइलेन्स कहा जाता है। 2015 का बिहार विधानसभा चुनाव इसका सटीक उदाहरण है जहां अधिकतर पोल महागठबंधन की जीत का पूर्व आंकलन नहीं कर सके और परिणाम परिणाम एग्जिट पोल के बिलकुल विपरीत निकले। क्योंकि बिहार और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में अक्सर दलित और पिछड़े मतदाता अंतिम क्षण तक खुलकर बात नहीं कर पाते। कुल मिलाकर निष्कर्ष ये निकलता है कि एग्जिट पोल मतदाता की मनःस्थिति का आंकलन नहीं है। बल्कि संभावित परिणाम का मात्र एक चित्र है। एक सेफोलॉजिस्ट समाज के भीतर चल रहे विचार, समस्या और संभावनाओं का आंकलन करता है। आकड़ों को सटीकता तक पहुंचाना हमेशा चूनौतीपूर्ण ही रहेगा। क्योंकि भारत का विविधतओं से भरा समाज व मर्यादाओं में बंधी संस्कृति शायद कभी एक मतदाता को ये इजाज़त नहीं देगी कि वह अपने मत की गोपनीयता को भंग कर दे। भारत में मतदाता की चुप्पी एक तरह से पुरे चुनाव को व्यावहारिक और रोमांचक बनाती है। और यह चुप्पी बनी रहनी चाहिए यही लोकतंत्र के हित में भी है।

रिकॉर्ड तोड़ वोटिंग से कयासों के भंवर में दल

दृष्टिकोण

अम्बरीष प्रजापति
स्वतंत्र स्तंभकार

पश्चिम बंगाल के चुनावी इतिहास में इस बार का मतदान प्रतिशत एक ऐसा कीर्तिमान स्थापित कर चुका है, जिसने दुनिया भर के राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया है। 23 और 29 अप्रैल को संपन्न हुए दो चरणों के इस महाकुंभ में जनता ने जिस तरह दिल खोलकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया, वह इस बात का साक्ष्य है कि बंगाल का मतदाता अपने भविष्य को लेकर कितना जागरूक और मुखर है। सड़कों पर उमड़ा जनसैलाब और लंबी-लंबी कतारें महज एक प्रक्रिया का हिस्सा नहीं थीं, बल्कि एक बड़े बदलाव या एक बड़े समर्थन की मौन पदचाप थीं, जिसका असली खुलासा अब 4 मई को होगा। ममता बनर्जी के नेतृत्व में टीएमसी जहां अपनी 'माटी और मानुष' की राजनीति को सुरक्षित रखने के लिए एड़ी-चोटी का जोर लगा रही है, वहीं बीजेपी ने बंगाल में भगवा परचम लहराने के लिए अपनी पूरी सांगठनिक शक्ति झोंक दी है। इस बार के चुनावों में मतदान का रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचना दोनों ही खेमों के लिए कशमकश और कयासों का केंद्र बना हुआ है। राजनीतिक गलियारों में यह बहस छिड़ गई है कि आखिर यह बढ़ा हुआ मतदान प्रतिशत किसके हक में जाएगा। क्या यह सत्ता विरोधी लहर का प्रतीक है या फिर मौजूदा सरकार के प्रति जनता के अटूट विश्वास का प्रमाण है। चुनाव के संपन्न होते ही बंगाल की आबोहवा में दावों और प्रतिदावों का दौर शुरू हो गया है। टीएमसी का मानना है कि महिलाओं के लिए चलाई गई योजनाओं, ग्रामीण विकास और स्थानीय अस्मिता के मुद्दे ने जनता को घरों से बाहर निकाला है। उनका तर्क है कि जब जनता बड़े पैमाने पर वोट करती है, तो वह अक्सर स्थिर सरकार और लोकप्रिय नेतृत्व के पक्ष में होता है। दूसरी ओर, बीजेपी के खेमे में भी उत्साह की कोई कमी नहीं है। उनके अनुसार, यह भारी मतदान परिवर्तन की आकांक्षा का सूचक है। बीजेपी का मानना है कि जनता भ्रष्टाचार, कानून व्यवस्था और रोजगार जैसे मुद्दों पर आक्रोशित है और इसी

पोल ऑफ पोल्स की स्थिति इतनी धुंधली है कि किसी निष्कर्ष पर पहुंचना जल्दबाजी होगी। यह अनिश्चितता ही इस चुनाव के रोमांच को बढ़ा रही है।

आक्रोश ने उन्हें मतदान केंद्रों तक खींचा है। दोनों दलों के शीर्ष नेतृत्व से लेकर बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं तक, हर कोई अपनी-अपनी जीत को लेकर आश्वस्त तो दिख रहा है, लेकिन भीतर ही भीतर एक अनजाना डर और संशय भी बना हुआ है। बंगाल का यह चुनाव कई मायनों में अनूठा रहा। अब एग्जिट पोल के आंकड़ों ने इस कशमकश को और भी बढ़ा दिया है। विभिन्न सर्वेक्षणों में जहां कुछ एजेंसियां बीजेपी को बहुमत के करीब दिखा रही हैं, वहीं कुछ अन्य टीएमसी की वापसी की भविष्यवाणी कर रही हैं। 'पोल ऑफ पोल्स' की स्थिति भी इतनी धुंधली है कि किसी एक निष्कर्ष पर पहुंचना फिलहाल जल्दबाजी होगी। यह अनिश्चितता ही इस चुनाव के रोमांच को द्विगुणित कर रही है। जब 4 मई को मतपेटियां खुलेंगी और ईवीएम के बटन दबेंगे, तब पता चलेगा कि जनता ने वास्तव में किसे अपना भाग्य विधाता चुना है। क्या ममता बनर्जी की 'हैट्रिक' के बाद चौथी बार सत्ता की चाबी उनके पास रहेगी या फिर सुवेंदु अधिकारी के नेतृत्व में बीजेपी बंगाल की सत्ता के गलियारों में पहली बार प्रवेश करेगी। इस बार के चुनावों में निर्वाचन आयोग की भूमिका और सुरक्षा इंतजामों की भी चर्चा लाजिमी है। छिटपुट हिंसा की घटनाओं को छोड़ दें, तो मतदान की प्रक्रिया को सुचारू रूप से संपन्न कराना एक बड़ी चुनौती थी, जिसे पार कर लिया गया है। मतदाता सूची में किए गए संशोधनों और विशेष सर्वेक्षणों के कारण इस बार मतदाताओं की संख्या में जो बदलाव आए, उसने भी प्रतिशत के आंकड़ों को प्रभावित किया है। लेकिन इन तकनीकी पहलुओं से परे, सबसे महत्वपूर्ण पहलू मतदाता का वह मौन संकल्प है जो उसने ईवीएम के अंदर दर्ज किया है। बंगाल की जनता अपनी चुप्पी के लिए जानी जाती है और अक्सर यह चुप्पी बड़े-बड़े दिग्गजों के राजनीतिक भविष्य को धाराशायी कर देती है। अंततः बीजेपी और टीएमसी के बीच की यह कसमकश इस बात का प्रतीक है कि लोकतंत्र में कोई भी पद स्थायी नहीं है और जनता ही सर्वोपरि है। तब तक कयासों का बाजार गर्म रहेगा, चर्चाएं चलती रहेंगी और धड़कनें बढ़ी रहेंगी। बंगाल ने अपना फैसला सुना दिया है, बस उसका सार्वजनिक होना बाकी है। सत्ता का ताज किसके सिर सजेगा, यह तो वक्त की कोख में है, लेकिन इस रोमांचक मुकाबले ने यह जरूर साबित कर दिया है कि बंगाल की राजनीति में कभी भी कुछ भी संभव है।

टीएमसी को लगा सुप्रीम कोर्ट से झटका, याचिका कर दी खारिज

चुनाव आयोग को नियुक्ति के पूरे अधिकार, चाहे अधिकारी केंद्र के हों या राज्य सरकार के फर्क नहीं पड़ता, नए आदेश की जरूरत नहीं

वोटों की गिनती के लिए स्टाफ को तैनात करने के खिलाफ सुनवाई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले टीएमसी को सुप्रीम कोर्ट से एक बड़ा झटका लगा है। चुनाव आयोग द्वारा वोटों की गिनती के लिए मुख्य रूप से केंद्र और पीएसयू के कर्मचारियों को तैनात करने के निर्देश के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस ने सुप्रीम कोर्ट का रुख किया था। इस अहम मुद्दे को सुलझाने सुप्रीम कोर्ट ने शनिवार को टीएमसी की याचिका पर सुनवाई की। विवाद पर सुप्रीम कोर्ट ने कोई भी नया आदेश पारित करने से साफ इनकार कर दिया है। चुनाव आयोग ने अदालत को आश्वासन दिया है कि वह अपने 13 अप्रैल के परिपत्र (सर्कुलर) का पूरी तरह से पालन करेगा।

सर्कुलर का दिया गया हवाला

टीएमसी के अनुसार इस सर्कुलर में मतगणना प्रक्रिया में केंद्र सरकार के कर्मचारियों के साथ-साथ राज्य सरकार के कर्मचारियों की तैनाती का भी प्रावधान है। चुनाव आयोग के वकील के इस बयान के बाद सुप्रीम कोर्ट ने केवल यह दोहराया कि चुनौती दिए गए सर्कुलर को लागू किया जाएगा।

कर्मचारियों की नियुक्ति का मामला

यह पूरा मामला वोटों की गिनती करने वाले कर्मचारियों की नियुक्ति से जुड़ा हुआ है। ईसी ने निर्देश दिया था कि बंगाल में वोटों की गिनती के लिए केंद्रीय कर्मचारियों को मतगणना पर्यवेक्षक बनाया जाएगा। टीएमसी इसी का विरोध कर रही है। उसका मानना है इसमें राज्य कर्मचारियों को भी बराबर शामिल किया जाए।

अधिकारी कहां का इससे फर्क नहीं पड़ता

जस्टिस बागची ने यह भी कहा कि मतगणना में हर राजनीतिक दल के एजेंट मौजूद रहेंगे। इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता कि पर्यवेक्षक केंद्र सरकार का नामित अधिकारी है या नहीं। अधिकारियों की तैनाती पूरी तरह से चुनाव आयोग की अपनी संतुष्टि पर निर्भर करती है।

नियमों में विकल्प मौजूद

जस्टिस जॉयमाल्या बागची ने कहा कि नियमों में यह विकल्प पूरी तरह से खुला है कि काउंटिंग सुपरवाइजर और काउंटिंग असिस्टेंट केंद्र सरकार के भी हो सकते हैं और राज्य सरकार के भी।

सिब्बल ने नियुक्ति की स्पष्टता पर उठाए सवाल

टीएमसी की तरफ से पेश हुए वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने चुनाव आयोग के सर्कुलर (परिपत्र) पर

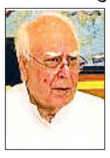

सवाल उठाए। सिब्बल ने कोर्ट में दलील दी कि चुनाव आयोग के सर्कुलर में खुद ऐसा स्पष्ट तौर पर नहीं कहा गया है कि केवल केंद्रीय कर्मचारी ही होंगे। टीएमसी का तर्क है कि चुनाव आयोग का यह कदम जानबूझकर राज्य सरकार के कर्मचारियों को गिनती से दूर रखने के लिए उठाया गया है।

फैसले पर बोली भाजपा

चुनाव प्रक्रिया पर शक करने वालों को मिला जवाब

बंगाल में मतगणना के लिए केंद्रीय कर्मियों की तैनाती के चुनाव आयोग के आदेश में दखल से

सुप्रीम कोर्ट के इनकार ने चुनाव प्रक्रिया पर शक पैदा करने की कोशिशों के खिलाफ एक 'स्पष्ट संदेश' दिया है। भाजपा के नेता अमित मालवीय ने यह बात कही। शीर्ष कोर्ट ने कहा टीएमसी की उस याचिका पर किसी और आदेश की जरूरत नहीं है, जिसमें उसने कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने केंद्रीय कर्मियों की तैनाती संबंधी आदेश को सही माना था।

खबर संक्षेप

कुल्लू में बोलेरो पर गिरा चीड़ का पेड़, 4 की मौत

कुल्लू। उपमंडल आनी के शमशर-गुगरा मार्ग पर शनिवार शाम करीब 4:30 बजे बालीओल

के समीप तेज आंधी-तूफान से एक विशाल चीड़ का पेड़ चलती बोलेरो गाड़ी पर गिर गया। गाड़ी पेड़ सहित नीचे खाई में गिर गई। बोलेरो में चालक समेत 7 लोग थे, जिनमें 6स्कूल शिक्षक थे। इस में 4 महिला शिक्षकों की मौत हो गई। 3 अन्य घायल हैं।

हैदराबाद में भुजंगासन में बना विश्व रिकॉर्ड

हैदराबाद। यहां योग महोत्सव में हजारों लोगों ने भाग लेकर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2026 की

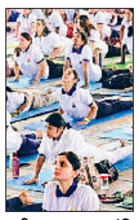

तैयारियों को नई ऊर्जा दी। मुख्य आयोजन से 50 दिन पहले हुए कार्यक्रम में 20 से अधिक देशों की भागीदारी रही। कान्हा शांति वनम में 6,000 से अधिक प्रतिभागियों ने एक साथ भुजंगासन का अभ्यास किया। यह उपलब्धि एशिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स में दर्ज की गई।

अजमेर दरगाह में 'शिव मंदिर', फैसला सुरक्षित

अजमेर। दरगाह में शिव मंदिर होने के दावे पर जिला कोर्ट में लंबी सुनवाई हुई। दावे को लेकर

याचिका पर शनिवार को जिला न्यायालय में सुनवाई हुई। इस दौरान सभी पक्षों ने अपने-अपने दावे के समर्थन में कानूनी तर्क और दस्तावेज पेश किए। हिंदू सेना और महाराणा प्रताप सेना द्वारा याचिका दायर की गई हैं। कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रखा है।

कर्नाटक में ईएसआईसी अस्पताल का उद्घाटन

नई दिल्ली। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार तथा युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री मनसुख मांडविया

रविवार को कर्नाटक के डोड्डाबल्लापुर में 100 बिस्तरों वाले ईएसआईसी अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। वे वर्चुअल माध्यम से बेल्लारी में एक और 100 बेड के ईएसआईसी अस्पताल की आधारशिला भी रखेंगे। श्रमिकों और परिवारों को सुविधाएं मिलेंगी।

दिल्ली से बेंगलुरु जा रही इंडिगो फ्लाइट की वापसी

नई दिल्ली। शनिवार सुबह दिल्ली से बेंगलुरु जाने वाली इंडिगो की उड़ान 6ई2314 को उड़ान भरने के

कुछ ही देर बाद ही वापस पार्किंग बे में लौटना पड़ा। एक यात्री के उड़ान भरने से पहले घबरा जाने के कारण पायलट को सावधानीवश विमान को वापस पार्किंग बे में आना पड़ा। यात्री ने अचानक उड़ान के दौरान घबराहट महसूस की, जिसके बाद उड़ान रद्द कर दी गई।

बंगाल में मतगणना से पहले फाल्टा में बवाल, मतदाता हो गए परेशान

वोटर्स ने कहा- टीएमसी नेता धमका रहे कि तुम्हारे घरों को जला देंगे, तुमको मारेंगे भी

यहां शाम 5 बजे तक लगभग 86.90 फीसदी मतदान हुआ। मगराहाट पश्चिम में 86.11 फीसदी व डायमंड हार्बर में 87.60 फीसदी वोटिंग हुई।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बंगाल के दक्षिण 24 परगना जिले के फालता में शनिवार को तब तनाव फैल गया, जब लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया किविधानसभा चुनाव की मतगणना से पहले टीएमसी के कार्यकर्ता उन्हें डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हैं।प्रदर्शनकारियों ने फालता में पुनर्मतदान की मांग की। उन्होंने कहा कि टीएमसी समर्थक उन्हें धमका रहे हैं। उन्होंने पूरे क्षेत्र में सीएपीएफ की तैनाती की भी मांग की। स्थिति को देखते हुए प्रशासन ने इलाके में भारी सुरक्षा बल तैनात किए हैं।

सीआरपीएफ और आरएएफ के जवान महत्वपूर्ण स्थानों पर तैनात किए गए हैं। सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने के लिए सीआरपीएफ का एक बख्तरबंद वाहन भी लगाया गया है।विरोध कर रहे स्थानीय लोगों में कई महिलाएं भी शामिल हैं। उन्होंने अपनी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई और कथित रूप से धमकी देने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एक महिला ने कहा कि टीएमसी के एक नेता ने धमकी दी है कि अगर उनके समर्थक नहीं जीते तो घर जला देंगे और हिंसा की जाएगी।

पुनर्मतदान के बीच भारी सुरक्षा बल तैनात

पुलिस को चलानी पड़ी लाठियां

दक्षिण 24 परगना जिले के 15 केंद्रों पर री-पोल

भिड़ गए भाजपा-टीएमसी कार्यकर्ता

बंगाल में फाल्टा में हिंसा की खबरें हैं। यहां टीएमसी और भाजपा के कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। इसके बाद लोगों को तितर-बितर करने के लिए पुलिस को लाठियां भांजनी पड़ी। फाल्टा सीट पर दोबारा वोटिंग नहीं करवाई जा रही है। फाल्टा में भाजपा समर्थकों का कहना है कि उन्हें टीएमसी के लोगों से लगातार धमकियां मिल रही हैं और वोटों की गिनती के दौरान हिंसा की आशंका है। इसी को लेकर वे प्रदर्शन कर रहे थे। टीएमसी के कार्यकर्ता भी निकल गए और इस प्रदर्शन का विरोध करने लगे। इस पर दोनों में हाथापाई हो गई।

स्ट्रांग रूम विवाद पर 6 अधिकारी निलंबित

ईवीएम स्ट्रांग रूम को लेकर भी विवाद सामने आया है। टीएमसी ने खिदिरपुर अनुशीलन केंद्र में तैनात निर्वाचन अधिकारी के खिलाफ शिकायत दर्ज की है, जिसमें डाक मतपत्रों के लिफाफों की अनधिकृत छंटाई का आरोप लगाया गया है। भाजपा ने भी आरोप लगाया है कि एक स्ट्रांग रूम बिना अनुमति के खोला गया, जिसके बाद जांच शुरू हुई और कम से कम 6 अधिकारियों को निलंबित करने की खबर है। प्रशासन की कड़ी नजर है।

एक भी वोट के हेरफेर की गुंजाइश नहीं

ईसी ने तैनात किए 242 नए ऑब्जर्वर

बंगाल में वोटों की गिनती 4 मई को होनी है और किसी भी गड़बड़ी को रोकने के लिए ईसी

ने पूरी तैयारी कर ली है। 242 नए ऑब्जर्वर तैनात किए गए हैं। इनमें 165 मतगणना पर्यवेक्षक और 77 पुलिस पर्यवेक्षक शामिल हैं। आयोग ने अतिरिक्त मतगणना पर्यवेक्षकों और पुलिस पर्यवेक्षकों को यह सुनिश्चित करने तैनात किया है कि मतगणना सुरक्षित, शांतिपूर्ण, भयमुक्त और पारदर्शी माहौल में हो।

मुख्यमंत्री बोलीः तृणमूल कांग्रेस 200 से अधिक सीटों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज करने जा रही

मतगणना पूरी होने तक केंद्रों पर डटे रहें टीएमसी एजेंटः ममता

हरिभूमि ब्यूरो, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने शनिवार को पार्टी के काउंटिंग एजेंटों के साथ एक अहम वर्चुअल बैठक की। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की 294 विधानसभा सीटों में से तृणमूल कांग्रेस 200 से अधिक सीटों पर ऐतिहासिक जीत दर्ज करने जा रही है। ममता ने कहा कि जब तक मतगणना की पूरी प्रक्रिया समाप्त नहीं हो जाती, तब तक कोई भी एजेंट केंद्र छोड़कर बाहर न आए। ममता और अभिषेक ने मतगणना केंद्र पर तैनात होने वाले काउंटिंग एजेंटों को स्पष्ट निर्देश दिए। मतगणना के दिन सभी एजेंट केंद्रों पर नियमित रूप से उपस्थिति दर्ज कराएं। वे मतगणना की पल-पल की जानकारी पार्टी नेतृत्व को देते रहें। मुख्यमंत्री ने हालिया एग्जिट पोल्स को पूरी तरह से नकार दिया। कई एग्जिट पोल्स में भाजपा को बढ़त दिखाई गई है। ममता ने कहा कि ये सब शेयर बाजार को प्रभावित करने की साजिश है। उन्होंने इसे 2021 और 2024 के चुनाव जैसा ही प्रोपेगेंडा बताया। सीएम दीदी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों ने कार्यकर्ताओं पर बर्बरता की है। उन्होंने वादा किया पार्टी के साथ खड़े रहने वाले कार्यकर्ताओं को भविष्य में पुरस्कृत किया जाएगा। टीएमसी ने 291 सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। 3 सीटों पर सहयोगी भारतीय गोरखा प्रजातांत्रिक मोर्चा ने लड़ी हैं। बनर्जी को भरोसा है उनका गठबंधन भारी बहुमत के साथ सत्ता में वापसी करेगा। दक्षिण 24 परगना के मगराहाट पश्चिम और डायमंड हार्बर जैसे क्षेत्रों में पुनर्मतदान के बीच ममता बनर्जी का यह आत्मविश्वास पार्टी कार्यकर्ताओं में नया जोश भर रहा है।

वाइब्रेंट गुजरात समिट में बोले नड्डा

'व्यवधान' को अवसरों में बदलें आत्मनिर्भर विनिर्माण केंद्र बनाएं

समापन समारोह को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने किया संबोधित

एजेंसी ▶▶ सूरत

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने शनिवार को सूरत में आयोजित दो-दिवसीय 'वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस' (दक्षिण गुजरात) के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान वैश्विक संकट और अनिश्चितताओं के बीच भारत को अपनी घरेलू क्षमता बढ़ाने और रणनीतिक निर्भरता कम करने की आवश्यकता है। नड्डा ने वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि 2047 तक 'विकसित भारत' का लक्ष्य हासिल करने के लिए विनिर्माण क्षमता, आत्मनिर्भरता और सप्लाई चेन को मजबूत करना बेहद अहम है। नड्डा ने जोर दिया मजबूत अर्थव्यवस्था का अर्थ केवल विकास नहीं है, बल्कि इसमें लचीलापन और रणनीतिक स्वायत्तता भी आवश्यक है।

देश के भीतर अधिक निर्माण होना जरूरी

नड्डा ने कहा कि हालिया वैश्विक अनिश्चितता इस बात का संकेत है कि हमें संकट को अवसर में बदलना चाहिए और क्षेत्रीय सम्मेलनों के जरिए अपने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर अधिकतम ध्यान देना चाहिए। देश के भीतर अधिक निर्माण और नवाचार करने तथा महत्वपूर्ण कमजोरियों को दूर करने की सख्त जरूरत है। 'विकसित भारत' के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए निरंतर उच्च विकास दर, क्षमता का विस्तार, निर्यात में वृद्धि,सप्लाई चेन में मजबूत एकीकरण अनिवार्य है। उन्होंने सप्लाई चेन में आने वाली बाधाओं, तकनीकी नियंत्रणों और संसाधनों की रुकावटों जैसे गंभीर मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर सुलझाने का भी आह्वान किया।

3.53 लाख करोड़ के 2,792 एमओयू साइन

गुजरात सरकार ने राज्य में निवेश और रोजगार सृजन की दिशा में एक बड़ी सफलता हासिल की है। 'वाइब्रेंट गुजरात रीजनल कॉन्फ्रेंस' (दक्षिण गुजरात) के दौरान 3,53,306 करोड़ रुपए के 2,792 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए हैं। इन विशाल निवेश परियोजनाओं के लागू होने से आने वाले वर्षों में क्षेत्र के 2.82 लाख युवाओं के लिए सीधे रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। राज्य के उपमुख्यमंत्री हर्ष संघवी ने सम्मेलन के समापन समारोह में यह अहम जानकारी साझा करते हुए इसे एक बड़ा मील का पत्थर करार दिया।

धर्मांतरण के विरोध पर टूट पड़ी भीड़

घेरकर लाठी और धारदार हथियारों से किए वार,4 घायल, 115 पर केस

एजेंसी ▶▶ बांसवाड़ा

जिले के कुशलगढ़ थाना क्षेत्र के कलिंजरा गांव में कथित रूप से धर्मांतरण की सूचना पर पहुंचे युवकों पर भीड़ ने हमला कर दिया। इसमें 4युवक घायल हो गए, जिनमें से एक की हालत अधिक गंभीर होने पर गुजरात के दाहोद रेफर किया गया है। पुलिस ने मामले में 4 आरोपियों को हिरासत में लिया है। वहीं, 15 नामजद और करीब 100 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस जांच-पड़ताल में जुट गई है।

15 नामजद पर केस, 4 गिरफ्तार

पुलिस तक पहुंचा मामला

कुशलगढ़ निवासी रवि भामोर ने जोसफ उर्फ जयसिंह सहित अन्य के खिलाफ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्हें सूचना मिली थी कि गांव के पास स्थित डैम क्षेत्र में प्रतिबंधित मवेशी (गाय) को नुकसान पहुंचाने के साथ ही धर्मांतरण जैसी गतिविधियां करवाई जा रही हैं।

हाईकोर्ट ने बैंक को दिया आदेश

कांस्टेबल की विधवा को 25 लाख रुपए का भुगतान करें

एजेंसी ▶▶ देहरादून

उत्तराखंड हाई कोर्ट ने उत्तराखंड ग्रामीण बैंक की याचिका खारिज कर दी है। इसी के साथ हाई कोर्ट ने सिंगल जज के उस आदेश को बरकरार रखा है जिसमें बैंक को एक पुलिस कांस्टेबल की विधवा को बीमा लाभ के रूप में 25 लाख रुपए का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। चीफ जस्टिस मनोज कुमार गुप्ता और जस्टिस सुभाष उपाध्याय की बेंच सिंगल जज के फैसले को चुनौती देने वाली बैंक की याचिका पर यह कहा।

वेतन जमा करने में कोई भूल नहीं थी

उच्च न्यायालय के आदेश में यह भी कहा गया कि वेतन जमा करने में

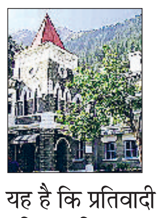

कोई भूल नहीं हुई थी। हालांकि, दावे को अस्वीकार करने का एकमात्र आधार यह है कि प्रतिवादी के पति का नाम पुलिस विभाग द्वारा भेजी गई कर्मचारियों की सूची में शामिल नहीं था। इसी पर सबकी निगाहें टिकी थीं।

भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष

लेह। लद्दाख के लेह में 'तथागत के पवित्र अवशेषों की पवित्र प्रदर्शनी' के दौरान भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेषों को प्रदर्शित किया गया। पीएम मोदी ने इसे अनूठा अवसर बताया है।

मौसम विभाग ने नागरिकों के लिए चेतावनी जारी की

झारखंड, बिहार,ओडिशा में आंधी-बिजली के साथ होगी बारिश

7 दिन तक कई राज्यों में बहुत भारी बारिश का दिया अलर्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में चल रही बारिश रुक गई है। हालांकि, फिर से बारिश का दौर शुरू होने वाला है। 7 दिन के दौरान झारखंड, बिहार, ओडिशा राज्यों में गरज, बिजली और 60 की स्पीड से तेज आंधी के साथ बारिश होने वाली है। मौसम विभाग ने बताया है कि इस हफ्ते के दौरान उप हिमालीय पश्चिम बंगाल, सिक्किम, उत्तरपूर्वी भारत में गरज, बिजली और तेज हवाओं के साथ व्यापक बारिश होगी।। कई राज्यों में बहुत भारी बरसात हो सकती है। छिटपुट गरज, बिजली और तेज हवाओं और ओले गिरने की चेतावनी है।

हिमाचल में 5 दिन बरसेंगे बादल, ओलावृष्टि होगी

हिमाचल प्रदेश में मौसम के बिगड़ने के आसार हैं। राज्य के कई भागों में लगातार 5 दिन बारिश होने का पूर्वानुमान है। चोटियों पर बर्फबारी की संभावना है। कई जिलों में 4 मई को ओलावृष्टि का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। शिमला व आसपास भागों में धूप खिलने के साथ हल्के बादल छाए हुए हैं। कुछ स्थानों पर हल्की बारिश हो सकती है।

हरियाणा, चंडीगढ़ और राजस्थान भी भीगेंगे

पंजाब में 3-6 मई के दौरान हरियाणा, चंडीगढ़ में 2-6 मई के दौरान छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर पर हल्की से मध्यम बारिश होगी। गरज, बिजली और तेज हवाओं जिनकी स्पीड 50 किलोमीटर प्रति घंटे होगी के चलने की संभावना है। राजस्थान में 2-8 मई के दौरान बारिश संभावित है।

8 मई तक तेज हवाएं चलने की भी संभावना

पूर्वोत्तर राज्यों में 5 दिनो तक गरज, बिजली और तेज हवाएं चलने वाली हैं। बारिश भी होगी। इस दौरान अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा में अलग-अलग जगहों पर भारी बारिश होने की संभावना है। जम्मू कश्मीर में 6 मई तक, हिमाचल प्रदेश में 5 मई तक, उत्तराखंड में 8 मई के दौरान छिटपुट से लेकर व्यापक स्तर की बारिश होगी। इस गरज, बिजली और तेज हवाएं भी चलने वाली हैं।

रेलवे में 895.30 करोड़ के प्रोजेक्ट मंजूर

सुरक्षा, क्षमता और संचालन दक्षता को सुदृढ़ बनाया जाएगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रेलवे ने रेलवे पुलों के बुनियादी ढांचे को मजबूत और मेट्रो रेल की विद्युत प्रणालियों को उन्नत बनाने के लिए 895.30 करोड़ की प्रमुख परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इन योजनाओं का उद्देश्य सुरक्षा, क्षमता और संचालन दक्षता को बेहतर बनाना है। कोलकाता मेट्रो के उत्तर-दक्षिण कॉरिडोर को मजबूत करने के लिए 671.72 करोड़ की परियोजना को मंजूरी मिली है। 7 नए ट्रैक्शन सबस्टेशन बनाए जाएंगे और मौजूदा 11 केवी बिजली प्रणाली को 33 केवी में अपग्रेड किया जाएगा।

आद्रा डिवीजन में पुल परियोजना को मंजूरी

दक्षिण पूर्वी रेलवे के आद्रा डिवीजन में 223.58 करोड़ रुपए की लागत से पुल अवसंरचना को

मजबूत किया जाएगा। मधुकुंडा-दामोदर खंड पर स्थित पुराने पुल (संख्या 520) के आधारभूत ढांचे का पुनर्निर्माण किया जाएगा, जो 1903 और 1965 में बनाए गए थे और अब कमजोर हो चुके हैं।

टर्म इंश्योरेंस लेते समय रखें ध्यान, वरना टूट जाएगा 'सुरक्षा कवच'

सुझाव | बिजनेस डेस्क

टर्म इंश्योरेंस किसी भी व्यक्ति की वित्तीय योजना का सबसे अहम हिस्सा होता है। यह वह सुरक्षा कवच है, जो आपके न रहने पर आपके परिवार को आर्थिक संकट से बचाता है। लेकिन अक्सर लोग जानकारी के अभाव या थोड़े पैसे बचाने के लालच में ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जिनका खामियाजा उनके परिवार को उठाना पड़ता है। कई मामलों में तो क्लेम तक रिजेक्ट हो जाता है और पूरी योजना बेकार साबित हो जाती है। इसलिए जरूरी है कि टर्म इंश्योरेंस लेते समय कुछ बुनियादी बातों का खास ध्यान रखा जाए।

पर्याप्त कवर न लेनाः सबसे बड़ी भूल

अक्सर लोग कम प्रीमियम के चक्कर में कम बीमा राशि चुन लेते हैं। यह सबसे गंभीर गलती है। बीमा का उद्देश्य केवल औपचारिकता पूरी करना नहीं, बल्कि परिवार को पूरी आर्थिक सुरक्षा देना है। विशेषज्ञों के अनुसार, आपकी बीमा राशि आपकी सालाना आय का कम से कम 15 से 20 गुना होनी चाहिए। इसके अलावा, होम लोन, कार लोन और अन्य देनदारियों को भी इसमें शामिल करना जरूरी है, ताकि आपके बाद परिवार पर कर्ज का बोझ न आए।

बीमा लेने में देरी करना

कई लोग यह सोचकर टर्म इंश्योरेंस लेने में देरी करते हैं कि वे अभी युवा और स्वस्थ हैं। लेकिन बीमा के मामले में देरी महंगी पड़ती है। कम उम्र में प्रीमियम सस्ता होता है और वह पूरे कार्यकाल के लिए लॉक हो जाता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, बीमारियों का खतरा बढ़ता है और बीमा लेना मुश्किल या महंगा हो सकता है। इसलिए जितनी जल्दी हो सके, टर्म प्लान लेना समझदारी है।

क्लेम सेटलमेंट रेशियो को नजरअंदाज करना

सिर्फ कम प्रीमियम या बड़े ब्रांड के नाम पर कंपनी चुनना सही नहीं है। सबसे जरूरी है कंपनी का क्लेम सेटलमेंट रेशियो (सीएसआर), जो बताता है कि कंपनी कितने प्रतिशत क्लेम्स का भुगतान करती है। हमेशा ऐसी कंपनी चुनें, जिसका सीएसआर 95% या उससे अधिक हो। इससे यह भरोसा मिलता है कि जरूरत पड़ने पर आपका परिवार क्लेम पाने में परेशानी का सामना नहीं करेगा।

नॉमिनी की गलत या पुरानी जानकारी

नॉमिनी की जानकारी सही और अपडेट होना बेहद जरूरी है। कई बार लोग नॉमिनी का नाम या अन्य विवरण अपडेट नहीं करते, जिससे क्लेम के समय कानूनी जटिलताएं पैदा हो जाती हैं। शादी, तलाक या नॉमिनी के निधन जैसी स्थितियों में तुरंत जानकारी अपडेट करना जरूरी है। साथ ही, अपडेट का प्रमाण भी संभालकर रखना चाहिए।

राइडर्स व एड-ऑन्स को नजरअंदाज करना

टर्म इंश्योरेंस के साथ मिलने वाले राइडर्स आपके प्लान को और मजबूत बनाते हैं, लेकिन लोग थोड़े पैसे बचाने के लिए इन्हें नजरअंदाज कर देते हैं। यह एक बड़ी गलती है। क्रिटिकल इलनेस राइडर गंभीर बीमारियों में आर्थिक सहायता देता है, वहीं प्रीमियम वेवर राइडर विकलांगता या बीमारी की स्थिति में भविष्य के प्रीमियम माफ कर देता है। एक्सीडेंटल डेथ बेनिफिट भी परिवार को अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करता है। ये छोटे-छोटे एड-ऑन्स मुश्किल समय में बड़ा सहारा बनते हैं।

स्वास्थ्य और जानकारी छुपाना

बीमा लेते समय अपनी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी, धूम्रपान की आदत या पहले से चल रही बीमारियों को छुपाना सबसे खतरनाक गलती है। बीमा कंपनी आपके मेडिकल रिकॉर्ड की जांच करती है, और यदि जानकारी गलत पाई जाती है तो क्लेम रिजेक्ट हो सकता है। इसलिए पूरी पारदर्शिता रखना बेहद जरूरी है। ईमानदारी ही यह सुनिश्चित करती है कि जरूरत के समय आपका परिवार बिना किसी परेशानी के क्लेम प्राप्त कर सके।

सही कवर चुने

टर्म इंश्योरेंस कोई निवेश नहीं, बल्कि आपके परिवार के भविष्य की सुरक्षा का वादा है। इसे लेते समय छोटी-छोटी गलतियां भी बड़े नुकसान का कारण बन सकती हैं। सही कवर चुनना, समय पर पॉलिसी लेना, कंपनी की विश्वसनीयता जांचना और पूरी ईमानदारी से जानकारी देना ये सभी बातें आपके फैसले को मजबूत बनाती हैं। याद रखें, आज लिया गया एक सही निर्णय आपके परिवार को कल आर्थिक संकट से बचा सकता है।

40% टूटी चांदी, सावधानी और धैर्य के साथ करेंगे निवेश तो होगा लाभ

चांदी की गिरावट में छिपा मौका लेकिन रणनीति भी बेहद जरूरी

निवेश मंत्रा | बिजनेस डेस्क

- सिर्फ चांदी नहीं, पोर्टफोलियों में डाइवर्सिफिकेशन ही असली ताकत
- ईटीएफ और डिजिटल सिल्वर भी बन रहे हैं निवेशकों की पसंद

जनवरी 2026 में जहां चांदी 4 लाख रुपये प्रति किलो के स्तर को पार कर गई थी, वहीं अब यह करीब 2.3–2.4 लाख रुपये के दायरे में कारोबार कर रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है। क्या यह गिरावट खरीदारी का सुनहरा अवसर है या अभी सतर्क रहने का समय?

चांदी (सिल्वर) की कीमतों में हालिया गिरावट ने निवेशकों के बीच नई बहस छेड़ दी है। जो धातु साल 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए निवेशकों की पहली पसंद बनी हुई थी, वही अब अपने ऑल टाइम हाई से करीब 40% नीचे फिसल चुकी है। जनवरी 2026 में जहां चांदी 4 लाख रुपये प्रति किलो के स्तर को पार कर गई थी, वहीं अब यह करीब 2.3–2.4 लाख रुपये के दायरे में कारोबार कर रही है। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल यही है—क्या यह गिरावट खरीदारी का सुनहरा अवसर है या अभी सतर्क रहने का समय?

गिरावट के पीछे क्या हैं कारण

चांदी की कीमतों में आई इस तेज गिरावट के पीछे कई वैश्विक और आर्थिक कारण एक साथ काम कर रहे हैं। सबसे प्रमुख कारण अमेरिकी डॉलर की मजबूती है। जब डॉलर मजबूत होता है, तो अन्य देशों के लिए चांदी खरीदना महंगा हो जाता है, जिससे इसकी मांग में कमी आती है और कीमतों पर दबाव बनता है। इसके अलावा, वैश्विक स्तर पर ब्याज दरों में बढ़ोतरी की उम्मीद ने भी निवेशकों के रुझान को बदला है। निवेशक अब ऐसे विकल्पों की ओर झुक रहे हैं जो उन्हें नियमित आय दे सकें। चूंकि चांदी से कोई ब्याज या डिविडेंड नहीं मिलता, इसलिए इसमें निवेश अपेक्षाकृत कम आकर्षक हो जाता है। तीसरा बड़ा कारण है मुनाफावसूली। लंबे समय तक तेजी के बाद निवेशकों ने अपने मुनाफे को सुरक्षित करना शुरू किया, जिससे बाजार में बिकवाली बढ़ी और कीमतें तेजी से नीचे आईं।

इंडस्ट्रियल डिमांडः चांदी की ताकत

चांदी की खासियत यह है कि यह केवल निवेश का माध्यम नहीं है, बल्कि इसका बड़ा उपयोग उद्योगों में भी होता है। इसकी कुल मांग का 60% से अधिक हिस्सा इंडस्ट्रियल सेक्टर से आता है। इलेक्ट्रॉनिक्स, सोलर पैनल, ऑटोमोबाइल और ग्रीन एनर्जी जैसे सेक्टर में चांदी की मांग लगातार बढ़ रही है। विशेष रूप से सोलर इंडस्ट्री में इसका उपयोग तेजी से बढ़ा है, जो भविष्य में इसकी कीमतों को मजबूती दे सकता है। यही वजह है कि भले ही कीमतों में गिरावट आई हो, लेकिन इसके फंडामेंटल अभी भी मजबूत माने जा रहे हैं।

जियोपॉलिटिकल तनाव का असर

वैश्विक तनाव भी चांदी की कीमतों को प्रभावित करते हैं। आमतौर पर जब दुनिया में अनिश्चितता बढ़ती है, तो निवेशक सुरक्षित विकल्पों जैसे सोना और चांदी की ओर रुख करते हैं। लेकिन इस बार स्थिति थोड़ी अलग रही। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के कारण निवेशकों ने नकदी को प्राथमिकता दी। ऐसे हालात में अक्सर देखा जाता है कि अच्छे एसेट्स भी बिक जाते हैं, क्योंकि निवेशक अपने पोर्टफोलियो को संतुलित करने के लिए नकदी बढ़ाना चाहते हैं।

क्या यह निवेश का सही समय है?

विशेषज्ञों की राय में इस गिरावट को पूरी तरह नकारात्मक नजरिए से नहीं देखना चाहिए। यदि कीमतों में गिरावट अस्थायी कारणों जैसे डॉलर की मजबूती या बाजार की घबराहट की वजह से है, तो यह निवेश का अवसर बन सकती है। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए यह "बाय ऑन डिप्स" यानी गिरावट पर खरीदारी का अच्छा मौका हो सकता है। हालांकि, इसमें एकमुश्त निवेश करने के बजाय धीरे-धीरे निवेश करना ज्यादा सुरक्षित माना जाता है।

निवेश के लिए सही रणनीति

■ एक बार में पूरी रकम निवेश करने से बचें ■ चरणबद्ध तरीके से निवेश करें (एसआईपी या नियमित खरीदारी) ■ अपने पोर्टफोलियो में विविधता बनाए रखें ■ केवल चांदी पर निर्भर न रहें ■ ईटीएफ या डिजिटल सिल्वर जैसे विकल्पों पर भी विचार करें ■ आज के समय में कई निवेशक फिजिकल चांदी खरीदने के बजाय ईटीएफ और डिजिटल माध्यमों को प्राथमिकता दे रहे हैं, क्योंकि ये अधिक सुरक्षित और सुविधाजनक होते हैं।

तकनीकी संकेत क्या कहते हैं?

तकनीकी विश्लेषण के अनुसार, चांदी के कुछ महत्वपूर्ण स्तर सामने आए हैं। अगर कीमतें 2.46 लाख के ऊपर टिकती हैं, तो आगे 2.48 लाख तक तेजी देखने को मिल सकती है। वहीं, नीचे की ओर 2.35–2.30 लाख का स्तर मजबूत सपोर्ट माना जा रहा है। इसका मतलब है कि यहां से गिरावट सीमित हो सकती है, और कीमतें स्थिर होने की संभावना बनती है।

सप्लाई-डिमांड का समीकरण

चांदी के पक्ष में एक और मजबूत फैक्टर इसका सप्लाई-डिमांड बैलेंस है। पिछले कुछ वर्षों से बाजार में सप्लाई की तुलना में मांग अधिक बनी हुई है, जिससे सप्लाई डेफिसिट की स्थिति पैदा हो गई है। इसके अलावा, चीन जैसे बड़े बाजारों से लगातार मांग बनी हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कम इन्वेंट्री भी इस बात का संकेत देती है कि आने वाले समय में कीमतों को सपोर्ट मिल सकता है।

घबराएं नहीं, आगे बढ़ें

चांदी में आई हालिया गिरावट निश्चित रूप से चिंता पैदा करती है, लेकिन इसे पूरी तरह नकारात्मक संकेत नहीं माना जा सकता। बाजार में उतार-चढ़ाव स्वाभाविक है, खासकर तब जब किसी एसेट में पहले तेज तेजी देखने को मिली हो। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए चांदी अभी भी एक आकर्षक विकल्प बनी हुई है, बशर्ते निवेश सोच-समझकर और रणनीति के साथ किया जाए।

यह रखें ध्यान

- जल्दबाजी में निवेश से बचें
- गिरावट को अवसर के रूप में देखें, लेकिन जोखिम समझें
- चरणबद्ध निवेश सुरक्षित तरीका है
- पोर्टफोलियो में संतुलन बनाए रखें
- निवेश का सही समय वही होता है जब आप सही रणनीति और धैर्य के साथ फैसला लेते हैं।

सुरक्षा और ग्रोथ का संतुलन बनाकर महंगाई को दें मात, अपनाएं स्मार्ट निवेश रणनीति

45 के बाद निवेश : डर नहीं, समझदारी से ही बन पाएगी 'गोल्डन' रिटायरमेंट

तैयारी | बिजनेस डेस्क

आज के दौर में महंगाई सबसे बड़ा खतरा है। जो चीज आज 100 रुपये में मिलती है, वही 15–20 साल बाद 250 रुपये या उससे अधिक में मिल सकती है। ऐसे में केवल सुरक्षित निवेश विकल्पों पर निर्भर रहना आपके पैसे की वास्तविक वैल्यू को घटा सकता है। इसलिए जरूरी है कि निवेश का एक हिस्सा ऐसे साधनों में लगाया जाए, जो महंगाई को मात दे सकें और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सकें।

45 साल की उम्र को अक्सर निवेश के लिहाज से एक 'टर्निंग पॉइंट' माना जाता है। इस उम्र में पहुंचते ही अधिकांश लोग जोखिम लेने से कतराने लगते हैं और अपनी पूरी बचत को फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) या पारंपरिक स्कीमों में डालने की सोचने लगते हैं। लेकिन विशेषज्ञों का मानना है कि यह सोच अधूरी है। दरअसल, 45 की उम्र 'फिनिश लाइन' नहीं, बल्कि रिटायरमेंट की तैयारी का सबसे अहम दौर है। अभी भी आपके पास लगभग 15 साल का समय है, जिसे सही रणनीति के साथ इस्तेमाल कर आप अपने बुढ़ापे को आर्थिक रूप से मजबूत और सुरक्षित बना सकते हैं। आज के दौर में महंगाई सबसे बड़ा खतरा है। जो चीज आज 100 रुपये में मिलती है, वही 15-20 साल बाद 250 रुपये या उससे अधिक में मिल सकती है। ऐसे में केवल सुरक्षित निवेश विकल्पों पर निर्भर रहना आपके पैसे की वास्तविक वैल्यू को घटा सकता है। इसलिए जरूरी है कि निवेश का एक हिस्सा ऐसे साधनों में लगाया जाए, जो महंगाई को मात दे सकें और लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न दे सकें।

45 के बाद निवेश का सबसे महत्वपूर्ण सिद्धांत है संतुलन। न तो पूरा पैसा जोखिम वाले विकल्पों में लगाना समझदारी है और न ही पूरी तरह सुरक्षित विकल्पों में। इसके लिए 40:40:20 का फॉर्मूला काफी प्रभावी माना जाता है। इस फॉर्मूले के अनुसार, 40% निवेश सुरक्षा के लिए (बीमा और पेंशन योजनाएं), 40% ग्रोथ के लिए (म्यूचुअल फंड या इक्विटी) और 20% स्थिरता के लिए (सोना या सरकारी बॉन्ड) में लगाया जाना चाहिए।

बीमा और पेंशनः मजबूत नींव

45 की उम्र के बाद सबसे पहले आपको अपने और अपने परिवार की वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करनी चाहिए। टर्म इंश्योरेंस इस मामले में एक मजबूत ढाल का काम करता है, जो आपके न रहने पर परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है। वहीं, हेल्थ इंश्योरेंस भी बेहद जरूरी है, क्योंकि इस उम्र के बाद स्वास्थ्य संबंधी जोखिम बढ़ने लगते हैं और इलाज का खर्च आपकी बचत को तेजी से खत्म कर सकता है। इसके अलावा, एन्युटी या पेंशन योजनाएं रिटायरमेंट के बाद नियमित आय का भरोसा देती हैं। इससे आपको दूसरों पर निर्भर रहने की जरूरत नहीं पड़ती और आप आत्मनिर्भर जीवन जी सकते हैं।

इक्विटी से दूरी बनाना गलती

अक्सर लोग यह मान लेते हैं कि 45 के बाद शेयर बाजार में निवेश करना जोखिम भरा है, इसलिए वे इससे दूरी बना लेते हैं। लेकिन यह एक बड़ी गलती हो सकती है। महंगाई को मात देने के लिए इक्विटी निवेश जरूरी है। हालांकि, इसमें निवेश सोच-समझकर और लंबे समय के नजरिए से करना चाहिए। यदि सीधे शेयर बाजार की समझ नहीं है, तो म्यूचुअल फंड के जरिए निवेश करना बेहतर विकल्प हो सकता है। जब भी बाजार में अस्थिरता बढ़ती है, सोना आपके पोर्टफोलियो को संतुलन देता है। इसलिए कुल निवेश का 10-20% हिस्सा सोने में रखना एक अच्छी रणनीति मानी जाती है।

अनुशासन और धैर्य जरूरी

45 की उम्र में सबसे बड़ा जोखिम 'जल्दी अमीर बनने' की चाह होती है। कई लोग ज्यादा रिटर्न के लालच में गलत निवेश कर बैठते हैं और अपनी पूंजी गंवा देते हैं। इसलिए इस उम्र में निवेश करते समय अनुशासन और धैर्य बेहद जरूरी है। नियमित निवेश लंबी अवधि का नजरिया सफलता की कुंजी हैं।

वित्तीय ज्ञान बढ़ाना भी जरूरी

सिर्फ निवेश करना ही काफी नहीं है, बल्कि निवेश की समझ होना भी जरूरी है। अच्छी वित्तीय किताबें पढ़ना, विशेषज्ञों की सलाह लेना और समय-समय पर अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करना आपको सही दिशा में आगे बढ़ने में मदद करता है। याद रखें, अमीर बनना जितना जरूरी है, उतना ही जरूरी है अमीर बने रहना।

समझदारी से मैनेज करें

45 के बाद निवेश का मतलब जोखिम से भागना नहीं, बल्कि उसे समझदारी से मैनेज करना है। यह वह समय है जब आपको अपनी कमाई को सुरक्षित रखने के साथ-साथ उसे बढ़ाने पर भी ध्यान देना चाहिए। सही रणनीति, संतुलित पोर्टफोलियो और अनुशासित निवेश के जरिए आप अपने रिटायरमेंट को न केवल सुरक्षित, बल्कि आरामदायक भी बना सकते हैं। आज लिया गया सही फैसला ही आने वाले वर्षों में आर्थिक स्वतंत्रता और मानसिक शांति देगा।

बच्चों की पढ़ाई के लिए ऐसे तैयार करें 1 करोड़ का फंड

बिजनेस डेस्क

आज के दौर में शिक्षा सिर्फ जरूरत नहीं, बल्कि एक बड़ा वित्तीय लक्ष्य बन चुकी है। खासकर अगर आप अपने बच्चे को विदेश में पढ़ाना चाहते हैं, तो खर्च आसानी से 1 करोड़ रुपये या उससे अधिक तक पहुंच सकता है। ऐसे में माता-पिता के सामने सबसे बड़ा सवाल यही होता है। इतनी बड़ी रकम कैसे जुटाई जाए? अच्छी बात यह है कि सही रणनीति, समय पर शुरुआत और अनुशासित निवेश के जरिए यह लक्ष्य पूरी तरह हासिल किया जा सकता है।

जल्दी शुरुआत ही सबसे बड़ी ताकत

बच्चे की पढ़ाई के लिए फंड बनाने में समय सबसे अहम फैक्टर है। अगर आपका बच्चा अभी 2–5 साल का है, तो आपके पास 12–15 साल का लंबा समय होता है। यह समय आपको कंपाउंडिंग (ब्याज पर ब्याज) का पूरा फायदा देता है। जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, उतना कम पैसा लगाकर भी बड़ा फंड बना सकते हैं।

सही रणनीति
टर्म प्लान+एसआईपी का कॉम्बिनेशन

टर्म इंश्योरेंस क्यों जरूरी

अगर परिवार के कमाने वाले व्यक्ति के साथ कोई अनहोनी हो जाए, तो बच्चे की पढ़ाई प्रभावित न हो—इसके लिए टर्म प्लान सुरक्षा कवच का काम करता है।

एसआईपी कैसे मदद करती है?

म्यूचुअल फंड में एसआईपी के जरिए हर महीने छोटी-छोटी रकम निवेश करके बड़ा फंड बनाया जा सकता है।

ऐसे समझें

- अगर आप हर महीने 20,000 एसआईपी में निवेश करते हैं और औसतन 12% रिटर्न मिलता है, तो 12–15 साल में लगभग 90 लाख रुपये से 1 करोड़ रुपये तक का फंड तैयार हो सकता है।
- सिर्फ शेयर बाजार (इक्विटी) में निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है। इसलिए निवेश को संतुलित रखना जरूरी है।

पीपीएफ (पब्लिक प्रोविडेंट फंड)

अगर आप हर साल 1.5 लाख रुपये (महीने के 12,500 रुपये) पीपीएफ में निवेश करते हैं, तो 15 साल में करीब 40 लाख रुपये का फंड बन सकता है।

एसआईपी+पीपीएफ का कॉम्बिनेशन

- 10,000 मासिक एसआईपी लगभग 60 लाख रुपये
- 1.5 लाख सालाना पीपीएफ लगभग 40 लाख रुपये
- कुल मिलाकरः 1 करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल

बेटी के लिए सुकन्या समृद्धि योजना

अगर आपकी बेटी है, तो सुकन्या समृद्धि योजना (एसएसवाई) एक शानदार विकल्प है। इसमें सरकार द्वारा तय किया गया आकर्षक ब्याज मिलता है और यह पूरी तरह सुरक्षित है। लंबे समय में एसएसवाई से लगभग 60–70 लाख रुपये तक का फंड बन सकता है। इसके साथ 3,000–5,000 रुपये की एसआईपी जोड़ने से 1 करोड़ का लक्ष्य आसानी से पूरा किया जा सकता है।

चाइल्ड इंश्योरेंस प्लान : फायदे और सीमाएं

कुछ माता-पिता चाइल्ड इंश्योरेंस प्लान भी चुनते हैं, जिसमें बीमा और निवेश दोनों शामिल होते हैं। माता-पिता के न रहने पर भी प्रीमियम जारी रहता है। मैच्योरिटी पर बच्चे को पूरा पैसा मिलता है।

कुछ कमियां भी

- रिटर्न अपेक्षाकृत कम
- लंबा लॉक-इन पीरियड
- कम लचीलापन
- इसलिए विशेषज्ञ आमतौर पर टर्म प्लान+एसआईपी को ज्यादा बेहतर विकल्प मानते हैं। अगर आप हर साल 1–1.5 लाख रुपये का निवेश करते हैं और औसतन 10–12% का रिटर्न मिलता है, तो 12–15 साल में 1 करोड़ रुपये का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

अनुशासित निवेश व कंपाउंडिंग मामूली बचत को बना देगा बड़ा फंड

रणनीति | बिजनेस डेस्क

हर माह 10,000 के निवेश से बना सकते हैं 3 करोड़ तक, '10x12x30' के फॉर्मूले से समझें अमीर बनने का गणित, छोटी बचत, लंबा समय और कंपाउंडिंग का जादू देगा आर्थिक ताकत

हर व्यक्ति चाहता है कि उसकी रिटायरमेंट लाइफ आर्थिक रूप से सुरक्षित और तनावमुक्त हो। लेकिन अक्सर यह सवाल उठता है कि करोड़ों का फंड आखिर कैसे तैयार किया जाए? क्या इसके लिए भारी-भरकम कमाई या कोई बड़ी विरासत जरूरी है? जवाब है नहीं। सही रणनीति, अनुशासन और समय के साथ आप एक सामान्य आय में भी बड़ा फंड बना सकते हैं। इसी सोच को आसान बनाने के लिए वित्तीय जगत में एक लोकप्रिय फार्मूला चर्चा में है '10x12x30' फॉर्मूला। यह कोई जादू नहीं, बल्कि एक साधारण गणित है, जो म्यूचुअल फंड एसआईपी के जरिए करोड़ों का फंड तैयार करने का रास्ता दिखाता है।

क्या है '10x12x30' फॉर्मूला?

- यह फॉर्मूला तीन मुख्य स्तंभों पर आधारित है—बचत, रिटर्न और समय।
- 10 (बचत) : हर महीने 10,000 रुपये की नियमित निवेश राशि।
- 12 (रिटर्न): औसतन 12% सालाना रिटर्न (लॉन्ग टर्म इक्विटी म्यूचुअल फंड्स में संभावित)।
- 30 (समय): लगातार 30 साल तक धैर्य के साथ निवेश किया जाए।
- इन तीनों का संयोजन ही इस फॉर्मूले की ताकत है। यह बताता है कि छोटे-छोटे निवेश भी समय के साथ कितना बड़ा रूप ले सकते हैं।

कैसे बनता है 3 करोड़ रुपये का फंड

- मान लीजिए आप 30 साल की उम्र में निवेश शुरू करते हैं और 60 साल तक जारी रखते हैं।
- मासिक एसआईपी : 10,000 रुपये
- कुल अवधिः 30 साल
- अनुमानित रिटर्नः 12%
- इस दौरान आपका कुल निवेश होगा करीब 36 लाख रुपये, लेकिन कंपाउंडिंग की वजह से यह रकम बढ़कर लगभग 3.08 करोड़ रुपये तक हो सकती है।
- यानी आपने जितना पैसा लगाया, उससे कई गुना ज्यादा आपको रिटर्न के रूप में मिलता है। यही इस फॉर्मूले का असली आकर्षण है।

कंपाउंडिंगः असली गेम चेंजर

इस पूरी रणनीति की जान है कंपाउंडिंग, जिसे "ब्याज पर ब्याज" भी कहा जाता है। शुरुआती वर्षों में आपका निवेश धीमी गति से बढ़ता नजर आता है। कई लोगों को लगता है कि फायदा कम हो रहा है, लेकिन यही वह समय होता है जब नींव तैयार हो रही होती है। जैसे-जैसे समय बढ़ता है, आपका निवेश तेजी से बढ़ने लगता है। खासकर आखिरी 10-15 सालों में कंपाउंडिंग का असर विस्फोटक हो जाता है। उदाहरण के तौर पर, पहले 15 साल में जो ग्रोथ दिखती है, उससे कई गुना ज्यादा ग्रोथ अगले 15 साल में देखने को मिलती है।

जल्दी शुरुआत का बड़ा फायदा

इस फॉर्मूले का सबसे अहम हिस्सा है समय। अगर आप 30 की बजाय 25 साल की उम्र में निवेश शुरू करते हैं और 35 साल तक एसआईपी जारी रखते हैं, तो वही 10,000 की राशि करीब 6 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है। इसका मतलब साफ है कि जितनी जल्दी शुरुआत करेंगे, उतना ज्यादा फायदा मिलेगा।

स्टेप-अप एसआईपी से लक्ष्य आसान

केवल 10,000 रुपये पर ही टिके रहना जरूरी नहीं है। जैसे-जैसे आपकी आय बढ़ती है, वैसे-वैसे एसआईपी राशि भी करीब 10 फीसदी तक बढ़ाई जानी चाहिए। इसे ही स्टेप-अप एसआईपी कहा जाता है।अगर आप हर साल अपनी एसआईपी में 5% से 10% की बढ़ोतरी करते हैं, तो आप 3 करोड़ का लक्ष्य और भी जल्दी हासिल कर सकते हैं। यह तरीका खासतौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी है, जिनकी सैलरी हर साल बढ़ती है।

निवेश के दौरान रखें ध्यान

1. **अनुशासन बनाए रखें** : बाजार में गिरावट या उतार-चढ़ाव के समय एसआईपी बंद करना सबसे बड़ी गलती हो सकती है।
2. **लंबी अवधि का नजरिया रखें** : शेयर बाजार में शॉर्ट टर्म उतार-चढ़ाव सामान्य है, लेकिन लंबी अवधि में ग्रोथ की संभावना अधिक रहती है। इसलिए हमेशा लंबी अवधि के लिए निवेश करें।
3. **धैर्य जरूरी है** : पहले कुछ सालों में रिटर्न कम दिख सकता है, लेकिन धैर्य रखने से ही बड़ा फायदा मिलता है।

क्या यह फॉर्मूला हर किसी के लिए सही है

यह फॉर्मूला एक सामान्य गाइडलाइन है, न कि गारंटी। 12% रिटर्न एक अनुमान है, जो बाजार की स्थिति पर निर्भर करता है। इसलिए निवेश शुरू करने से पहले अपनी जोखिम क्षमता, लक्ष्य और समय सीमा को समझना जरूरी है। जरूरत पड़े तो वित्तीय सलाहकार से भी सलाह ली जा सकती है।

सही योजना और अनुशासन जरूरी

'10x12x30' फॉर्मूला यह साबित करता है कि अमीर बनने के लिए असाधारण आय नहीं, बल्कि सही योजना और अनुशासन जरूरी है। 10,000 रुपये जैसी साधारण मासिक बचत भी 30 साल में 3 करोड़ सही योजना और अनुशासन जरूरी से ज्यादा का फंड बना सकती है बस जरूरत है समय, धैर्य और निरंतरता की। कुल मिलाकर यही कहा जा सकता है कि निवेश की दुनिया में सबसे बड़ा हथियार पैसा नहीं, बल्कि समय और अनुशासन है। जो व्यक्ति इन दोनों को सही तरीके से इस्तेमाल करता है, वही असली मायने में आर्थिक रूप से मजबूत बनता है और आपकी आर्थिक आजादी को सुनिश्चित करता है।

गलत पोश्चर, ओवर-ट्रेनिंग से चूक रहे शूटर्स व तीरंदाजों के 'निशाने'

- टेंडोनाइटिस और टेनिस एल्बो के मामले लगातार बढ़ रहे
- कोच व डॉक्टर्स की चेतावनी, समय पर सुधार जरूरी
- मामूली दर्द की अनदेखी बन रही करियर के लिए खतरा
- मौसम में बदलाव व शरीर का एडाप्टेशन न होना बढ़ा रहा चोट का खतरा
- कंधे, कलाई और रीढ़ पर सबसे ज्यादा पड़ रहा दबाव
- दर्द और सूजन को हल्के में लेना पड़ सकता है भारी
- सही तकनीक, वार्मअप और रिकवरी है सबसे जरूरी

संडे स्पेशल

रोहित डागर ▶▶ रोहतक

तीरंदाजी और शूटिंग जैसे खेल भले ही मानसिक एकाग्रता और सटीकता के लिए जाने जाते हों, लेकिन इनकी सफलता पूरी तरह शारीरिक संतुलन और फिटनेस पर भी निर्भर करती है। हाल के दिनों में विशेषज्ञों ने चिंता जताई है कि गलत पोश्चर, ओवर-ट्रेनिंग और रिकवरी की कमी के कारण खिलाड़ियों में चोटों के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। खासकर टेंडोनाइटिस, टेनिस एल्बो, कंधे की मांसपेशियों में खिंचाव और रीढ़ से जुड़ी समस्याएं आम होती जा रही हैं। कई खिलाड़ी शुरुआती दर्द और सूजन को नजरअंदाज कर देते हैं, जिससे समस्या गंभीर रूप ले लेती है और करियर पर खतरा मंडराने लगता है। कोच और डॉक्टरों का मानना है कि सही तकनीक, संतुलित अभ्यास, पर्याप्त आराम और पौष्टिक आहार ही इन खतरों से बचाव का सबसे प्रभावी तरीका है। समय रहते सावधानी बरतना ही खिलाड़ियों को लंबे समय तक फिट और सुरक्षित रख सकता है।

एआई जेनरेटिड फोटो।

स्थिरता ही सुरक्षा, रिकवरी के लिए समय देना जरूरी

पिस्टल और राइफल शूटिंग में शरीर का संतुलन और कोर स्ट्रेंथ ही रीढ़ की हड्डी को सुरक्षा प्रदान करती है। इन खेलों में मांसपेशियों में खिंचाव, गर्दन व कमर दर्द और कलाई में तनाव का मुख्य कारण गलत पोश्चर और रिकवरी के लिए समय न देना है। अभ्यास से पहले हल्की जॉगिंग, साइकिलिंग और मोबिलिटी ड्रिल्स। शोल्डर, बैक और कोर एक्सरसाइज। प्रैक्टिस के बाद अनिवार्य रूप से स्ट्रेचिंग और रेजिस्टेंस बैंड ट्रेनिंग जरूरी है।

-संदीप नेहरा, कोच, शूटिंग

सही तकनीक का प्रयोग करें

तीरंदाजी में सबसे सामान्य चोट उंगलियों और हथेली का कटना-छिलना है। शोल्डर (रोटेटर कफ टेंडोनाइटिस) भी बड़ी समस्या है। धनुष की डोरी खींचते समय जब कंधे की छोटी मांसपेशियां दबाव नहीं सह पातीं, तो वे फट सकती हैं। शूटिंग में गलत तकनीक या भारी रिकोइल वाले हथियारों से टेनिस एल्बो या कोहनी की टेंडोनाइटिस होने का खतरा है। तीरंदाजों को हमेशा फिंगर-टैब, प्रबलित दस्ताने और फोरआर्म ब्रेस पहनना चाहिए। कंधे और पीठ की स्थिरता के लिए स्कैपुलर स्टेबलाइजर, प्लैंक, रोइंग और रेजिस्टेंस-बैंड वाले व्यायाम अनिवार्य हैं। शूटर्स को अपनी रीढ़ सीधी रखनी चाहिए। यदि दर्द 2-3 हफ्तों से अधिक बना रहे तो सुन्नपन, कमजोरी या बुखार महसूस होना। तीरंदाज अक्सर धनुष खींचते समय पीठ की बड़ी मांसपेशियों के बजाय बाइसेप्स का उपयोग करते हैं, जो गलत है।

-डॉ. राजेश रोहिल्ला, वरिष्ट प्रोफेसर एवं खेल चिकित्सा एवं खेल चोट केंद्र के विभागाध्यक्ष, पीजीआईएमएस, रोहतक

मौसम और तकनीक का घातक मेल

मैं खुद टेंडोनाइटिस (कंधे की मांसपेशी फटने) की समस्या से जूझ रही हूं। मुझे यह चोट अत्यधिक अभ्यास और अचानक मौसम बदलने के हुई। मैने अपना इलाज साई और सफदरजंग अस्पताल में करवाया। तीरंदाजी में कंधे, उंगलियां, कोहनी और कलाई सबसे अधिक संवेदनशील होते हैं। अत्यधिक अभ्यास के साथ-साथ अचानक मौसम का बदलना शरीर के अनुकूलन को प्रभावित करता है, जिससे चोट का खतरा दोगुना हो जाता है। प्रशिक्षण हमेशा एक विशेषज्ञ कोच की देखरेख में होना चाहिए।

-पूजा, तीरंदाजी कोच व खिलाड़ी

दर्द को नजरअंदाज न करें

खिलाड़ी अक्सर छोटे दर्द को नजरअंदाज करते हैं, जो बाद में करियर के लिए घातक सिद्ध होता है। यदि किसी खिलाड़ी को अभ्यास के दौरान या बाद में सूजन, अकड़न, कमजोरी या लगातार दर्द महसूस हो, तो इसे कभी अनदेखा न करें। दर्द या सूजन होने पर सबसे पहले बर्फ की सिकाई करें। हल्की स्ट्रेचिंग से मांसपेशियों के तनाव को कम करने का प्रयास करें। स्पेशलिस्ट डॉक्टर की सलाह लें। आहार में दालें, अंडे, दूध-दही और पनीर को शामिल करें। हल्दी और अदरक सूजन कम करते हैं। दिन में 2.5 से 3 लीटर पानी पिएं। अच्छी रिकवरी के लिए 7–8 घंटे की नींद और फिजियोथेरेपी लें। -डॉ. हेमलता, स्पोर्ट्स फिजियोथेरेपिस्ट, पीजीआईएमएस, रोहतक

आईपीएल पाइंट टेबल

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
पंजाब	8	6	1	13
बेंगलुरु	9	6	3	12
हैदराबाद	9	6	3	12
राजस्थान	10	6	4	12
गुजरात	9	5	4	10
चेन्नई	9	4	5	8
दिल्ली	9	4	5	8
कोलकाता	8	2	5	5
मुंबई	9	2	7	4
लखनऊ	8	2	6	4

ऑरेंज कैप

लोकेश राहुल
433 रन
दिल्ली

पर्पल कैप

भुवनेश्वर कुमार
17 विकेट
बेंगलुरु

खबर संक्षेप

फिनिशर की भूमिका का ले रहा हूं आनंद : आशुतोष

जयपुर। दिल्ली कैपिटल्स के बल्लेबाज आशुतोष शर्मा ने कहा कि वह मौजूदा आईपीएल में फिनिशर की भूमिका निभाने का आनंद ले रहे हैं और टीम की जीत में योगदान देकर उन्हें बहुत खुशी होती है। आशुतोष ने कहा, 'मुझे अपनी टीम के लिए फिनिशर की भूमिका निभाकर अच्छा लगता है। टीम ने इन परिस्थितियों में मुझ पर भरोसा किया है और मुझे ऐसे मौकों पर खेलना पसंद है। मुझे हमेशा लगता है कि जब तक मैं क्रीज पर हूं, टीम को जीत दिला सकता हूं।'

परिस्थितियों को देखकर चुनेंगे सर्वश्रेष्ठ टीम : साउथी

हैदराबाद। कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाजी कोच टिम साउथी ने रविवार को सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले मैच में श्रीलंका के तेज गेंदबाज मथीशा पथिराना को अंतिम एकादश में शामिल करने को लेकर संशय बरकरार रखते हुए कहा कि टीम प्रबंधन परिस्थितियों को देखकर सर्वश्रेष्ठ टीम का चयन करेगा।

गायकवाड़ ने 67* रन की शानदार पारी खेली, बने मैन ऑफ द मैच

चेन्नई ने मुंबई को 8 विकेट से हराया

भाषा ▶▶ चेन्नई

गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद मुंबई इंडियंस को छोटे स्कोर पर रोकने के बाद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) ने कप्तान रुतुराज गायकवाड़ (नाबाद 67) और कार्तिक शर्मा (नाबाद 54) के बीच तीसरे विकेट के लिए 75 गेंद में 98 रन की अटूट साझेदारी की मदद से शनिवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के एक अहम मैच में आठ विकेट से जीत दर्ज की। अफगानिस्तान के बाएं हाथ के स्पिनर नूर अहमद (26 रन देकर दो विकेट) और अंशुल कंबोज (32 रन देकर तीन विकेट) की अनुशासित गेंदबाजी की बदौलत सीएसके ने मुंबई इंडियंस को सात विकेट पर महज 159 रन पर रोक दिया। फिर गायकवाड़ की 48 गेंद में पांच चौके और दो छक्के जड़ित नाबाद पारी और कार्तिक (40 गेंद में चार चौके और तीन छक्के) के पहले आईपीएल अर्धशतक से 18.1 ओवर में दो विकेट पर 160 रन बनाकर आसान जीत हासिल की जो इस सत्र में उसकी चौथी जीत है। लगातार निराशाजनक प्रदर्शनों के बाद पांच पांच आईपीएल खिताब जीत चुकी दोनों ही टीम का टूर्नामेंट में आगे का सफर इस मैच के नतीजे पर निर्भर था। सीएसके इस जीत से आठ अंक लेकर छठे स्थान पर पहुंच गई जिससे उसकी प्लेऑफ में कदम बढ़ाने की संभावना बरकरार है जबकि मुंबई इंडियंस चार अंक से नौंवे स्थान पर है। लक्ष्य इतना बड़ा नहीं था, गायकवाड़ और कार्तिक जल्दी मैच खत्म कर सकते थे लेकिन दोनों ने संयमित

बल्लेबाजी करने को तरजीह दी। मुंबई इंडियंस के लिए जसप्रीत बुमराह (20 रन देकर एक विकेट) ने दूसरे ओवर में एक बेहतरीन गेंद से शुरुआत की। उनकी अच्छी लेंथ गेंद संजू सैमसन (11 रन) के बल्ले का बाहरी किनारा छूती हुई निकली, लेकिन स्लिप में खड़े विल जैक्स ने एक आसान सा कैच टपका दिया। पर सैमसन इस जीवनदान का फायदा नहीं उठा सके और ओवर के आखिर में रेयान रिकेलटन को कैच दे बैठे। ट्रेंट बोल्ट ने पहले ओवर में सात रन दिए लेकिन सीएसके के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने उनके दूसरे ओवर में दो चौके और एक छक्के से 17 रन जुटाए। कृष भगत के पहले आवेर में उर्विल पटेल (24 रन, 12 गेंद) ने डीप फाइन लेग पर छक्का जड़कर शुरूआत की और अगली गेंद को लांग ऑन पर चौके के लिए भेजा।

मुंबई- 159/7

खिलाड़ी	रन
जैक्स का रामकृष्ण बो कंबोज	01
रेयान रिकलटन का पटेल बो नूर	37
नमन धीर का सब बो ओवरटन	57
सूर्यकुमार का ब्रेविस बो रामकृष्ण	21
तिलक वर्मा का गायकवाड़ बो नूर	05
हार्दिक का ब्रेविस बो कंबोज	18
रोबिन मिंज बो कंबोज	05
कृष भगत नाबाद	03
ट्रेंट बोल्ट नाबाद	07

अतिरिक्त : 05
कुल : 20 ओवर में सात विकेट पर 159 रन
विकेट पतन : 1-1, 2-59, 3-99, 4-109, 5-134, 6-139, 7-151
गेंदबाजी : मुकेश 3-0-25-0, कंबोज 4-0-32-3, प्रशांत 2-0-25-0, नूर 4-0-26-2, रामकृष्ण 3-0-24-1, ओवरटन 4-0-23-1

चेन्नई- 160/2

खिलाड़ी	रन
सैमसन का रिकेलटन बो बुमराह	11
रुतुराज गायकवाड़ नाबाद	67
उर्विल पटेल बो गजनफर	24
कार्तिक शर्मा नाबाद	54

अतिरिक्त : 04
कुल : 18.1 ओवर में दो विकेट पर 160 रन
विकेट पतन : 1-13, 2-62
गेंदबाजी : बोल्ट 3.1-0-37-0, बुमराह 3-0-20-1, भगत 2-0-22-0, गजनफर 4-0-40-1, रघु शमा 4-0-24-0, हार्दिक पंड्या 2-0-17-0

वापसी को बेताब पंजाब किंग्स गुजरात की हैट्रिक पर नजर

अहमदाबाद। पिछले मैच में पंजाब किंग्स का जीत का सिलसिला टूट गया और वह लगातार तीसरी जीत हासिल करने के लिए प्रतिबद्ध गुजरात टाइटंस के खिलाफ रविवार को होने वाले आईपीएल में अपने अभियान को फिर से पटरी पर लाने की कोशिश करेगा। राजस्थान रॉयल्स ने इस सप्ताह के शुरू में पंजाब किंग्स के अजेय अभियान पर रोक लगा दी थी। हालांकि पंजाब किंग्स की टीम 8 मैचों में 13 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बनी हुई है, लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), सनराइजर्स हैदराबाद और राजस्थान रॉयल्स उससे सिर्फ एक अंक पीछे हैं।

नाइट राइडर्स के खिलाफ दबदबा बनाए रखने उतरेगा सनराइजर्स

हैदराबाद। अपने बल्लेबाजों के दमदार प्रदर्शन से खिताब के दावेदारों में शामिल हुई सनराइजर्स हैदराबाद की टीम कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) के खिलाफ रविवार को होने वाले आईपीएल में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखने के लिए किसी तरह की कसर नहीं छोड़ेगी। सनराइजर्स की टीम लगातार 5 मैच जीत चुकी है और अंकतालिका में 9 मैचों में 12 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर है। उसने अब तक 6 मैच जीते हैं जबकि 3 मैच में उसे हार का सामना करना पड़ा है। दूसरी ओर अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में केकेआर की टीम अभी तक संघर्ष करती रही है, लेकिन उसने अपने आखिरी दो मैच जीते हैं।

सिनर ने की 350वीं जीत हासिल, फाइनल में एंट्री

मैड्रिड। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी यानिक सिनर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अपने कॅरियर की 350वीं जीत हासिल की और पहली बार मैड्रिड ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई। सिनर ने आर्थर फिल्स को 6-2, 6-4 से हराकर अपनी जीत का सिलसिला 22 मैच तक बढ़ा दिया। सिनर लगातार पांचवें मास्टर्स 1000 टूर्नामेंट में दुनिया में तीसरे नंबर के खिलाड़ी एलेक्जेंडर ज़्वेरेव का सामना करेंगे। जर्मन खिलाड़ी ने सेमीफाइनल में बेल्जियम के एलेक्जेंडर ब्लॉकक्स को 6-2, 7-5 से हराया। सिनर लगातार पांच मास्टर्स 1000 खिताब जीतने वाले पहले पुरुष खिलाड़ी बनने की कोशिश करेंगे। उन्होंने इससे पहले पेरिस, इंडियन वेल्स, मियामी और मोंटे कार्लो में खिताब जीते थे। सिनर 2000 के दशक में जन्में पहले ऐसे खिलाड़ी बन गए हैं, जिन्होंने अपने करियर में 350 मैच जीते हैं।

हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान व सीबीएसई सेफा में

राष्ट्रीय गर्ल्स क्रिकेट चैंपियनशिपः चौथे दिन हुए रोमांचक मुकाबले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जिला शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित पांच दिवसीय राष्ट्रीय अंडर-17 गर्ल्स क्रिकेट चैंपियनशिप अब अपने अंतिम पड़ाव पर है। प्रतियोगिता के चौथे दिन शनिवार को करो या मरो के मुकाबलों में खिलाड़ियों का जबरदस्त कौशल और रोमांच देखने को मिला। शनिवार को खेले गए प्री-क्वार्टर और क्वार्टर फाइनल मुकाबलों के बाद हरियाणा, दिल्ली, राजस्थान और सीबीएसई की टीमों ने सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। हरियाणा की टीम ने एकतरफा मुकाबले में उत्तराखंड को 10 विकेट से करारी शिकस्त देकर सेमीफाइनल में धमाकेदार प्रवेश किया। महाराजा अग्रसेन स्टेडियम पर खेले गए मैच में सीबीएसई ने केवीएस को मात्र 5 रनों से हराकर अंतिम चार में जगह बनाई। दिल्ली ने आंध्र प्रदेश को पराजित किया, वहीं चंडीगढ़ और राजस्थान के बीच हुए मुकाबले में राजस्थान ने 4 विकेट से जीत दर्ज की। जिला शिक्षा अधिकारी मनजीत मलिक ने खिलाड़ियों के अनुशासन और खेल भावना की प्रशंसा की। उन्होंने टूर्नामेंट को सफल बनाने के लिए एसजीएफआई ऑब्जर्वर मुक्ता बब्बर, रविन्द्र हुड्डा और जिला शिक्षा विभाग की पूरी टीम के समन्वय की सराहना की। इस अवसर पर डीपीसी सुमन हुड्डा, उप जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. नरेश कुमार, खंड शिक्षा अधिकारी अशोक नांदल, संजय हुड्डा, गीता, और विभिन्न स्कूलों के प्राचार्य व खेल अधिकारी मुख्य रूप से मौजूद रहे। अब सभी की निगाहें कल होने वाले सेमीफाइनल और खिताबी मुकाबले पर टिकी हैं।

सात साल के इशांक ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड 10 घंटे में एक देश से तैरकर पहुंचे दूसरे देश

नई दिल्ली। रांची के 7 वर्षीय इशांक सिंह ने श्रीलंका और भारत के बीच पाक स्ट्रेट में 29 किलोमीटर तैराकी का नया वर्ल्ड रिकॉर्ड बना डाला है। 7 साल के इशांक सिंह ने श्रीलंका के तलैमन्नार से तैरना शुरू किया और भारत के धनुषकोडी पहुंचे। गजब की बात यह रही कि उन्होंने यह दूरी 9 घंटे 50 मिनट में तय कर ली। रिपोर्ट्स के अनुसार 7 वर्षीय इशांक सिंह दुनिया के सबसे युवा तैराक बन गए हैं, जिन्होंने पाक स्ट्रेट मार्ग को पार किया है। यह अपने आप में एक वर्ल्ड रिकॉर्ड बन गया है। इस मार्ग को पार करना बहुत मुश्किल माना जाता है क्योंकि यहां समुद्र की ऊंची-ऊंची लहरें और पानी के तेज बहाव होता है। इसके बावजूद इशांक ने 9 घंटे 50 मिनट में यह दूरी पार की।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

इंडियन इंडोर ओपन

एथलीट कुलदीप ने तोड़ा में राष्ट्रीय रिकॉर्ड

भुवनेश्वर। मध्य प्रदेश के पोल वॉल्ट एथलीट कुलदीप कुमार ने पहले 'इंडियन इंडोर ओपन कंबाइंड इवेंट्स और पोल वॉल्ट' प्रतियोगिता के पहले दिन 5.41 मीटर की ऊंचाई पार करके राष्ट्रीय रिकॉर्ड तोड़ दिया। 21 साल के कुमार अपने पहले इंडोर टूर्नामेंट में हिस्सा ले रहे थे। उन्होंने ने अपने पहले ही प्रयास में जीतने वाली छलांग लगाई। उन्होंने पिछले साल मध्य प्रदेश के ही एक और एथलीट देव कुमार मीना के बनाए 5.40 मीटर के राष्ट्रीय रिकॉर्ड को बेहतर बनाया। देव कुमार मीना खुद कलिंगा स्टेडियम की इंडोर सुविधा में 5.20 मीटर के प्रयास के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **महेश कुमार प्रोपराइटर, मै0 कोर कंस्ट्रक्शन, कार्यालय पताः बी–26, पहली मंजिल, शिवालिक मालवीय नगर, नई दिल्ली और मकान नं. 370–ए , ऊपरी मंजिल, संतनगर, ईस्ट ऑफ कैलाश, नई दिल्ली ने सीसी सं. 2769 / 2021 धारा 138 एनआई एक्ट के तहत थानाः कीर्ति नगर, नई दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उन्होंने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **महेश कुमार** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **महेश कुमार** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **सीसी सं. 2769 / 2021 धारा 138 एनआई एक्ट के तहत थानाः कीर्ति नगर, नई दिल्ली के उक्त महेश कुमार** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.06.2026** को या इससे पहले हाजिर हों।

आदेशानुसार
गौरव सिंगल
न्यायिक दण्डाधिकारी, प्रथम श्रेणी–06 (पश्चिम),
कमरा नं0. 355, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली
DP/5793/WD/2026

थॉमस कप सेमीफाइनल : आयुष और श्रीकांत हारे, फ्रांस ने भारत पर 2-0 से बढ़त बनाई

भाषा ▶▶ होर्सेंस (डेनमार्क)

▶▶ 20 साल के आयुष को लक्ष्य सेन की दाहिनी कोहनी में सूजन के बाद उतारा गया, नहीं जीत पाए मैच

आयुष शेट्टी और किदांबी श्रीकांत के शनिवार को सीधे गेम में हारने से फ्रांस ने थॉमस कप फाइनल्स के सेमीफाइनल में भारत पर 2-0 से बढ़त बना ली। आयुष को शुरूआती एकल में दुनिया के चौथे नंबर के खिलाड़ी क्रिस्टो पोपोव से और फिर दूसरे एकल में श्रीकांत को दुनिया के 10वें नंबर के खिलाड़ी एलेक्स लैनियर से हार मिली। 20 साल के आयुष को शुरुआती सिंगल्स में तब उतारा गया क्योंकि लक्ष्य सेन की दाहिनी कोहनी में सूजन थी। पर आयुष फ्रांस के पोपोव की रणनीति का मुकाबला करने में नाकाम रहे और 39 मिनट में 11-21, 9-21 से पराजित हो गए। इसके बाद सभी की नजरें श्रीकांत पर थीं कि वे मैच बराबर करें, लेकिन दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी कड़ी चुनौती पेश करने के बावजूद भी 16-21, 18-21 से हार गए। श्रीकांत ने मैच की शुरुआत बराबरी पर की। वह 3-3 से बराबरी पर थे। लेकिन लैनियर ने ब्रेक तक बढ़त बना ली। श्रीकांत को अपनी गलतियों से जूझना पड़ा और वे 9-14 से पीछे हो गए। हालांकि उन्होंने थोड़ी वापसी करते हुए अंतर को कम करके 15-18 तक पहुंचाया, लेकिन नेट पर एक गलती के कारण लैनियर ने गेम प्वाइंट जीत लिया। दूसरा गेम भी कुछ इसी तरह का रहा। श्रीकांत ने शुरुआती पिछड़ने के बाद वापसी की और लगातार आक्रामक विनर लगाकर 7-7 से बराबरी कर ली। लेकिन लैनियर की रणनीति के कारण भारतीय खिलाड़ी से गलतियां हुईं और वे 10-15 से पीछे हो गए। श्रीकांत ने कोशिश की और अंतर को कम करके 15-16 तक पहुंचाया, लेकिन आखिरी पलों में उनसे फिर गलतियां हो गईं। लैनियर को दो मैच प्वाइंट मिले और श्रीकांत का शॉट नेट में फंसने से लैनियर ने मैच जीत लिया। अब सारी जिम्मेदारी एच एस प्रणय पर होगी कि वे भारत की उम्मीदों को जीवंत रखें। वह दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी टोमा जूनियर पोपोव से भिड़ेंगे। पोपोव ने 2025 के ऑल इंग्लैंड ओपन बैडमिंटन चैंपियनशिप में प्रणय को हराया था।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अर्जुन उर्फ गोपू पुत्र राजेंद्र निवासी सी–101, लाल बाग, आजादपुर, आदर्श नगर, दिल्ली ने FIR No. 52/2025 U/S 304(2)/3(5) BNSS, अन्तर्गत थाना सिविल लाइन्स, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अर्जुन उर्फ गोपू** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अर्जुन उर्फ गोपू** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आप को छिपा रहा है)।
अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 52/2025 U/S 304(2)/3(5) BNSS, अन्तर्गत थाना सिविल लाइन्स, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **अर्जुन उर्फ गोपू** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **12.06.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
श्री कार्तिक तापड़िया
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–06
केंद्रीयजिला, कमरा नंबर 247
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली
DP/5317/N/2026(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी देखिए)
84–भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता–2023

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **वसीम पुत्र मोहम्मद नज़र पताः मकान नं. ई–49, गली नं.4, दयालपुर वेलकम, दिल्ली ने एफआईआर संख्या 28177 / 2021 धारा 379 / 411 भा.द.स. के तहत** थानाः वेलकम, दिल्ली के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **वसीम** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधान प्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **वसीम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। अतः इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **एफआईआर संख्या 28177 / 2021 धारा 379 / 411 भा.द.स. के तहत थाना वेलकम, दिल्ली के उक्त वसीम** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **04.06.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
दीपाक्षी राणा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
कमरा नं.19, प्रथम तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली
DP/5383/NE/2026

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109

द्विपक्षीय समुद्री सहयोग की समीक्षा करने, नौसेनाओं के बीच सहयोग बढ़ाने पर होगी चर्चा

आईओआर में बढ़ती चीन की चुनौती के बीच म्यांमार की यात्रा पर नौसेनाप्रमुख

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध और हिंद-महासागर क्षेत्र (आईओआर) में बढ़ती चीन की आक्रामकता के दौर में नौसेनाप्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी शनिवार से म्यांमार की चार दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर हैं। जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच मौजूद द्विपक्षीय समुद्री सहयोग की समीक्षा करने, परिचालन स्तर पर संबंधों को मजबूत बनाने और भारत-म्यांमार की नौसेनाओं के मध्य सहयोग के नए रास्तों की तलाश करना है। नौसेना ने बताया कि एडमिरल त्रिपाठी की म्यांमार के सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ जनरल ये विन ऊ, रक्षा मंत्री जनरल यू हटुन आंग और म्यांमार की नौसेना के कमांडर-इन-चीफ एडमिरल हेटिन विन के साथ-साथ भारत के इस निकट पड़ोसी देश के सशस्त्र बलों के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ द्विपक्षीय वार्ताएं होंगी।

आपसी सम्मान पर आधारित मित्रता

नौसेनाप्रमुख की यह यात्रा दोनों देशों के बीच लंबे वक्त से चले आ रहे मित्रता वाले संबंधों की पुष्टि करती है। जो आपसी सम्मान, विश्वास और हिंद महासागर क्षेत्र (आईओआर) में समुद्री सुरक्षा और स्थिरता के लिए साझा प्रतिबद्धता पर आधारित हैं। यात्रा के दौरान एडमिरल त्रिपाठी म्यांमार की नौसेना की केंद्रीय कमांड, प्रशिक्षण कमांड, प्रथम बेड़े में कार्यक्रम के अलावा सशस्त्र बलों के शहीदों के युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। सभी कार्यक्रमों में म्यांमार के उच्च सैन्य अधिकारियों से होने वाली वार्ताओं के दौरान रक्षा सहयोग से संबंधित कई विषयों पर चर्चा होगी। जिनमें समुद्री सुरक्षा, क्षमता विकास, संवर्धन और प्रशिक्षण पर खासतौर पर ध्यान दिया जाएगा।

बड़े आयोजनों में शामिल रहा म्यांमार

नौसेना ने कहा, म्यांमार ने भारतीय नौसेना द्वारा आयोजित किए जाने वाले सभी महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में भाग लिया है। जिसमें हिंद महासागर नौसेना संगोष्ठी, मिलन युद्धाभ्यास, अंतरराष्ट्रीय बेड़ा समीक्षा, गोवा समुद्री सम्मेलन-संगोष्ठी, आईओएस सागर और एडमिरल कप मुख्य रूप से शामिल हैं। वहीं, देश की नौसेना रक्षा सहयोग बैठकों, स्टाफ वार्ताओं, प्रशिक्षण आदान-प्रदान, भारत-म्यांमार नौसेना अभ्यास (आईएमएनईएक्स), भारत-म्यांमार समन्वित गश्त (आईएमसीओआर), बंदरगाह के दौरों-जल सर्वेक्षणों के साथ ही परिचालन संबंधी गतिविधियों के जरिए म्यांमार की नौसेना के साथ नियमित रूप से संपर्क में रहती है। दोनों समुद्री सेनाएं लगातार प्रशिक्षण आदान-प्रदान को आगे बढ़ाती हैं, बहुपक्षीय मंचों में भाग लेती हैं और क्षमता विकास की दिशा में सहयोग करती हैं।

कनाडा की सुरक्षा खुफिया सेवा ने माना

'खालिस्तानियों' से सुरक्षा को खतरा, हिंसा को बढ़ावा दे रहे

एजेंसी ▶▶ ओटावा

कनाडा की सुरक्षा खुफिया सेवा (सीएसआईएस) ने शुक्रवार को एक रिपोर्ट जारी की। इस रिपोर्ट में माना गया है कि खालिस्तानी तत्वों से कनाडा को खतरा पैदा हो रहा है। सीएसआईएस की 2025 की रिपोर्ट कनाडा की संसद में पेश की गई। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि कनाडा में मौजूद खालिस्तानी तत्वों की गतिविधियां लगातार एक हिंसक चरमपंथी एजेंडा को बढ़ावा देती हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि ऐसे चरमपंथी समूहों की गतिविधियां कनाडा की राष्ट्रीय सुरक्षा और हितों के लिए लगातार खतरा बनी हुई हैं। इनमें से कुछ लोग कनाडाई नागरिकों से जुड़े हैं और कनाडा की संस्थाओं का उपयोग करके अपने हिंसक एजेंडे को आगे बढ़ाते हैं।

समुदाय के लोगों से पैसे इकट्ठा करते हैं, जिन्हें बाद में हिंसक गतिविधियों में लगाया जाता है। यह

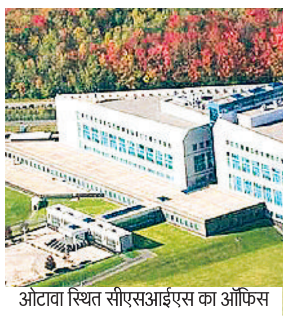
ओटावा स्थित सीएसआईएस का ऑफिस

रिपोर्ट 2025 की खुफिया आकलन पर आधारित है। लेकिन हाल के समय में इसमें बदलाव के संकेत भी मिले हैं। पीएम मार्क कार्नी के कार्यभार संभालने के बाद कनाडाई अधिकारियों ने कहा है कि उन्हें लगता है कि भारत वर्तमान में कनाडा की धरती पर किसी हिंसक अपराध या खतरे से जुड़ा नहीं है। रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस (आरसीएमपी) के प्रमुख माइक ड्यूहेम ने भी कहा कि कनाडा के लिए किसी विदेशी एजेंट से कोई सीधा खतरा साबित नहीं हुआ है।

एअर इंडिया हमले में खालिस्तानी शामिल

रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले साल एअर इंडिया की उड़ान 182 में बम विस्फोट की 40वीं बरसी थी, जिसके संदिग्ध कनाडा आधारित खालिस्तानी चरमपंथी समूहों के सदस्य थे। यह कनाडा के इतिहास का अब तक का सबसे घातक आतंकवादी हमला माना जाता है। इसमें 329 लोगों की मौत हुई थी, जिनमें ज्यादातर कनाडाई नागरिक थे। 2025 में कनाडा में खालिस्तानी समूहों से जुड़ा कोई हमला नहीं हुआ। कनाडा में खालिस्तान समर्थकों की मौजूदगी के कारण इस तरह की गतिविधियों पर निगरानी जरूरी है। रिपोर्ट में यह भी माना गया है कि भारत अपनी अंदरूनी स्थिरता के लिए खतरों का सामना करता है।

ऑस्ट्रेलिया के राजदूत फिलिप ग्रीन का अलगाववादियों को कड़ा संदेश

भारत की अखंडता से कोई समझौता नहीं प्रदर्शन की आड़ में गलत बातें बर्दाश्त नहीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया में खालिस्तानी गतिविधियों को लेकर भारत की चिंताओं पर ऑस्ट्रेलिया ने एक बड़ा और कड़ा बयान दिया है। भारत में ऑस्ट्रेलिया के उच्चायुक्त (राजदूत) फिलिप ग्रीन ने साफ कर दिया है कि उनका देश भारत की क्षेत्रीय अखंडता का पूरा सम्मान करता है। उन्होंने अलगाववादी ताकतों को कड़ा संदेश देते हुए कहा है कि लोकतांत्रिक देश होने के नाते वहां शांतिपूर्ण प्रदर्शन तो हो सकते हैं, लेकिन अपराध के लिए कोई जगह नहीं है। राजदूत फिलिप ग्रीन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया की पुलिस और खुफिया एजेंसियां भारत की चिंताओं को बहुत गंभीरता से ले रही हैं उनकी बहुसांस्कृतिक, खुफिया, पुलिस और विदेश नीति से जुड़ी एजेंसियां इस मुद्दे पर लगातार आपस में बैठकें कर रही हैं। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि वे भारत की क्षेत्रीय अखंडता में विश्वास करते हैं ।

करोड़ों की वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप, इंटरपोल का रेड कॉर्नर नोटिस जारी था

यूएई से भारत लाया गया भगोड़ा कमलेश पारेख

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

बैंकिंग और वित्तीय धोखाधड़ी के एक बड़े मामले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को अहम सफलता मिली है। लंबे समय से फरार चल रहे आरोपी कमलेश पारेख को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) से भारत प्रत्यर्पित कर लिया गया है। 1 मई को पारेख को भारत लाया गया, जहां दिल्ली पहुंचते ही सीबीआई ने उन्हें हिरासत में ले लिया। कार्रवाई भारत सरकार के 'ऑपरेशन ग्लोबल हंट' के तहत विदेश मंत्रालय गृह मंत्रालय के साथ समन्वय में अंजाम दी गई।

कमलेश पारेख

कई बैंकों के साथ की धोखाधड़ी

जांच एजेंसियों के अनुसार, कमलेश पारेख पर बड़े पैमाने पर बैंकिंग और वित्तीय धोखाधड़ी का आरोप है। इस घोटाले में देश के कई बैंकों के समूह को भारी नुकसान हुआ, जिसकी अगुवाई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) कर रहा था।